वार्षिक प्रतिवेदन

2016-17

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

HARYANA SWARNA UTSAV

1 November 2016 - 31 October 2017

TRANSFORMING HARYANA - PROGRESSING HARYANA

ANNUAL REPORT | 2016 - 17

वार्षिक प्रतिवेदन 2016 - 17

Annual Report

2016-17

Central University of Haryana

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

स्वच्छ भारत

एक कदम स्वच्छता की ओर

HARYANA SWARNA UTSAV

1 November 2016 - 31 October 2017

TRANSFORMING HARYANA - PROGRESSING HARYANA

Officers of the University

Prof. M.P. Singh
Chancellor

Prof. R.C. Kuhad
Vice-Chancellor

Prof. A.J. Varma
Dean, Academics & Research

Sh. Ram Dutt
Registrar

Editorial and Publication Committee

Dr. Sanjiv Kumar, Convener, Annual Report
Dr. Aditya Saxena, Convener, Publication of the Annual Report
Dr. Vinay Kumar Rao
Dr. K.K. Dubey
Dr. Pardeep Singh
Dr. Ranjan Aneja
Dr. Ajay Kumar
Dr. S.S. Rai
Ms. Divya
Ms. Rinu
Dr. Amit Kumar
Mr. Paramjeet Singh
Mr. Rajesh Bansal

विश्वविद्यालय के अधिकारी

प्रो. एम.पी. सिंह
कुलाधिपति

प्रो. आर.सी. कुहाड़
कुलपति

प्रो. ए.जे. वर्मा
अधिष्ठाता, अकादमिक एवं शोध

श्री राम दत्त
कुलसचिव

संपादन एवं प्रकाशन समिति

डॉ. संजीव कुमार, संयोजक, वार्षिक प्रतिवेदन
डॉ. आदित्य सक्सेना, संयोजक, वार्षिक प्रतिवेदन प्रकाशन
डॉ. विनय कुमार राव
डॉ. के.के. दुबे
डॉ. प्रदीप सिंह
डॉ. रंजन अनेजा
डॉ. अजय कुमार
डॉ. एस.एस. राय
सुश्री दिव्या
सुश्री रीनू
डॉ. अमित कुमार
श्री परमजीत सिंह
श्री राजेश बंसल

वार्षिक प्रतिवेदन

2016-17

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय

जांट-पाली, महेन्द्रगढ़, हरियाणा-123031

अनुक्रम

क्र. सं.	सूची	पृ. सं.
1.	विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह	iv
2.	विश्वविद्यालय के बारे में	v
3.	कुलपति की कलम से ...	vi
4.	विश्वविद्यालय कोर्ट	1–2
5.	कार्यकारी परिषद्	3
6.	शैक्षणिक परिषद्	4–5
7.	वित्त समिति	6
8.	अध्ययन संकाय	7
9.	शैक्षणिक कार्यक्रम	8
10.	शुल्क संरचना	9–12
11.	वर्ष की प्रमुख गतिविधियां	13–20
12.	कुलपति, प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ का शैक्षणिक योगदान	21–23
13.	विश्वविद्यालय के विभाग	24–78
14.	विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ एवं क्लब	79–82
15.	केंद्रीय पुस्तकालय	82

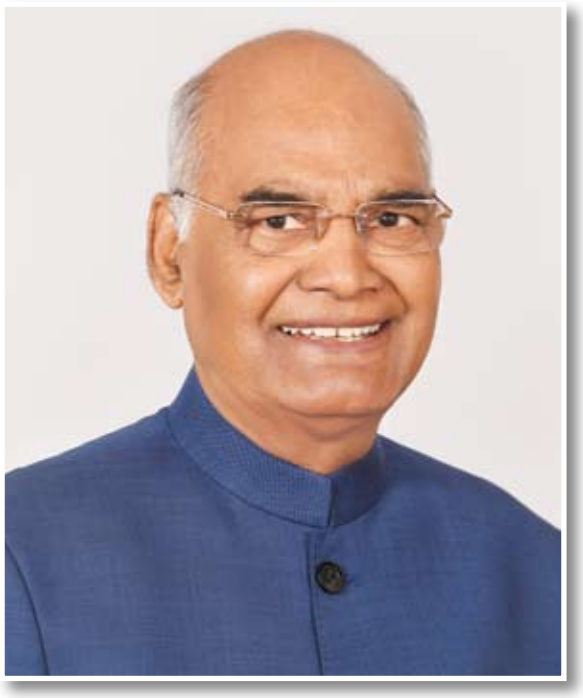

श्री रामनाथ कोविंद

भारत के राष्ट्रपति

कुलाध्यक्ष

"....संपूर्ण देश को एकजुट होकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक बच्चा स्वस्थ और सुरक्षित रहकर अपनी स्वतंत्रता और गरिमा के सहभाव में पूर्ण क्षमता के साथ शिक्षा प्राप्त कर सके।"

विश्वविद्यालय का प्रतीक चिन्ह

'विश्वास के साथ हासिल करते हुए'

विश्वविद्यालय के प्रतीक चिह्न के केंद्र में तीन वृत्तांशों की पवित्र त्रिवेणी से घिरा एक ग्लोब है और इसके नीचे भर्तृहरि द्वारा रचित 'नीतिशतकम्' से लिया गया एक श्लोक है।

नीचे के वृतांश में एक खुली हुई पुस्तक और एक वीणा अंकित है जो ज्ञान, शिक्षण, प्रबोध प्राप्त करने की ललक और कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दायीं ओर के वृत्तांश में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं साहसिकता की प्रक्रियाएँ अंकित हैं जो वैज्ञानिक प्रगति तथा सृजन की संस्कृति तैयार करने, नवप्रवर्तन और अनवेष्णात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के प्रति विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

बायीं ओर के वृतांश में प्रकृति का चित्रण है जो पर्यावरण, पारिस्थितिकी के प्रति सम्मान रखने और प्रकृति के साथ सौहार्दपूर्ण जीवन जीने की शिक्षा को बढ़ावा देने के प्रति विश्वविद्यालय की वचनबद्धता को दर्शाता है।

केंद्र में मानव श्रृंखला से घिरा हुआ ग्लोब और उसके ऊपर उड़ता हुआ कबूतर है जो विश्वविद्यालय की मान्यता को अभिव्यक्त करता है कि तीन वृतांशों की त्रिवेणी द्वारा प्रस्तुत प्रतिबद्धताएँ वैश्विक शांति, समृद्धि और मानवीय एकजुटता – शिक्षा के वास्तविक अभिप्राय को पूरा करेंगी।

नीचे लिखा हुआ श्लोक 'विद्याधनं सर्वधनप्रधानम्' 'शिक्षा' सर्वश्रेष्ठ निधि है, का संदेश देता है।

विश्वविद्यालय के बारे में

विश्वविद्यालय

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 के अंतर्गत स्थापित) हरियाणा राज्य का एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग और मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी), भारत सरकार द्वारा नियंत्रित एवं वित्तपोषित है।

हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण हरियाणा के जिला महेन्द्रगढ़ के जांट–पाली गांवों में स्थित है। महेंद्रगढ़ अब विस्तारित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) का हिस्सा है और दिल्ली से लगभग 125 किलोमीटर दूर है। यह रेलवे व सड़क मार्ग से दिल्ली से सुगम रूप से जुड़ा हुआ है।

विश्वविद्यालय के कुलाध्यक्ष

महामहिम, भारत के राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद

कुलाधिपति

प्रो. एम. पी. सिंह

कुलपति

प्रो. आर. सी. कुहाड़

संकल्पना

नवप्रवर्तन, रचनात्मक प्रयत्नों तथा विद्वतापूर्ण अन्वेषण को बढ़ावा देते हुए, व्यक्तियों, राष्ट्र तथा समस्त विश्व की शांति एवं समृद्धि के निहितार्थ ज्ञान–समाज हेतु, प्रबुद्ध मानव समाज विकसित करना।

उद्देश्य

बहु–विषयी अर्जन के माध्यम से ज्ञान समुदाय का सृजन, सद्चरित्र निर्माण एवं मूल्य– आधारित पारदर्शी कार्य नैतिकता का पोषण, रचनात्मक और आलोचनात्मक विवेक के प्रोत्साहन द्वारा स्वयं तथा भारत के नागरिकों के समग्र विकास हेतु परिवर्तन का अवलंब बनना है। विश्वविद्यालय इस उद्देश्य को शिक्षण, अनुसंधान एवं नवाचार के शुद्ध एवं अनुप्रयुक्त क्षेत्रों में उत्कृष्टता के वातावरण को बढ़ावा देकर प्राप्त करेगा।

- ज्ञान के प्रसार एवं उन्नति के लिए उन क्षेत्रों जहां उचित हो शिक्षण एवं अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना।
- मानविकी, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के शैक्षिक कार्यक्रमों में एकीकृत पाठ्यक्रम शुरु करने के लिए विशेष प्रावधान करना।
- शिक्षण अधिगम तथा अंतर्विषयी अध्ययन एवं अनुसंधान में नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु उचित व्यवस्था करना।
- देश के उत्थान हेतु मानव शक्ति को शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रोहत्सान के लिए उद्योगों से संबंध स्थापित करना और
- सामाजिक एवं आर्थिक परिस्थितियों एवं लोगों के कल्याण, उनकी बौद्धिक, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक उत्थान में प्रगति लाने हेतु विशेष ध्यान देना।

गुणवत्ता विवरण

शिक्षा, शोध और अन्य सभी प्रासंगिक और सार्थक गतिविधियों में उत्कृष्टता के माध्यम से समग्र और समावेशी विकास और समाज के परिवर्धन के लिए सभी प्रयासों को आधार बनाने के लिए दृढ़ता, दृढ़ संकल्प, जांच, नैतिक आचरण, विश्वसनीयता, पारदर्शिता, जवाबदेही और निरंतर आत्म–मूल्यांकन और सुधार।

प्रो. रमेश चन्द्र कुहाड़
एफ.एन.ए.एस.सी., एफ.एन.ए.ए.एस., एफ.बी.आर.एस.
कुलपति

कुलपति की कलम से ...

प्रथमतः, मैं मानव संसाधन विकास मंत्रालय, हरियाणा सरकार, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा विश्वविद्यालय को उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए किए जाने वाले अपने प्रयास में प्राप्त हुए भरपूर समर्थन और निरंतर मार्गदर्शन के प्रति आभार प्रकट करते हुए अत्यन्त प्रसन्नता व्यक्त करता हूँ।

शैक्षणिक उपलब्धियाँ

नवोन्मेष संवर्धन, रचनात्मक प्रयासों और विद्वतापूर्ण जिज्ञासा के माध्यम से, व्यक्ति, राष्ट्र और विश्व की शांति और समृद्धि के लिए ज्ञान आधारित समाज की प्रबुद्ध नागरिकता विकसित करने के दर्शन को वास्तविकता में परिणत की दिशा में निरंतर अग्रसर होते हुए, सत्र 2016–17 शैक्षणिक उत्साह और दृढ़ता से भरा रहा है, जो विश्वविद्यालय द्वारा आरम्भ की गई अकादमिक और अनुसंधान पहलों की श्रृंखला में प्रतिलक्षित है। इस सत्र के दौरान, विश्वविद्यालय ने विविध विषयों में 1500 से अधिक छात्रों के नामांकन के साथ 51 स्नातक, स्नातकोत्तर और अनुसंधान कार्यक्रम प्रस्तुत किए। अपने अकादमिक क्षितिज का विस्तार करते हुए विश्वविद्यालय ने सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (विद्युत अभियांत्रिकी) और मुद्रण एवं पैकेजिंग तकनीक में बी.टेक. पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ किया। शिक्षण गतिविधियों और अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने का प्रयास करते हुए विश्वविद्यालय ने 172 शोध पत्र/पुस्तकें प्रकाशित की; 18 पेटेंट (फाइल/प्राप्त किए गए); विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, शुद्ध और अनुप्रायोगिक रसायन अंतरराष्ट्रीय संघ, विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड व बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास संस्थान, इंटरनेशनल नेटवर्क ग्रांट (यूके) और जर्मन इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लोबल एंड एरिया स्टडीज जैसी प्रसिद्ध राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों द्वारा अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों में 35 अनुसंधान परियोजनाएं या फैलोशिप के लिए अनुदान प्राप्त कर उल्लेखनीय योगदान दिया गया।

मार्च, 2017 में संपन्न हुए राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद के आकलन और प्रत्यायन के प्रथम चक्र में विश्वविद्यालय ने 'ए' ग्रेड प्राप्त किया। यह पाठयक्रम संबंधी पहलुओं, शिक्षण–अधिगम और मूल्यांकन, अनुसंधान, नवोन्मेष और विस्तार, अधोसंरचना और अधिगम संसाधन, छात्र सहायता और प्रगति, शासन, नेतृत्व और प्रबंधन तथा संस्थागत मूल्य और सर्वोत्तम प्रथाओं आदि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विश्वविद्यालय की उपलब्धियों का प्रमाण है।

विश्वविद्यालय की अन्य प्रमुख शैक्षणिक उपलब्धियों में जैव प्रौद्योगिकी और प्रबंधन अध्ययन में अकादमिक नेटवर्क की वैश्विक पहल पाठ्यक्रमों की पांच वैश्विक पहलों का आयोजन करने के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय का अनुमोदन एवं वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद–केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी; लिबर्टी शूज लिमिटेड, करनाल; पीएएस, नई दिल्ली; राष्ट्रीय सहकारी संघ, नई दिल्ली और सेंटर फॉर इनोवेटिव एंड एप्लाइड बायोप्रोसेसिंग, मोहाली के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर सम्मिलित हैं। इस सत्र में भी विश्वविद्यालय को शिक्षा विद्या पीठ का पुरस्कार प्राप्त हुआ है जिसके परिणामस्वरुप 2017–18 में बी.एड. व एम.एड. कार्यक्रमों का आरम्भ हुआ है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय को मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा शिक्षकों के प्रशिक्षण संबंधी पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय मिशन योजना प्राप्त हुई। यह तथ्य भी

उतनी ही समुचित प्रसन्नता देता है कि विश्वविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आर्य समाज के संस्थापक पर आगामी अध्ययन के लिए स्वामी दयानंद सरस्वती पीठ की स्थापना का अनुमोदन प्राप्त हो गया है।

मैं रेखांकित करना चाहूँगा कि विगत सत्र के दौरान विश्वविद्यालय ने विभिन्न विषयों पर कई राष्ट्रीय सेमिनार, सम्मेलनों और कार्यशालाओं का आयोजन किया है। इनमें राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम,मानवाधिकार पर कार्यशाला (12 अप्रैल, 2016); निवेशक शिक्षा पर क्षेत्रीय सेमिनार (23 जून, 2016); "संधारणीय विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी" पर राष्ट्रीय सेमिनार (5–6, अगस्त, 2016); "पोषण जीवविज्ञान अनुसंधान में विश्लेषणात्मक उपकरणों का अनुप्रयोग" को समाविष्ट करने वाले राष्ट्रीय पोषाहार सप्ताह का आयोजन (1–6, सितंबर, 2016); "मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सूक्ष्म जीव" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार (8–9, सितंबर, 2016); "पर्यावरण अनुकूल रसायन विज्ञान में आधुनिक प्रवृत्तियाँ –2016" विषय पर परिसंवाद (29, सितंबर, 2016); भारत में संघवाद और विकेंद्रीकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन (30 सितंबर – 1 अक्टूबर, 2016); "विकल्प आधारित चयन प्रणाली (सीबीसीएस): क्षमता और चुनौतियां विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला; "समावेशी शिक्षाः अतीत, वर्तमान और भविष्य" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार (28, फरवरी, 2017); राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (27–28, फरवरी, 2017); "भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन" विषय पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला (30 मार्च–3 अप्रैल, 2017) सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, विश्वविद्यालय प्राध्यापक वर्ग ने जर्मन वैश्विक और क्षेत्र अध्ययन संस्थान, हैंबर्ग; ब्राइटन विश्वविद्यालय, ब्रिटेन; ब्रिस्टल विश्वविद्यालय ब्रिटेन; एडिनबर्ग विश्वविद्यालय, स्कॉटलैंड; ब्रिटिश परिषद, बर्मिंघम, ब्रिटेन; लंदन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट एंड एजुकेशन, लंदन और जाजू द्वीप, दक्षिण कोरिया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक आयोजनों में भाग लिया।

नवोन्मेष

विश्वविद्यालय में नवोन्मेषों की संस्कृति को संवर्द्धित करते हुए नवोन्मेष, कौशल और उद्यमिता विकास केंद्र के अंतर्गत छात्र नवोन्मेषकों ने वायु से चलने वाली कार, जैविक बर्तन बार, झाड़ू बनाने की मशीन, रूफ क्लीनर, प्राकृतिक फ्लोर क्लीनर, एल.ई.डी. के प्रयोग से साइन बोर्ड, फोल्डिंग सीढ़ियां, हस्त–संचालित विद्युत जनित्र, गति अवरोधकों पर विद्युत उत्पादन, काष्ठ–शिल्प कृत नवोन्मेषी बर्ड फीडर की अवधारणा विकसित की है। हमें यह बताते हुए गर्व है कि गति अवरोधकों पर विद्युत उत्पादन के नवोन्मेष ने अंतर्राष्ट्रीय विद्युत वाहन एक्सपो–2016, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। अपने छात्रों को नित–नवीन नवोन्मेषों हेतु प्रेरित करने के लिए विश्वविद्यालय जमीनी स्तर के नवोन्मेषकों सहित ख्याति प्राप्त नवोन्मेषकों को अपने नवोन्मेषों का प्रदर्शन करने एवं छात्र नवोन्मेषकों के साथ विचार विनिमय के लिए आमंत्रित किया करता है।

सामाजिक पहुंच कार्यक्रम

विश्वविद्यालय अपनी सामाजिक पहुंच पहल के रूप में केंद्र और राज्य सरकार के बेटी बचाओ – बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना, डिजिटल इंडिया, वित्तीय साक्षरता अभियान एवं हरियाणा स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत योजनाओं आदि कल्याणकारी कार्यक्रमों के विषय में निकटवर्ती समुदायों को जागरूक करने हेतु योगदान करने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहा है।

भारत को लैस–कैश और कैश–लैस अर्थव्यवस्था बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आरम्भ किए गए वित्तीय साक्षरता अभियान में पंजीकृत स्वयंसेवकों की सबसे बड़ी संख्या वाले उच्च शिक्षा संस्थानों की सूची में उच्चतम स्थान प्राप्त किया। विश्वविद्यालय के वित्तीय साक्षरता अभियान में स्वयंसेवकों ने गोद लिए गए गांवों के ग्रामीणों को कैशलेस लेनदेन के लिए 'भारत इंटरफेस फॉर मनी' (भीम) एवं अन्य सुविधाजनक अनुप्रयोगों का उपयोग करने के विषय में प्रशिक्षित किया। समुदाय के समर्थन एवं विश्वविद्यालय स्वयंसेवकों के उत्साहपूर्ण प्रयासों से विश्वविद्यालय के गोद लिए गए गांवों में पर्याप्त प्रभावी ढंग से वित्तीय साक्षरता अभियान चलाया गया। विश्वविद्यालय परिवार के लिए यह बड़े गर्व की बात है कि हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय को देश में भाग लेने वाली 4500 संस्थाओं में से वित्तीय साक्षरता अभियान स्वयंसेवकों की सबसे बड़ी संख्या वाले सर्वश्रेष्ठ 20 विश्वविद्यालयों में घोषित किया गया था।

विश्वविद्यालय विज्ञान और गणित की शिक्षा को रोचक एवं सार्थक गतिविधि बनाने एवं नवाचार और प्रौद्योगिकी के उपयोग पर ध्यान केन्द्रित करते हुए विद्यालय आधारित ज्ञान को विद्यालयोत्तर जीवन से संबद्ध करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आविष्कार अभियान की अवधारणा को अपनाने एवं संस्थागत करने वाले सभी नव स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में से संभवतः सर्वप्रथम है। इस योजना के अंतर्गत, विज्ञान, गणित एवं प्रौद्योगिकी क्लब ने निकटस्थ विद्यालयों के छात्रों के लिए राष्ट्रीय विज्ञान दिवस,

विज्ञान प्रदर्शनियों एवं अन्य शैक्षिक कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय के विज्ञान विभागों के साथ मिलकर कार्य किया।

सामुदायिक विकास केंद्र, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाइयों, महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ, कानूनी सहायता क्लिनिक, इको आदि और की सामाजिक पहुंच पहलों के माध्यम से उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए आठ गांवों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का सुधार करने के लिए विश्वविद्यालय निंरतर प्रयासरत है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त कुछ महत्वपूर्ण सामाजिक पहुंच पहलों में ग्रामीणों के लिए विश्वविद्यालय परिसर में आधार कार्ड शिविर; स्वास्थ्य, निर्मलता, स्वच्छता और पोषण जागरूकता कार्यक्रम; गोद लिए गए गांवों में स्वास्थ्य जांच शिविर; रक्तदान शिविर; गोद लिए गए गांवों में सामाजिक–विधिक सर्वेक्षण; सरकारी स्कूलों में शैक्षिक कार्यक्रम और प्रतियोगिताएं; जनसामान्य को नुक्कड़ नाटक और रैलियों के माध्यम से कल्याणकारी योजनाएं और महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों के विषय में संवेदनशील व जागरूक बनाया। इसमें पड़ोसी समुदाय के लिए नकदी फसलों और वित्तीय समावेशन पर कार्यशाला, जमीनी स्तर के नवोन्मेषकों को मान्यता प्रदान करना एवं विश्वविद्यालय के शैक्षिक और सह पाठयक्रम पहलुओं में गोद लिए गए गांवों की सक्रिय भागीदारी सम्मिलित हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा हमारे छात्रों और प्राध्यापकों के समर्पित प्रयासों एवं समुदाय के प्रेरणादायक समर्थन के माध्यम से सामाजिक पहुंच कार्यक्रमों में वांछित उपलब्धियाँ प्राप्त की जा सकती हैं। हमारे छात्र विश्वविद्यालय के वास्तविक गौरव हैं जिन्होंने सदैव न केवल शैक्षिक, नवोन्मेष और अनुसंधान गतिविधियों अपितु खेल और सह–पाठयक्रम गतिविधियों में भी विश्वविद्यालय को ख्याति प्रदान की है। सत्र 2016–17 के दौरान, हमारे राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) स्वयंसेवकों ने देश के विभिन्न भागों में तेरह राज्यों या राष्ट्रीय स्तर के राष्ट्रीय एकता शिविरों, साहसिक खेलों व प्रशिक्षण शिविरों में भाग लिया।

अधोसंरचनात्मक विकास

विद्यमान भौतिक सुविधाओं को बढ़ाते हुए विश्वविद्यालय ने तीन आधुनिक शैक्षणिक खण्डों और कर्मचारियों के लिए आवासीय भवनों के निर्माण, सौर ऊर्जा उत्पादन प्रणाली की स्थापना, परिसर में संधारणीय जल उपभोग के लिए नहर के पानी की आपूर्ति व्यवस्था, वनस्पति उद्यान और बागवानी पार्क के माध्यम से अपनी ढांचागत क्षमता को और अधिक बढ़ाया। मेरे लिए हितधारकों के साथ यह बात साझा करने का उचित अवसर है कि विश्वविद्यालय ने दो छात्रावास भवनों (बालकों और बालिकाओं प्रत्येक के लिए एक) का निर्माण आरम्भ कर दिया है। प्रशासनिक खण्ड का निर्माण तीव्र गति से जारी है, और पांच नई परियोजनाओं केन्द्रीय पुस्तकालय, विश्वविद्यालय अतिथि कक्ष, अतिरिक्त कर्मचारी भवन टाइप–III और टाइप–IV कर्मचारी भवन एवं स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण की भी योजना बनाई है।

यहाँ, मुझे माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर जी, हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष वेद प्रकाश जी के प्रति विशेष और हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करना ही चाहिए जिन्होंने क्रमशः तृतीय दीक्षांत समारोह (4 मार्च, 2017), स्थापना दिवस (25, फरवरी, 2017) एवं "भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन" (30 मार्च, 2017) पर पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन पर विश्वविद्यालय परिवार को अपने विद्वत्तापूर्ण संबोधनों से प्रेरित किया।

जबकि विगत एक वर्ष में विश्वविद्यालय की इन उपलब्धियों को साझा करते हुए मुझे प्रसन्नता हो रही है कि मैं भविष्य में और भी बेहतर रूप से विश्वविद्यालय को विकास के पथ पर दृढ़तापूर्वक गतिमान रखने का वचन देता हूँ। एक बार पुनः मैं शिक्षा के प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में विकसित होने की विश्वविद्यालय की आकांक्षाओं को पुनर्स्थापित अभिव्यक्त करता हूँ।

(प्रो. आर.सी. कुहाड़)

विश्वविद्यालय कोर्ट (26 जनवरी, 2017 तक)

अध्यक्ष प्रो. एम.पी सिंह कुलाधिपति		
प्रो. आर. सी. कुहाड़ कुलपति		
सदस्य		
लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) डी.डी.एस. संधू, पूर्व कुलपति, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	प्रो. अरुण कुमार ग्रोवर कुलपति पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़	प्रो. आनंद मोहन निदेशक एनआईटी, कुरुक्षेत्र
प्रो. अख्तरुल वसी, निदेशक जाकिर हुसैन इंस्टीट्यूट ऑफ इस्लामिक स्टडीज, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	प्रो कृष्ण सिंह खोकर पूर्व कुलपति सीसीएस हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार	इंजी. हर सरूप चहल पूर्व कुलपति महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक
प्रो. आर. पी. हुड्डा पूर्व कुलपति महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक	श्री मुकुल गुप्ता, निदेशक प्रबंधन विकास संस्थान गुरुग्राम	श्री दीवान मन्ना अध्यक्ष चंडीगढ़ ललित कला अकादमी चंडीगढ़
श्री धर्मपाल सिंह, (सेवानिवृत्त एसडीएम) गांवः सैदपुर पोस्टः अटेली मंडी	प्रो. एस. इनायत अली जैदी इतिहास और संस्कृति विभाग, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली	प्रो. ओम विकास, पूर्व निदेशक आईआईटीएम, ग्वालियर
श्रीमती उषा शर्मा अध्यक्ष हरियाणा कला परिषद चंडीगढ़	श्री पंकज कपूर अध्यक्ष, हरियाणा चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, पानीपत	प्रो. गिरीश्वर मिश्र मनोविज्ञान विभाग दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
श्री ए. वेंकटेश अधिवक्ता मकान सं. 8–10–1, गांधीनगर काकीनाडा –533004 (आंध्र प्रदेश)	श्री हरि सिंह बडकोदिया ग्राम व पोस्ट : बरकोडा नारनौल	प्रो. आर. पी. दाहिया, पूर्व कुलपति दीन बंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, मुरथल

प्रो. पी. रमेशन पूर्व निदेशक, आईआईएम रोहतक	प्रो. राज एस. धनखड़ पूर्व अधिष्ठाता, प्रबंधन अध्ययन संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पूर्व कुलपति, एमडीयू, रोहतक	प्रो. पूनम सक्सेना कुलपति राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय जोधपुर, राजस्थान
श्री प्रवीण चौधरी राज्य अध्यक्ष, पंचायत समिति चेयरमैन एसोसिएशन हरियाणा, नांगल चौधरी	प्रो. अजायब सिंह बरार, कुलपति जीएनडीयू, अमृतसर (पंजाब)	प्रो. शेर अली प्रमुख, आणविक आनुवंशिकी सीआईआरबी विज्ञान, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली
प्रो. आर.सी. भधानी निदेशक राष्ट्रीय भौतिक प्रयोगशाला, नई दिल्ली	प्रो. योगेन्द्र एस. वर्मा सम–कुलपति हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला (हि.प्र.)	प्रो. वी.के. गुप्ता रसायन विज्ञान विभाग आईआईटी, रुड़की
डॉ. रमेश एस. हुड्डा, मुख्य वैज्ञानिक, हरियाणा स्पेस एप्लिकेशन सेंटर, एचएयू, हिसार	श्री मंगलेश डबराल, पूर्व संपादक, जनसत्ता 326, निर्माण अपार्टमेंट, मयूर विहार फेस–I दिल्ली	प्रो. बिश्वजीत दास निदेशक सेंटर फॉर कल्चर मीडिया एंड गवर्नेंस जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली
प्रो. पार्थानाथ मुखर्जी प्रो. एस.के. डे चेयर, सामाजिक विज्ञान संस्थान, पूर्व निदेशक, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज	श्री राम दत्त, कुलसचिव हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय सदस्य सचिव *(पदेन)*	

कार्यकारी परिषद् (31 मार्च, 2017 को)

अध्यक्ष **प्रो आर.सी. कुहाड़** कुलपति	
प्रो. एम. आनंदकृष्णन पूर्व अध्यक्ष, आईआईटी कानपुर एंड साइंस सिटी, 8/15 पांचवा मेन रोउ, कंस्तूरबा नगर, अडयार, चेन्नई–600 020	**प्रो. डी.पी.एस. वर्मा** पूर्व आचार्य, वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली क्यू.यू–285–बी, चित्रकूट, पीतमपुरा, दिल्ली –110034
डॉ. पी.के. खुराना प्राचार्य, शहीद भगत सिंह कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	**प्रो. सुषमा यादव** आचार्य, लोक प्रशासन, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान, आईपी एस्टेट, रिंग रोड, नई दिल्ली
प्रो. वी.के. जैन कुलपति, दून विश्वविद्यालय, मोथरवाला रोड केदारपुर, देहरादून (उत्तराखंड)	**प्रो. योगेश सिंह** कुलपति, दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय शाहबाद दौलतपुर, बवाना रोड नई दिल्ली
डॉ. पायल मागो प्राचार्य, शहीद राजगुरु कॉलेज ऑफ अलाइड साइंसेज फॉर वीमेन, दिल्ली विश्वविद्यालय	**डॉ. अवधेश कुमार पांडेय** सह–आचार्य (सेवानिवृत्त), मकान सं. 1518, अरबन एस्टेट, सेक्टर –9, अंबाला सिटी–134003
डॉ. वी.के. गुप्ता वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रिलायंस कॉर्पोरेट पार्क, नवी मुंबई (महाराष्ट्र)	**प्रो. ए. जे. वर्मा** अधिष्ठाता, रसायन विज्ञान विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय *(पदेन)*
प्रो. ओम विकास (26.01.2017 तक) पूर्व निदेशक, आईआईटीएम ग्वालियर (विश्वविद्यालय कोर्ट द्वारा नामित)	**प्रो. ए.एस. बरार (26.01.2017 तक)** कुलपति, जीएनडीयू, अमृतसर, पंजाब (विश्वविद्यालय कोर्ट द्वारा नामित)
डॉ. सतीश कुमार कुलानुशासक एवं अधिष्ठाता हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय *(पदेन)*	**श्री राम दत्त** कुलसचिव, सचिव

शैक्षणिक परिषद् (15.01.2017 तक)

अध्यक्षः प्रो आर.सी. कुहाड़, कुलपति	
डॉ. शाहिद अशरफ कुलसचिव जामिया मिल्लिया इस्लामिया नई दिल्ली	**प्रो. के.एस. सांगवान** समाजशास्त्र विभाग, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक
प्रो. अनूप बेनीवाल गुरु गोबिंद सिंह इन्द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय नई दिल्ली	**डॉ. प्रदीप एस. चौहान** कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कुरुक्षेत्र
प्रो. एम.सी. शर्मा शिक्षा विभाग, इग्नू नई दिल्ली	**प्रो. एच.जे. घोष रॉय** महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक
प्रो. जी.एल. शर्मा आचार्य एवं अधिष्ठाता (प्रशासनिक) एलबीएसआईएम नई दिल्ली	**प्रो. निखलेश यादव** इंदिरा गाँधी विश्वविद्यालय, मीरपुर, रेवाड़ी
डॉ. (श्रीमती) पवन कुमार भारतीय विधि आयोग नई दिल्ली	**डॉ. बी.के. महापात्रा** कुलसचिव, एलबीएस संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली
प्रो. विजय कुमार महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक (प्रतिनिधि, अनु.जाति)	**डॉ. एस.एस. सांगवान** अंग्रेजी विभाग महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक (प्रतिनिधि, दिव्यांगजन)
प्रो. जे. पी. खुराना अध्यक्ष, पादप अणुजैविकी एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	**प्रो. आशीष दहिया (11.08.2016 तक)** अधिष्ठाता, भाषा, भाषा विज्ञान, संस्कृति एवं विरासत पीठ, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
प्रो. सतीश कुमार, अधिष्ठाता, कला, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान पीठ हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	**डॉ. बीर सिंह यादव (09.09.2018 तक)** सह–आचार्य अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
डॉ. संजीव कुमार, विभागाध्यक्ष अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय *(पदेन)*	**डॉ. सारिका शर्मा,** विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय *(पदेन)*

डॉ. विनय राव, विभागाध्यक्ष इतिहास एवं पुरातत्व विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय *(पदेन)*	**डॉ. कश्यप कुमार दुबे,** विभागाध्यक्ष जैवप्रौद्योगिकी विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय *(पदेन)*
डॉ. आदित्य सक्सेना, विभागाध्यक्ष भौतिकी विभाग हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय *(पदेन)*	**डॉ. आनंद शर्मा,** विभागाध्यक्ष प्रबंधन विभाग हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय *(पदेन)*
डॉ. सुमन, (09.09.2018 तक) सहायक आचार्य वाणिज्य विभाग हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय	**डॉ. प्रदीप सिंह, (09.09.2018 तक)** सहायक आचार्य विधि विभाग हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
दो विद्यार्थी प्रतिनिधि (एक शोधार्थी एवं एक स्नातकोत्तर विद्यार्थी)	**श्री राम दत्त,** कुलसचिव (सचिव) *(पदेन)*

वित्त समिति

अध्यक्ष: प्रो. आर.सी. कुहाड़, कुलपति	
संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार,	संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय (सीयू एंड एल)
संयुक्त सचिव (सीयू), यूजीसी, या यूजीसी के अध्यक्ष द्वारा संयुक्त सचिव स्तर का नामांकित कोई अन्य अधिकारी	डॉ. अभय ठाकुर आईआरएस वित्त अधिकारी, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
प्रो. डी.पी.एस. वर्मा पूर्व आचार्य वाणिज्य विभाग, दिल्ली स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	डॉ. विकास गुप्ता संयुक्त रजिस्ट्रार, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
प्रो. बी. के. महापात्रा कुलसचिव एल.बी.एस. संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली	श्री. ए. के. गोगिया सचिव वित्त अधिकारी हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

अध्ययन संकाय

विश्वविद्यालय प्रणाली में पीठ शामिल हैं, जो पारंपरिक विश्वविद्यालय प्रणाली में संकाय के समकक्ष हैं, जिन्हें बहुत व्यापक रूप से और व्यापक लचीलेपन के साथ परिभाषित किया गया है। प्रत्येक अध्ययन संकाय का अध्यक्ष संकाय का अधिष्ठाता होता है और जिसमें विभाग/केन्द्र शामिल होते हैं, जिनकी अध्यक्षता प्रमुख/निदेशक द्वारा की जाती है। विद्या के अनुप्रयोज्य भाग पर विशेष ध्यान के साथ स्कूलों का अंतःअनुशासनात्मक और बहु–अनुशासनात्मक दृष्टिकोण है। विश्वविद्यालय स्नातकोत्तर स्तर पर रूचि आधारित (च्वॉइस बेस्ड) क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस) कार्यान्वित करने वाले देश के अग्रणी विश्वविद्यालयों में से एक है, जो पाठ्यक्रम संबंधित सुधार है जो राष्ट्रीय प्रभाव पैदा करेगा। सत्र 2016–17 के दौरान, निम्नलिखित पीठ कार्यरत थेः

(i) कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान पीठ
(ii) रसायन विज्ञान पीठ
(iii) कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी पीठ
(iv) भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति और विरासत पीठ
(v) विधि, शासन, लोक नीति और प्रबंधन पीठ
(vi) भौतिक और गणितीय विज्ञान पीठ
(vii) पृथ्वी विज्ञान, पर्यावरण एवं अंतरिक्ष अध्ययन पीठ
(viii) पत्रकारिता, जनसंचार और मीडिया पीठ
(ix) अंतर–विषयी एवं अनुप्रयुक्त जीवन विज्ञान पीठ
(x) अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ
(xi) शिक्षा पीठ

अध्ययन विभाग

सत्र के दौरान, विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित विभागों/केन्द्रों के अंतर्गत शैक्षणिक कार्यक्रम प्रस्तुत किएः

1. जैवरसायन विभाग
2. जैव प्रौद्योगिकी विभाग
3. रसायन विज्ञान विभाग
4. सिविल अभियांत्रिकी विभाग
5. वाणिज्य विभाग
6. कंप्यूटर विज्ञान विभाग
7. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
8. अर्थशास्त्र विभाग
9. शिक्षा विभाग
10. विद्युत् अभियांत्रिकी विभाग
11. अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग
12. पर्यावरण विज्ञान विभाग
13. भूगोल विभाग
14. हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग
15. इतिहास और पुरातत्व विभाग
16. पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग
17. विधि विभाग
18. पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग
19. प्रबंधन अध्ययन विभाग
20. गणित विभाग
21. सूक्ष्मजीवविज्ञान विभाग
22. पोषण जीवविज्ञान विभाग
23. भौतिकी विभाग
24. राजनीति विज्ञान विभाग
25. मुद्रण और पैकेजिंग प्रौद्योगिकी विभाग
26. मनोविज्ञान विभाग
27. समाजशास्त्र विभाग
28. सांख्यिकी विभाग
29. पर्यटन विभाग और होटल प्रबंधन विभाग
30. दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र

शैक्षणिक कार्यक्रम

गुणवत्तापरक अनुसंधान को बढ़ावा देने का महत्व पहचानते हुए, विश्वविद्यालय ने सत्र 2009–10 में अंग्रेजी, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान में शोध कार्यक्रम (एम.फिल. और पीएच.डी.) आरंभ करके गुणवत्तापरक अनुसंधान का शुभारंभ किया। चरणबद्ध ढंग से अपनी शैक्षणिक संरचना का विस्तार करते हुए, विश्वविद्यालय ने निम्निलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों का प्रस्ताव किया।

	स्नातकोत्तर कार्यक्रम (26)	**स्नातक कार्यक्रम (यू. जी.) (7)**
1	स्नातकोत्तर (अर्थशास्त्र)	बी.टेक., कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग)
2	स्नातकोत्तर (शिक्षा)	बी.टेक., विद्युत् अभियांत्रिकी
3	स्नातकोत्तर (अंग्रेजी)	बी.टेक., सिविल अभियांत्रिकी
4	एम.बी.ए.	बी.टेक., मुद्रण और पैकेजिंग प्रौद्योगिकी
5	स्नातकोत्तर, वाणिज्य (एम.कॉम)	स्नातक (व्यवसायिक), बायोमेडिकल विज्ञान
6	एम.सी.ए.	स्नातक (व्यवसायिक), औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन
7	स्नातकोत्तर, विधि (एलएल.एम.)	स्नातक (व्यवसायिक), रिटेल और लॉजिस्टक प्रबंधन
8	स्नातकोत्तर (एम.एससी.) रसायनिक	**अनुसंधान कार्यक्रम**
9	स्नातकोत्तर (एम.एससी.) भौतिक	**एम.फिल. कार्यक्रम (5):**
10	स्नातकोत्तर (एम.एससी.) सांख्यिकी	एम.फिल. (अर्थशास्त्र)
11	स्नातकोत्तर (हिन्दी)	एम.फिल. (अंग्रेजी)
12	स्नातकोत्तर (इतिहास)	एम.फिल. (हिंदी)
13	स्नातकोत्तर (राजनीति विज्ञान)	एम.फिल. (राजनीति विज्ञान)
14	स्नातकोत्तर (मनोविज्ञान)	एम.फिल. (शिक्षा)
15	स्नातकोत्तर (समाजशास्त्र)	**पीएच.डी. कार्यक्रम (8):**
16	स्नातकोत्तर (पत्रकारिता और जनसंचार), एमजेएमसी	
17	स्नातकोत्तर, पुस्तकालय और सूचना विज्ञान	पीएच.डी. (अर्थशास्त्र)
18	स्नातकोत्तर विज्ञान (एम.एससी.) पर्यावरण विज्ञान	पीएच.डी. (अंग्रेजी)
19	स्नातकोत्तर विज्ञान (एम.एससी.) भूगोल	पीएच.डी. (हिंदी)
20	स्नातकोत्तर विज्ञान (एम.एससी.) गणित	पीएच.डी. (प्रबंधन अध्ययन)
21	स्नातकोत्तर विज्ञान (एम.एससी.) जैव रसायन विज्ञान	पीएच.डी. (राजनीति विज्ञान)
22	स्नातकोत्तर विज्ञान (एम.एससी.) जैवप्रौद्योगिकी	पीएच.डी. (शिक्षा)
23	स्नातकोत्तर विज्ञान (एम.एससी.) सूक्ष्मजीवविज्ञान	पीएच.डी. (रसायन विज्ञान)
24	स्नातकोत्तर विज्ञान (एम.एससी.) पोषण जीवविज्ञान	पीएच.डी. (सूक्ष्मजीवविज्ञान)
25	स्नातकोत्तर, होटल प्रबंधन और कैटरिंग टेक्नोलॉजी (एमएचएमसीटी)	
26	स्नातकोत्तर डिप्लोमा, सहकारी प्रबंधन	

(यूजीसी) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की स्वीकृति के पश्चात् विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक सत्र 2017–18 से शिक्षा पीठ के अंतर्गत बी.एड. और एम.एड. कार्यक्रम आरंभ किए हैं।

शैक्षणिक कैलेंडर 2016-17

विवरण	**तिथियां**
विषम सेमेस्टर के लिए कक्षाएं आरंभ	15 जुलाई, 2016 (शुक्रवार)
विषम सेमेस्टर की कक्षाओं का समापन	9 नवम्बर, 2016 (मंगलवार)
विषम सेमेस्टर की परिक्षाओं की तैयारी और पराक्षाएं	30 नवंबर, 2016 (बुधवार) से 23 दिसंबर, 2016 (शुक्रवार)
शीतकालीन अवकाश	24 दिसंबर, 2016 (शनिवार) से 3 जनवरी, 2017 (मंगलवार)
सम सेमेस्टर की कक्षाएं आरंभ	4 जनवरी, 2017 (बुधवार)
सम सेमेस्टर की कक्षाओं का समापन	16 मई, 2017 (मंगलवार)
सम सेमेस्टर की परीक्षा की तैयारी एवं परीक्षाएं	17 मई, 2017 (बुधवार) से 16 जून, 2017 (शुक्रवार)
ग्रीष्मावकाश	17 जून, 2017 (शनिवार) से 14 जुलाई, 2017 (शुक्रवार)

शुल्क संरचना (सत्र 2016-17)

एम.फिल.

क्र. स.	शुल्क	एम.फिल. (आर्ट्स) शुल्क रूपयें में	एम.फिल. (विज्ञान) शुल्क रूपयें में
1.	प्रतिभूति जमा (प्रतिदेय)	2000	2000
2.	प्रवेश शुल्क	1000	1000
3.	नामांकन शुल्क	600	600
4.	पुस्तकालय शुल्क	1000	1000
5.	शिक्षण शुल्क*	2000	2000
6.	सांस्कृतिक गतिविधि शुल्क/इंटरनेट सुविधा	200	200
7	कंप्यूटर लैब शुल्क	1000	1000
8	विश्वविद्यालय विकास निधि	500	500
9	चिकित्सा शुल्क	500	500
10	खेल शुल्क	200	200
11	प्रयोगशाला शुल्क	0	2000
12	विद्यार्थी शैक्षणिक गतिविधियां	200	200
	वार्षिक शुल्क		
13	पहचान पत्र	100	100
14	रेड क्रॉस फंड	60	60
15	एनएसएस शुल्क	20	20
16	बीमा शुल्क	200	200
17	छात्र कल्याण कोष	400	400
18	वार्षिक दिवस	100	100
19	विश्वविद्यालय पत्रिका	200	200
20	विद्युत / जल शुल्क	300	300
21	परीक्षा शुल्क	1000 (प्रत्येक बार)	1000 (प्रत्येक बार)

पीएच.डी. कार्यक्रम

क्रम सं.	लेखा–शीर्ष	राशि (अन्य) शुल्क रूपयें में	राशि (विज्ञान) शुल्क रूपयें में
	एक बार लिए जाने वाले शुल्क		
1	प्रतिभूति जमा (प्रतिदेय)	5000	5000
2	प्रवेश शुल्क	2000	2000
3	नामांकन शुल्क	600	600
4	पुस्तकालय शुल्क	2000	2000
5	सांस्कृतिक गतिविधि शुल्क	200	200
6	कंप्यूटर लैब शुल्क / इंटरनेट सुविधा	3000	3000
7	विश्वविद्यालय विकास निधि	1000	1000
8	लैब शुल्क	0	1000
9	पंजीयन शुल्क	2000	2000
10	शिक्षण शुल्क*	1000	1000
11	चिकित्सा शुल्क	500	500
12	खेल शुल्क	200	200
13	विद्यार्थी शैक्षणिक गतिविधियां	200	200
14	पहचान पत्र	100	100
15	रेड क्रॉस	60	60
16	बीमा	200	200
17	छात्र कल्याण कोष	500	500
18	वार्षिक दिवस	100	100
19	विश्वविद्यालय पत्रिका	300	300
20	विद्युत और जल शुल्क	600	600
21	परीक्षा शुल्क	1000 (प्रत्येक बार)	1000 (प्रत्येक बार)

** अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों से शिक्षण शुल्क नहीं लिया जाएगा*

स्नातकोत्तर कार्यक्रम (प्रथम वर्ष)

क्र.स.	लेखा–शीर्ष	मानविकी और सामाजिक विज्ञान	विज्ञान	पेशेवर कोर्स
1	प्रतिभूति जमा (प्रतिदेय)	1000	2000	2000
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)			
2	प्रवेश शुल्क	500	1500	1500
3	नामांकन शुल्क	600	600	600
4	पहचान पत्र शुल्क	100	100	100
5	रेड क्रॉस फंड	60	60	60
6	एनएसएस शुल्क	20	20	20
7	बीमा शुल्क	200	200	200
8	छात्र कल्याण निधि	400	400	400
9	वार्षिक दिवस शुल्क	100	100	100
10	विश्वविद्यालय पत्रिका शुल्क	200	200	200
11	पुस्तकालय शुल्क	900	900	900
12	शिक्षण शुल्क	1000	2000	3000
13	विद्युत एवं जल शुल्क	300	300	300
14	सांस्कृतिक गतिविधि शुल्क	150	150	150
15	कंप्यूटर लैब एवं इंटरनेट शुल्क	400	400	400
16	परीक्षा शुल्क	1000	2000	2000
17	विश्वविद्यालय विकास निधि	300	300	300
18	चिकित्सा शुल्क	250	250	250
19	खेल शुल्क	250	250	250
20	प्रयोगशाला शुल्क	0	1000	0
21	विद्यार्थी शैक्षणिक गतिविधियां शुल्क	100	100	100
	स्नातकोत्तर कार्यक्रम (द्वितीय वर्ष)			
क्र.स.	**लेखा–शीर्ष**	**मानविकी और सामाजिक विज्ञान**	**विज्ञान**	**पेशेवर कोर्स**
1	शोध–निबंध	1000	1000	1000
	वार्षिक शुल्क (रूपये में)			
2	पहचान पत्र शुल्क	100	100	100
3	रेड क्रॉस फंड	60	60	60
4	एनएसएस शुल्क	20	20	20
5	बीमा शुल्क	200	200	200
6	छात्र कल्याण निधि	400	400	400
7	वार्षिक दिवस	100	100	100
8	विश्वविद्यालय पत्रिका	200	200	200
9	पुस्तकालय शुल्क	900	900	900
10	शिक्षण शुल्क*	1000	2000	3000
11	विद्युतध्जल शुल्क	300	300	300
12	सांस्कृतिक गतिविधि शुल्क	150	150	150
13	कंप्यूटर लैब शुल्क इंटरनेट शुल्क	400	400	400
14	परीक्षा शुल्क	1000	1000	2000
15	विश्वविद्यालय विकास निधि	300	300	300
16	चिकित्सा शुल्क	250	250	250
17	खेल शुल्क	250	250	250
18	प्रयोगशाला शुल्क (केवल विज्ञान छात्रों के लिए)	0	1000	0
19	विद्यार्थी शैक्षणिक गतिविधियां शुल्क	100	100	100

** अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों से शिक्षण शुल्क नहीं लिया जाएगा*

बी.टेक प्रोग्राम (प्रथम वर्ष)

क्र.स.	लेखा शीर्ष	राशि (रुपए में)
	एक बार लिए जाने वाले शुल्क	
1	प्रतिभूति जमा (प्रतिदेय)	5000
	वार्षिक शुल्क	
2	प्रवेश शुल्क	3000
3	नामांकन शुल्क	600
4	पहचान पत्र शुल्क	100
5	रेड क्रॉस फंड	60
6	एनएसएस शुल्क	20
7	बीमा शुल्क	200
8	छात्र कल्याण कोष	400
9	वार्षिक दिवस शुल्क	100
10	विश्वविद्यालय पत्रिका शुल्क	200
11	पुस्तकालय शुल्क	1000
12	शिक्षण शुल्क*	36000
13	विद्युत जल एवं शुल्क	300
14	सांस्कृतिक गतिविधि शुल्क	150
15	कंप्यूटर लैब एव इंटरनेट शुल्क	400
16	परीक्षा शुल्क	6000
17	विश्वविद्यालय विकास निधि	6000
18	चिकित्सा शुल्क	250
19	खेल शुल्क	250
20	प्रयोगशाला शुल्क/ औद्गिक भ्रमण/फील्ड वर्क/प्रशिक्षुता (इंटर्नसिप)	5000
21	छात्र शैक्षणिक गतिविधियां शुल्क	100
	कुल (जमा प्रतिभूति)	**60130**

** अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों से शिक्षण शुल्क नहीं लिया जाएगा*

स्नातक (व्यवसायिक) कार्यक्रम (प्रथम वर्ष)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि (रुपए में)
	वार्षिक शुल्क (एक बार)	
1	प्रवेश शुल्क	250
2	नामांकन शुल्क	50
3	पहचान पत्र शुल्क	100
4	रेड क्रॉस फंड	60
5	एनएसएस शुल्क	20
6	बीमा शुल्क	200
7	छात्र कल्याण कोष	440
8	वार्षिक दिवस शुल्क	100
9	विश्वविद्यालय पत्रिका	200
10	पुस्तकालय शुल्क	100
11	शिक्षण शुल्क*	1130
12	विद्युत एवं जल शुल्क	300
13	सांस्कृतिक गतिविधि शुल्क	150
14	कंप्यूटर लैब शुल्क एवं इंटरनेट शुल्क	400
15	परीक्षा शुल्क	500
16	विश्वविद्यालय विकास निधि	100
17	चिकित्सा शुल्क	250
18	खेल शुल्क	250
19	प्रयोगशाला शुल्क औद्योगिक भ्रमण फील्ड वर्क इंटर्नशिप (प्रशिक्षुता)	300
20	छात्र शैक्षणिक गतिविधियां शुल्क	100
	कुल (जमा प्रतिभूति को छोड़कर)	**5000**

** अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों से शिक्षण शुल्क नहीं लिया जाएगा*

विविध प्रभार

क्र.स.	विवरण	राशि (रुपए में)
1.	पहचान कार्ड की परिचय–पत्र	100
2.	प्रवासन (माइग्रेशन) प्रमाण पत्र	400
3.	अनंतिम परिणाम (प्रोविजनल रिजल्ट)	250
4.	अनंतिम डिग्री	300
5.	डिग्री की अनुप्रति (डुप्लीकेट)	500
6.	पुनर्प्रवेश प्रवेश शुल्क	750
7.	अंक विवरण तालिका (डीएमसी) (डिटेल्ड मार्क्स सर्टिफिकेट) की अनुप्रति	100
8.	उत्तर पुस्तिकाओं का पुनर्मूल्यांकन	300 (प्रति पेपर)

छात्रावास शुल्क (2016-17)

मासिक शुल्क

क्र.स.	विवरण	राशि (रु)
1.	प्रवेश शुल्क	500
2.	छात्रावास एसोसिएशन शुल्क	500
3.	छात्रावास पहचान पत्र	50
4.	रसोई बर्तन का शुल्क	250
5.	मनोरंजन केंद्र शुल्क	300
6.	स्थापना शुल्क	1000
7.	छात्रावास विकास निधि	1000
8.	प्रतिभूति राशि (वापसी योग्य)	2000
	कुल	**5600**

कमरा शुल्क का विवरण

क्र.स.	विवरण	राशि (रु)
(i)	कमरे का किराए	150
(ii)	साफ–सफाई और रखरखाव प्रभार	150
(iii)	मनोरंजन केन्द्र	50
(iv)	विद्युत शुल्क	100
(v)	जल शुल्क	50

वर्ष की प्रमुख गतिविधियां

1. प्रमुख गतिविधियां

क्र.सं.	कार्यक्रम	आयोजक विभाग/प्रकोष्ठ	तिथियां
1.	2.	3.	4.
1.	भारत में साहित्यिक आलोचना सिद्धांतः अभ्यास और अध्यापन पर एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला	शिक्षा स्कूल और अंग्रेजी व विदेशी भाषा विभाग	30 मार्च–3 अप्रैल 2017
2.	विश्व जल दिवस 2017 समारोह	पर्यावरण विज्ञान विभाग	22 मार्च, 2017
3.	नैक सहकर्मी दल का दौरा	विश्वविद्यालय परिसर	6–8 मार्च, 2017
4.	तीसरे दीक्षांत समारोह का आयोजन। मुख्य अतिथि माननीय एचआरडी मंत्री श्री प्रकाश जावडेकर।	विश्वविद्यालय परिसर	4 मार्च, 2017
5.	स्थापना दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि हरियाणा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल	विश्वविद्यालय परिसर	25 फरवरी, 2017
6.	विसाका कार्यक्रम (मानव संसाधन विकास मंत्रालय) के अंतर्गत डिजिटल वित्तीय साक्षरता और सीयूएच भारत के शीर्ष 20 संस्थानों में से एक बना	विश्वविद्यालय परिसर	8 मार्च, 2017
7.	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2017 (अन्य विज्ञान विभागों के सहयोग से)	सभी विज्ञान विभाग	27–28 फरवरी, 2017
8.	समावेशी शिक्षाः अतीत, वर्तमान और भविष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	शिक्षा विभाग	28 फरवरी, 2017
9.	उच्चतर शैक्षिक संस्थानों के साथ राष्ट्रपति की बातचीत	विश्वविद्यालय परिसर	10 जनवरी, 2017
10.	सूक्ष्मजीवी जैवप्रौद्योगिकी विषय पर जीआईएएन पाठ्यक्रम का आयोजन	जैवप्रौद्योगिकी विभाग	19–30 दिसबंर 2016
11.	विसाका प्रशिक्षण कार्यक्रम	विश्वविद्यालय परिसर	15–22 दिसंबर, 2016
12.	नवाचार प्रयोगशालाः विचार से व्यारपार तक विषय पर जीआईएएन पाठ्यक्रम का आयोजन	प्रबंधन अध्ययन विभाग	14–25 नवंबर, 2016

1.	2.	3.	4.
13.	राष्ट्रीय कार्यशालाः उच्चतर शिक्षा में परीक्षा सुधार सीबीसीएसः संभावनाएं एवं चुनौतियां– सीबीसीएस का परिचय	शिक्षा स्कूल एवं एआईयू, नई दिल्ली	9 नवंबर, 2016
14.	जी.एन. रामचंद्रन दिवस मनाया गया	जैवप्रौद्योगिकी विभाग	8, अक्टूबर, 2016
15.	भारत में संघवाद और विकेंद्रीकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन	राजनीति विज्ञान विभाग	30 सितंबर–01 अक्टूबर, 2016
16.	पर्यावरण अनुकूल रसायन विज्ञान में अभिनव रुझान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आरटीईसी–2016	रसायन विज्ञान विभाग	29 सितंबर, 2016
17.	स्टार्ट्अप्स और उद्यमीः प्रकरण आधारित अधिगम विषय पर जीआईएएन पाठ्यक्रम का आयोजन	प्रबंधन अध्ययन विभाग	5–16 सितंबर, 2016
18.	मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सूक्ष्मजीव विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन	सूक्ष्म जीव विज्ञान विभाग	8–9 सितंबर, 2016
19.	राष्ट्रीय पोषण सप्ताह समारोह	पोषण जीवविज्ञान विभाग	8–9 सितंबर, 2016
20.	संधारणीय विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन	जैवप्रौद्योगिकी विभाग	5–6 अगस्त, 2016
21.	स्टार्टर और स्टार्ट अप्सः नये लोगों के लिए एक अधिगम चक्र पर जीआईएएन पाठ्यक्रम का आयोजन	प्रबंधन अध्ययन विभाग	18–30 जुलाई, 2016
22.	सामग्री प्रसंस्करण की तकनीक पर 3 दिवसीय कार्यशाला	भौतिकी विभाग और रसायन विज्ञान विभाग	27–29 अप्रैल, 2016
23.	राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला	विधि विभाग	12 अप्रैल, 2016

II. चालू एवं प्रदान की गई परियोजनाएंः

क्र. सं.	प्रधान अन्वेषक और सह–अन्वेषक का नाम, यदि कोई हो	परियोजना का शीर्षक	प्रदान करने का वर्ष	वित्तपोषक अभिकरण	परियोजना अनुदान	परियोजना की अवधि
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
1.	प्रो. आर.सी. कुहाड़, कुलपति	वितरित स्तरीय अनुप्रयोगों के लिए संधारणीय प्रौद्योगिकियां और ग्रामीण विकास के लिए ऊर्जा सहायता	2015	जैव प्रौद्योगिकी विभाग	66.89लाख	2 वर्ष
2.	प्रो. आर.सी. कुहाड़	सूक्ष्मजीवविज्ञान के स्नातकोत्तवर पाठ्यक्रमों में एमओओसी की ईपीजी पाठशाला	2016	यूजीसी / मानव संसाधन विकास मंत्रालय	1.44 करोड़	2016 –17
3.	प्रो. ए. जे. वर्मा, रसायन विज्ञान विभाग	पॉलीब्युनटाडाइन और स्टीरीन–पॉलीब्युनटाडाइन कृत्रिम प्रत्यास्थयलक की सूक्ष्म संरचना	2015	रिलायंस उद्योग, राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला, पुणे में संपन्न की गई परियोजनाएं	45 लाख प्रति वर्ष	जारी
4.	प्रो. ए जे. वर्मा रसायन विज्ञान विभाग	मैसर्स हिंदुस्तान गम एंड केमिकल्स लिमिटेड (एमपी बिड़ला समूह), भिवानी, के लिए उनके गैलेक्टोमनन प्राकृतिक बहुलक की नई उत्पाद श्रृंखला का विकास करने के लिए परामर्श कार्य	2016	मैसर्स हिंदुस्तान गम एंड केमिकल्स लिमिटेड (एमपी बिड़ला ग्रुप), भिवानी	3 लाख प्रति वर्ष	जारी
5.	डॉ. राजीव एस. मेनन रसायन विज्ञान विभाग	"स्वर्ण–उत्प्रेतरित जैविक रूपांतरणः कार्बन–कार्बन आबंध निर्माण व पुनर्विन्यास के नवीन मार्ग" पर रामानुजन फेलोशिप शोध अनुदान (एसआर/एस2/आरजेएन–05/2011)	2012	(एसईआरबी) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली, भारत	31 लाख	5 वर्ष (जनवरी 2012–जनवरी 2017, जारी)

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
6.	डॉ. राजीव एस. मेनन	"विषचक्रीय निर्माण और अल्कालॉइड संश्लेषण में असंतृप्त सल्फोन की संश्लेषित क्षमता का दोहन करने" पर प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान (ईसीआर) अनुदान (ईसीआर / 2016 / 001401)	2016	एसईआरबी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली, भारत	48 लाख	
7.	डॉ. मनोज के. गुप्ता रसायन विज्ञान विभाग	"जैववैज्ञानिक रूप से रूचिकर यौगिकों के संश्लेषण, लिग्निन और सदश रूप की प्रति–एचआईवी गतिविधि" पर फास्ट ट्रैक परियोजना (एसबी / एफटी / सीएस–132 / 2012)	2014	एसईआरबी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली, भारत	29.87 लाख	
8.	डॉ. प्रकाश कानू रसायन विज्ञान विभाग	"सुप्रामोलक्युलर सेल्फ असेंब्लीज व हाइब्रिड नैनोस्पेपस में हैलोजन आबंध समर्थित पहचान" पर फास्ट ट्रैक परियोजना (वाईएसएस / 2014 / 000 9 83)	2016	एसईआरबी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली, भारत	32 लाख	
9.	डॉ. एजाज अंसारी रसायन विज्ञान विभाग	ष"फोटोरिडॉक्सस उत्प्रेरक में ऊर्जा अंतरण तंत्र और उत्प्रेरक रूपांतरण अभिक्रियाओं में उसका अनुप्रयोग समझने" पर प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान (ईसीआर) अनुदान (ईसीआर / 2016 / 001111)	2017	एसईआरबी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली, भारत	40.89 लाख	
10.	डॉ. अनुराग प्रकाश सुण्डा रसायन विज्ञान विभाग	"आयनिक लिक्विड डोप्ड पॉलीमर इलेक्ट्रोलाइट मेम्ब्रेन व प्लैटिनम इलेक्ट्रोड इंटरफेस का आरम्भर से आण्विक गतिशीलता अनुकरण" डीएसटी इंस्पायर परियोजना ख्आईएफए14–एमएस–31,	2015	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), नई दिल्ली, भारत	35 लाख / 7 लाख प्रति वर्ष	पाँच वर्षो के लिए

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
11.	डॉ. सुजा टी.डी., रसायन विज्ञान विभाग	"प्राकृतिक उत्पाद सदृशरूप के डिजाइन और संश्लेषण, एंटीकैंसर थेरेपेटिक्स की खोज" पर फास्ट ट्रैक परियोजना (सीएस –179 / 2013)	2014	एसईआरबी, विज्ञान विभाग और प्रौद्योगिकी (डीएसटी), नई दिल्ली, भारत	3.1 लाख	
12.	कश्यप कुमार दुबे, जैव प्रौद्योगिकी	अस्पताल के अपशिष्टों जल में एंटीनियोप्लास्टिक यौगिकों का उन्मूलन लक्षित करनाः संधारणीय उपचार में नवीन सीमान्तन	2015	जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी)	59.9 लाख	
13.	डॉ. कश्यप कुमार दुबे	सीओक्यु10 की उपज के संवर्धन के लिए युबीआईए का स्थील निर्देशित म्युटाजेनेसिस	2016	जैव प्रौद्योगिकी विभाग (डीबीटी)	29.01 लाख	
14.	डॉ. गुलाब यादव, युवा वैज्ञानिक, जैव प्रौद्योगिकी	आण्विक अंकित बहुलक की सहायता से अफ्लाटॉक्सिन एम1 और ओक्राटॉक्सिन ए का पता लगाना और निष्कार्षण	2016	एसईआरबी– डीएसटी	35.11 लाख	
15.	डॉ. नवरिंदर कौर, जैवचिकित्सीय विज्ञान	चूहों की फियोक्रोमोसाइटोमा कोशिकाओं में हाइपोक्सिया प्रेरित न्यूरोइन्फ्लारमेशन पर पाइपरिन और कैप्साइसिन का प्रभाव	2016	एसईआरबी दृडीएसटी	43.8 लाख	
16.	डॉ. चंचल कुमार शर्मा (सह–अन्वेषक) डॉ. विल्फ्रेड स्वेन्डेन (प्रधान अन्वेषक)	भारतीय संघवाद में निरंतरता और परिवर्तन	2014	लीवरहुल्म इंटरनेशनल नेटवर्क ग्रांट (यूके)	1 करोड़	
17.	डॉ. चंचल कुमार शर्मा	भारत में अंतर सरकारी हस्तांतरण और क्षेत्रीय असमानताएं	2015	आईसीएसएसआर	10 लाख	2 वर्ष

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
18.	डॉ. चंचल कुमार शर्मा विजिटिंग फेलो, भारत पर अनुसंधान के लिए जीआईएए फेलोशिप	भारतीय संघवाद और दलीय प्रणाली	2017	जर्मन वैश्विक एवं क्षेत्रगत अध्ययन संस्थान, हैम्बर्ग	6.5 लाख	जनवरी 2017 से जून 2017
19.	डॉ. मोना शर्मा, पर्यावरण विज्ञान विभाग	जैवउपचार और हाइड्रोजन उत्पादन के लिए हाल के भारतीय स्टेशन, भारती, अंटार्कटिका से स्वदेशी भारी धातु सहिष्णु शैवाल तनाव का अनुवीक्षण	2016	वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), नई दिल्ली	25 लाख	3 वर्ष
20.	डॉ. रंजन अनेजा, अर्थशास्त्र विभाग	हरियाणा के विकास में क्षेत्रीय भिन्नता का अध्ययनः जिला स्तरीय विश्लेषण	2015	आईसीएसएसआर	5.5 लाख	2 वर्ष
21.	डॉ रंजन अनेजा, पीआई डॉ. राजीव कुमार सिंह, सह–पीआई	दलितों पर मनरेगा के प्रभाव का मूल्यांकनः हरियाणा के महेंद्रगढ़ और सिरसा जिलों का अध्ययन	2017	एनआईआरडी और पीआर, हैदराबाद	परियोजना स्वीकृत, अनुदान राशि जारी होना बाकी	1 वर्ष
22.	डॉ. अविजित प्रमाणिक सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग	विब्रियो एल्गिनोलाईटिकस से साइडरोफोर जैवसंश्लेषित जीन क्लस्टर की पहचान और क्लोनिंग और आगे अधिक लक्षण वर्णन और उपयोग के लिए ई. कोलाई में साइडरोफोर की विषमरूप अभिव्यक्ति	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)	49 लाख	2016–2019	
23.	डॉ. पूजा यादव सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग	हेलिकोबैक्टर पाइलोरी में जी4 डीएनए की पहचान और कार्यात्मक लक्षण वर्णनः एक नवीन उपचारात्मक लक्ष्य	2016	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)	45 लाख	2016–2019

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
24.	डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी, सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग	दूसरी पीढ़ी के लागत प्रभावी जैव ईंधन उत्पादन के लिए खमीर में तापीय और अवरोधक तनाव सहिष्णुता में सुधार लानाः अनुकूलनीय विकास आधारित दृष्टिकोण	2016	विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी)	50 लाख	2016–2019
25.	डॉ. ऋषिकेश शुक्ला डी एस. कोठारी, पीडी फेलो, सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग	फसलों के उप–उत्पादों का उपयोग करके एरिथ्रिटोल के उत्पादन के लिए लागत प्रभावी रणनीति	2016	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी)	20 लाख	2016–2019
26.	डॉ. अरविंद सिंह तेजावत हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग	लिखित और मौखिक परंपरा के आधार पर दक्षिणी और पश्चिमी राजस्थानी समाज के संदर्भ में सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन की पृष्ठभूमि में भाषा में परिवर्तन और विकास का अध्ययन	2016	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद	9 लाख	2 वर्ष
27.	डॉ. तेजपाल ढेवा पीआई डॉ. अश्विनी कुमार, सह–पीआई, पोषण जीवविज्ञान	हरियाणा और राजस्थान के मूल्यवर्धित पारंपरिक ग्रामीण किण्वित डेयरी खाद्य पदार्थों के माध्यम से सूक्ष्म पोषक कुपोषण समाप्त करना	2016	एसईआरबी (डीएसटी) भारत सरकार	परियोजना स्वीकृत, अनुदान राशि जारी होना बाकी	3 वर्ष
28.	डॉ. अजय पाल शर्मा प्रबंधन अध्ययन	ग्रामीण परिवर्तन में पीआरआई का प्रभावः हरियाणा के चयनित जिलों का अध्ययन	2016	आईसीएसएसआर, नई दिल्ली	9 लाख	2 वर्ष 15 फरवरी 2016 से प्रभावी
29.	डॉ. अजय पाल शर्मा पीआई डॉ. अजय कुमार, सह–पीआई	हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के विशिष्ट संदर्भ में ग्रामीण महिलाओं के समावेशी विकास में मनरेगा का प्रभाव	2017	एनआईआरडी, हैदराबाद (राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान)	परियोजना स्वीकृत, अनुदान राशि जारी होना बाकी	1 वर्ष

1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
30.	डॉ. विकास यादव, जैवरसायन विज्ञान	मधुमेह मध्यस्थीय एंडोथेलियल कोशिका गड़बड़ी और एंजियोजेनेसिस में नाभिकीय अभिग्राही सहसक्रियकर्ता पीजीसी 1बी की भूमिका	2016	डीबीटी, भारत सरकार (रामलिंगास्वामी फेलोशिप योजना)	88.5 लाख	2016–2021
31.	डॉ. राजीव कुमार सिंह, राजनीति विज्ञान	मानव सुरक्षा और संघर्षः हरियाणा और उत्तर प्रदेश के महेंद्रगढ़ और सोनभद्र जिलों का तुलनात्मक अध्ययन	2015	भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद	8 लाख	2 वर्ष
32.	डॉ. दिनेश चहल और डॉ. रेणु यादव शिक्षा विभाग	हरियाणा में वाईआरसी गतिविधियों का मूल्यांकन	2016	आईआरसीएस, हरियाणा	1 लाख	12 महीने
33.	डॉ. रेणु यादव और डॉ. दिनेश चहल	किशोर बालिकाओं में स्वच्छता और साफ–सफाई का व्यतवहारः विद्यालय का अध्ययन	2016	आईआरसीएस, हरियाणा	1 लाख	12 महीने

III. **शैक्षणिक उद्देश्य के लिए विशेष अनुदानः**

क्र. सं.	परियोजना / योजना	वर्ष	फंडिंग एजेंसी	राशि	अवधि
1.	पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय अध्यापक और अध्यापन मिशन (पीएमएमएमएनएमटीटी)	2016	एमएचआरडी	13.24 करोड़	2016–2020

कुलपति, प्रोफेसर आर.सी. कुहाड़ का शैक्षणिक योगदान

अकादमिक समिति

- सदस्य विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (2016–19)
- विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्यापकों की नियुक्ति और अन्य शैक्षणिक कर्मचारियों के लिए न्यूनतम योग्यता पर यूजीसी पुनरीक्षण और उच्च शिक्षा 2010 में मानदंड बनाए रखने का सुझाव देने के लिए **यूजीसी द्वारा गठित समिति के सदस्य**।
- **सदस्य, निकाय,** सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क केंद्र (आईएनएफएलआईबीएनईटी), नई दिल्ली
- यूजीसी के समूह–क के कर्मचारियों के लिए एमएसीपी योजना के अंतर्गत वित्तीय उन्नयन के अनुदान के संबंध में **समीक्षा समिति के सदस्य**।
- केन्द्र सरकार के सेवकों की आवधिक समीक्षा / सेवानिवृत्ति के संबंध में यूजीसी के कर्मचारियों / अधिकारियों के लिए समीक्षा **समिति के सदस्य।**
- यूजीसी का प्रतिनिधित्व करने के लिए स्थायी परिषद / पैनल अधिवक्ता के पद के लिए **अनुवीक्षण समिति के सदस्य**
- **सदस्य, वित्त समिति,** राष्ट्रीय प्रत्यायन और आकलन परिषद (एनएएसी), नई दिल्ली (2016 से)
- **सदस्य,** अवर सचिव के पद के लिए **विभागीय पदोन्नति समिति** (2016 से)
- **सदस्य,** एनसीईआरटी की स्थापना समिति (2016–2019)
- **अध्यक्ष,** राय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, बैंगलोर की विशेषज्ञ समिति (2016 से)
- **आयोग सदस्य,** विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (2016–2019)
- **सदस्य,** केंद्रीय विश्वविद्यालय के परिसरों को वाई–फाई सक्षम बनाने के लिए विशेषज्ञ समिति, कश्मीर केंद्रीय विश्वविद्यालय, कश्मीर (2016 से)
- **सदस्य, सामान्य परिषद,** राष्ट्रीय शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी), नई दिल्ली (2016–2019)
- **सदस्य, योजना मंडल,** हेमचंद्राचार्य उत्तर गुजरात विश्वविद्यालय, पाटन (2016–2019)
- **सदस्य, शैक्षणिक परिषद,** कोचीन विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कोच्चि (2015 से)
- **सदस्य, कार्यकारी समिति,** राष्ट्रीय प्रत्यायन और आकलन परिषद (एनएएसी), नई दिल्ली (2015 से)
- **सदस्य, परिषद,** आईयूसीएए, पुणे (2015–2017)
- **अध्यक्ष,** यूपीई की योजना के अंतर्गत बीएचयू के मौके पर आकलन के लिए यूजीसी की मध्यावधि निगरानी समिति (2015 से आगे)
- **पीआरसी विशेषज्ञ,** मैसर्स आईसीपीए हेल्थ प्रोडक्ट्स लिमिटेड, मुंबई की "दंत और मौखिक रोगों के लिए चिटोसन आधारित दवा प्रदाय प्रणाली" शीर्षक से पीएसीई–टीडीडी परियोजना, (2015 से)
- **अध्यक्ष,** रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान (डीआरडीई), ग्वालियर की एलआरसी (2016–2017)
- **अध्यक्ष, शासी निकाय,** आचार्य नरेंद्र देव महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (2014 से)

- **अध्यक्ष, शासी निकाय,** शहीद भगत सिंह महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली (2013 से)

पेटेंटः

- शीर्षकः 'ठोस अवस्था किण्वन द्वारा बैसिलस प्यूमिलस एमके001 से अल्कालोदेमोस्टेबल जाइलेनेज उत्पादन की विधि'
  आविष्कारकः आर.सी. कुहाड़ और मुकेश कपूर
  फाइल संख्या. आईएन 984 डीएल 2008

शोध पत्रः

- गुप्ता आर, हेमांशी, गौतम एस, शुक्ला आर, **कुहाड़, आर.सी.**; (2017)। "मकई की बाल से अम्लय हाइड्रोलाइजेट के चारकोल के विषहरण और जाइलीटोल के लिए उसके किण्वन का अध्ययन" *जर्नल ऑफ एनवायरनमेंटल केमिकल इंजीनियरिंग।* (स्वीकृत)
- पाल एस, जोय एस, कुंभार पी, त्रिमुखी केडी, गुप्त आर, **कुहाड़, आर.सी.**; वर्मा ए.जे. एट अल, (2017). "भाप विस्फोट और खनिज अम्ल, कार्बनिक अम्ल, और मिश्रित अम्ल से गन्ने की खोई का प्रायोगिक पैमाने पर पूर्वोपचारः सहक्रियाएं, एंजाइमेटिक जलअपघटन दक्षताएं, और संरचना–आकृति विज्ञान सहसंबंध." *बायोमास कन्वजर्जन और बायोरिफाइनरी* 7 (2), 179 –189।
- तिवारी जी, शर्मा ए, दलेला एम, गुप्ता आर, शर्मा एस, **कुहाड़, आर.सी.**; (2017). "एंजायमेटिक जलअपघटन के लिए फल के छिलके के अपशिष्ट का माइक्रोवेव सहायतित क्षार पूर्वोपचार." *इंडियन जर्नल ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसेज* 87 (4), 496–499।
- जैन के.के., कुमार एस, देसवाल डी, **कुहाड़, आर.सी.**; (2017)। "किण्वन जैवप्रसंस्करण द्वारा थर्मोएसस ऑरान्टियाकस आरसीकेके से तापस्थिर सेलूलोज के बेहतर उत्पादन और कार्यालय के अपशिष्ट कागज, शैवाल की लुग्दी, और जैववैज्ञानिक रूप से उपचारित गेहूं के भूसे के जलअपघटन में इसका अनुप्रयोग।" *एप्लाइड बायोकेमेस्ट्री एंड बायोटेक्नोलॉजी* 181 (2), 784–800।
- कुमार एस, जैन के.के., रानी एस, भारद्वाज के.एन., गोयल एम, **कुहाड़, आर.सी.**; (2016)। "बैसिलस प्यूमिलस एमके 001 से पुनः संयोजक लैकेस (कॉटए) की इन–विट्रो रिफोल्डिंग और लक्षण वर्णन और फेनोलिक्स अवक्षय की इसकी क्षमता।" *मॉलक्युलर बायोटेक्नॉल्जी* 58 (12), 789–800।
- शुक्ला आर, कुमार एम, चक्रवर्ती एस, गुप्ता आर, कुमार एस, साहू डी, **कुहाड़, आर.सी.**; (2016). "ग्रैसिलेरिया वेर्रुकोसा के अपशिष्ट शैवाल जैवभार से जैवएथनॉल के उत्पादन की प्रक्रिया का विकास।" *बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी* 220, 584–589।
- डे टी.बी., चक्रवर्ती एस, जैन के.के., शर्मा ए, **कुहाड़, आर.सी.**; (2016)। "एंटीऑक्सिडेंट फिनोलिक्स और निमग्न व ठोस अवस्था किण्वन प्रक्रिया द्वारा उनका सूक्ष्मजीवी उत्पादनः एक समीक्षा।" *ट्रेंड्स इन फूड साइंस एंड टेक्नॉलोजी* 53, 60–74।
- चन्दन पी, माइलराज एस, **कुहाड़, आर.सी.**; (2016)। "बैसिलस स्युडोफ्लेक्सस स्प. नव, कम्पोस्ट से पृथक किया गया मध्यम रूप से हेलोफिलिक जीवाणु।" *एनल्स ऑफ मायक्रोबायोलॉजी* 66 (2), 895–905।
- एमखीज, टी., एमथेम्बु, एल.डी., गुप्ता, आर., कौर, ए., **कुहाड़, आर.सी.**; रेड्डी, पी., दीनदायाल एन. (2016)। "अम्ल / क्षार पूर्वोपचारित, मिल–चलित, और डेपीथेड गन्ने की खोई का एंजायमेटिक शर्करीकरण।" *बायोरिसोर्स*। (स्वीकृत)
- कुमार एस., जैन, के.के., भारद्वाज, के.एन., चक्रवर्ती, एस., **कुहाड़, आर.सी.**; (2016)। "ई. कोलाई में एकल वेक्टर में एक साथ अभिव्यक्ति और क्लोनिंग द्वारा जीवाण्विक लैक्क्स (कॉट ए) पेक्टेट लाईज (चम) और जाइलेनेज (•लस) का लागत प्रभावी उत्पादन." *प्लस वन*। (स्वीकृत)
- डे टी.बी., कुमार ए., बनर्जी आर., चन्दा पी., **कुहाड़, आर.सी.**; (2016)। "सूक्ष्मजीवी अल्फा–एमाइलेज स्थिरता में सुधारः रणनीतिक उपागम." *प्रोसेस बायोकेमेस्ट्री* डीओआईः 10.1016 / j-procbio-2016-06-021।

- चक्रवर्ती, एस., गुप्ता, आर., जैन, के.के., **कुहाड़, आर.सी.**; (2016)। "एसएसएफ के अंतर्गत ट्रायकोडर्मा स्पब. से आरसीके 65 सेलुलोज हाइड्रोलाइजिंग एंजाइमों का लागत प्रभावी उत्पादन और सेलुलोसिक सबस्ट्रेट्स के शर्करीकरण में इसका मूल्यांकन. "*बायोसिस्टम एंड बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग.* डीओआई, 10.1007 /0044 9–016–1641–6।
- **कुहाड़, आर.सी.**; देसवाल, डी., शर्मा, एस., भट्टाचार्य, ए,. जैन, के.के., कौर, ए., लेट्स्के, बी.आई., सिंह, ए., कारप, एम. (2016)। "सेलुलोज उत्पादन रिविजिट करना और प्रमुख चुनौतियों के आधार पर वर्तमान रणनीतियों को फिर से परिभाषित करना. "*रिन्युएबल एंड संस्टेसनेबल एनर्जी रिव्युरज* डीएक्सन.डीओआई.ओआरजी / 10.1016 / जे.आरएसईआर. 2015.10.132।
- गुप्ता, आर., मेहता, जी., **कुहाड़, आर.सी.**; (2016). "जैवईंधन के रूप में एथनॉल में कुशल रूपांतरण के लिए एसिड हाइड्रोलाइसेट्स से किण्वन अवरोधकों की कमी का उन्नयन। *जर्नल ऑफ केमिकल टेक्नोटलॉजी एंड बायोटेक्नोमलोजी*। डीओआई 10.1002 / जेसीटीबी .77575।
- भारद्वाज, के.एन., जैन, के.के., कुमार, एस., **कुहाड़, आर.सी.**; (2016). ''भारत के उत्तराखंड की भूटिया जनजाति द्वारा तैयार किए जाने वाले पारंपरिक मद्य पेय (छांग) और उसके स्टार्टर (बल्मा) का सूक्ष्मजीववैज्ञानिक विश्लेषण *इंडियन जर्नल आफ माइक्रोबायोलाजी*। डीओआई 10.1007 / एस12088–015–0560–6।

पुस्तकें / पुस्तक अध्यायः

- चक्रवर्ती, एस., गुप्ता, आर., जैन, के.के., हेमांशी, गौतम, एस. और **कुहाड़, आर.सी.**; (2016)। "सेलुलेजेजः शराब और मद्यनिर्माण उद्योग में अनुप्रयोग। माइक्रोबियल जैवप्रोद्योगिकी और जैवइन्जीनियरिंग में नवीन और भावी विकास।" (संपादक) गुप्ता वी.के. एल्जवियर, यूएसए http://dx.doi.org/10.1016/B978-0-444-63507-5.00017-4

पुरस्कार

- फेलो, नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज ऑफ इंडिया (एफएनएएससी)
- लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड, एनआईसीईआर, नई दिल्ली।

विश्वविद्यालय के विभाग

कला, मानविकी और सामाजिक विज्ञान पीठ

अर्थशास्त्र विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2009-10 से आरंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या
1.	स्नातकोत्तर (एम.ए.)	30	25
2.	एम.फिल.	10	10

2. संकाय प्रोफाइल

क्र.सं.	संकाय का नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. रंजन अनेजा सहायक आचार्य	एम.फिल., पीएच.डी.	आर्थिक मॉडलिंग और नीति विश्लेषण
2.	सुश्री रश्मि तंवर सहायक आचार्य	एम.ए.	विकास और योजना एवं ग्रामीण और कृषि विकास
3.	सुश्री रेनू सहायक आचार्य	एम.फिल,	कृषि अर्थशास्त्र, ग्रामीण विकास एवं भारतीय अर्थव्यवस्था
4..	डॉ. अजीत कुमार साहू सहायक आचार्य	एम.ए., पीएच.डी.	समष्टि अर्थशास्त्र और अनुसंधान पद्धति
5.	डॉ. मनोज कुमार सहायक आचार्य#	एम.ए., एम.फिल, पीएच.डी.	व्यष्टि अर्थशास्त्र और गणितीय अर्थशास्त्र

#. अनुबंध के आधार पर

3. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रकाशित शोध पत्रों/परियोजनाओं में भाग लेने के संबंध में

डॉ. रंजन अनेजा

प्रकाशित शोध पत्र

- "नवीकरणीय और गैर–नवीकरणीय ऊर्जा उपभोग और आर्थिक विकासः पैनल त्रुटि सुधार मॉडल से अनुभवजन्य साक्ष्य 2017," 6 (आई), 1–10, जिंदल जर्नल ऑफ बिजनेस रिसर्च, सेज इंडिया
- "कार्बन उत्सर्जन, ऊर्जा उपभोग और आर्थिक विकास का एक अध्ययनः ब्रिक्स अनुभव," जिल्द 26 (1 और 2), *पॉलिटिकल इकनॉमी जर्नल ऑफ इंडिया।* पीपी. 112–120।
- "स्टॉक मूल्य और वित्तीय संकट के बीच संबंधः भारतीय वाणिज्यिक बैंकों की एक केस स्टडी," जिल्दः 8, संख्याः 3, 2017, *एशियन जर्नल ऑफ मैनेजमेंट।*

सेमिनार/सम्मेलन में प्रस्तुत पेपर

- शिक्षाः शिक्षा विभाग, सीयूएच द्वारा 28 फरवरी, 2017 को आयोजित समेकित शिक्षाः अतीत, वर्तमान और भविष्य पर राष्ट्रीय सेमिनार में "महिला साक्षरता की विडंबनाः हरियाणा का एक जिला–वार अध्ययन" शीर्षक वाला पेपर।
- स्टार्टअप इंडिया के लिए "समावेशी उद्यमिता और नवाचार के उपायः मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर एमडीयू, रोहतक द्वारा 2 से 3 मार्च, 2017 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वित्तीय साक्षरताः त्रिआयामी अध्ययन" शीर्षक वाला पेपर।

शोध परियोजनाएं

- "हरियाणा के विकास में क्षेत्रीय विचलन का एक अध्ययनः जिला स्तर पर विश्लेषण" शीर्षक वाली एक प्रमुख अनुसंधान परियोजना आईसीएसएसआर, नई दिल्ली में प्रस्तुत की गयी थी।

सुश्री रश्मि तंवर

उपलब्धियां

- यूके इंडिया एजुकेशन एंड रिसर्च इनिशिएटिव (यूकेआईईआरआई) द्वारा उच्च शिक्षा में नेतृत्व बर्मिंघम (यूके) में 25–29 अप्रैल, 2016 तक आयोजित पांच दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 15–दिवसीय जी.आई.ए.एन. पाठ्यक्रम में भाग लिया, 18–30 जुलाई, 2016।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट/जेआरएफ/गेट अर्हता

- श्री पवन कुमार
- श्री संतोष कुमार
- सुश्री बरखा
- सुश्री रुचिता त्रिपाठी

एम.फिल/पीएच.डी. प्रदान किए गए

- एम.फिलः 8
- पीएच.डी.: 1

नियुक्ति

- सुश्री सुशीला, सूरज कॉलेज, महेंद्रगढ़ में सहायक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हुईं।
- सुश्री दीपिका एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा में फैकल्टी के रूप में नियुक्त हुईं।

प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों/संगठनों में अनुसंधान/शोध कार्यक्रमों में प्रगति

- श्री विकास चौधरी, आईजीआईडीआर, मुंबई, (पीएच.डी.)
- श्री अजय कुमार, आईआईटी, धनबाद (पीएच.डी.)
- श्री अल्ताफ अहमद, बी.आर. आंबेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ, (पीएच.डी.)
- श्री आलोक यादव, एन.आई.टी.आई.ई., मुंबई, (पीएच.डी.)
- सुश्री रुचिता त्रिपाठी, बीएचयू, वाराणसी. (पीएच.डी.)
- सुश्री स्विटी गर्ग, एन.आई.टी., कुरुक्षेत्र, (पीएच.डी.)
- सुश्री बरखा, सीएचयू, (एम.फिल.)

5. विश्वविद्यालय के कार्पोरेट जीवन में संकाय की भूमिका

डॉ. रंजन अनेजा

- प्रभारी–शिक्षक, अर्थशास्त्र विभाग, सीयूएच।
- नोडल अधिकारी, उन्नत भारत अभियान
- नोडल अधिकारी, एक भारत श्रेष्ठ भारत
- सहायक अधिष्ठाता छात्र कल्याण, सीयूएच
- सदस्यः अध्ययन बोर्ड, अर्थशास्त्र विभाग, सीयूएच; विभागीय शोध समिति; आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल (आईक्यूएसी); अनुसंधान संवर्धन सेल; समान अवसर सेल; विश्वविद्यालय निवेश समिति

सुश्री रश्मि तंवर

- सीखते हुए कमायें योजना; नवाचार, कौशल और उद्यमिता विकास केंद्र; सामुदायिक विकास और यूबीए केंद्र।

सुश्री रेनू

- सदस्यः एस.सी./एस.टी. सेल; सलाहकार समिति, करियर परामर्श, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट सेल; और सामुदायिक विकास के अंतर्गत वित्तीय समावेशन, लघु बचत और ग्रामीण विकास समिति।

6. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम और गतिविधियां

- विभाग की पहली पूर्व छात्र बैठक, 7 नवंबर, 2016 को संपन्न हुई।

शिक्षा विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2010-11 से आरंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित विद्यार्थियों की संख्या
1	स्नातकोत्तर (शिक्षा)	15	07
2	एम.फिल. (शिक्षा)	05	05
3	पीएच.डी. (शिक्षा)	14	14

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1	डॉ. सारिका शर्मा सह आचार्य	पीएच.डी. (शिक्षा), एम.एड, एम.ए. (अर्थशास्त्र और इंजी.), एम.बी.ए.	शैक्षणिक प्रशासन, प्रबंधन, पर्यवेक्षण और वित्त, वैल्यू शिक्षा, अध्यापन अधिगम, महिला सशक्तीकरण, और एचआरएम
2	डॉ. रेनू यादव सहायक आचार्य	एम.एससी. (सूक्ष्म जीव विज्ञान), एम.एड., एम.फिल, पीएच.डी. (शिक्षा)	शिक्षा में लिंग संबंध, नेतृत्व, और शैक्षणिक मनोविज्ञान
3	डॉ. दिनेश चहल सहायक आचार्य	पीएच.डी. (शिक्षा), एम.एड., एम.ए. (इतिहास), एम.एम.सी.	अध्यापक शिक्षा, मार्गदर्शन और परामर्श
4.	डॉ. आरती यादव सहायक आचार्य	एम.ए. (अर्थशास्त्र), एम.फिल,	शैक्षणिक मनोविज्ञान, और वैल्यू शिक्षा

3. सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रकाशित शोध पत्रों/परियोजनाओं में भाग लेने के संबंध में

डॉ. सारिका शर्माः

प्रकाशन

- शर्मा, एस. और राय, ए (2017) "भावी शिक्षकों (बीएड) में मूल्यों का अध्ययन" एजुकेशल क्वेस्टः शिक्षा और एप्लाइड सोशल साइंस का एक अंतरराष्ट्रीय जर्नल, 2,8 (13) 1–4
- शर्मा, एस और कुमार आर.टी. (2017) "महिला शिक्षकों के शिक्षक की सामाजिक स्वतंत्रता और शिक्षण में उसका बहुशासन," रिमार्किंग एन एनलाइजेशन, 2 (3), 1–4
- शर्मा, एस और दास ए.के. (2017) "विशिष्ट शिक्षा के अंतर्गत वाक चिकित्सा शिक्षण में पायी जाने वाली विकृति एवं उसका आरंभिक हस्तक्षेप प्रभावी प्रविधियों का अध्ययन," श्रृंखला एक खोजपरक वैचारिक पत्रिका, 4(7), 64–68
- शर्मा, एस और दास, ए.के., (2017) "मानसिक विकलांगता वाले बच्चों के माता–पिता के आध्यात्मिक दृष्टिकोण का प्रभाव" प्रियोडिक रिसर्च, 4(5), 1–4(5), 1–4
- शर्मा, एस और कुमारी, पी। (2017) "सामाजिक नेटवर्किंग व्यसन एवं अकादमिक स्व– संकल्पना का प्रभाव," रिमार्किंग एन एनलाइजेशन, 2(1), 1–4,
- शर्मा, एस और कुमारी, पी। (2017) "सामाजिक नेटवर्किंग व्यसन और उनके अकादमिक उपलब्धि पर किशोरों में शैक्षणिक स्व–संकल्पना का प्रभाव," एशियन रेजोनेंस, 6(2), 1–6

- विशेष शिक्षा का परिचय शीर्षक वाली एक पुस्तक प्रकाशित। प्रगति प्रकाशन 2016

आयोजित स्तर/प्रस्तुत पत्र

- उच्च शिक्षा में परीक्षा सुधार पर राष्ट्रीय कार्यशाला में तकनीकी सत्र की अध्यक्षताः सीबीसीएस दृ सीयूएच में संभावना और चुनौतियां, 09 नवंबर 2016।
- 28 जनवरी 2017 को दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा शिक्षा में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोणों का अन्वेषण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता।
- संयोजकः 27 जून, 2016 को शिक्षा और भूगोल विभाग द्वारा आयोजित अंतर विभागीय भाषण और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता।
- संयोजकः "शिक्षा विभाग और भूगोल विभाग के अंतर्गत हरियाणा राज्य में हरियाणा के स्कूलों में भूगोल विषय की स्थिति", पर पैनल की चर्चा 22 जुलाई 2016।
- जामिया मिलिया इस्लामिया नई दिल्ली, 21–22 अक्टूबर, 2016 में PMMMNMTT के अंतर्गत स्कूल ऑफ एजुकेशन के लिए दो दिवसीय कार्यशाला में भागीदारी।
- स्टार्टर और स्टार्ट–अप्स पर मानव संसाधन विभाग द्वारा प्रायोजित और केंद्रीय विश्वविद्यालय हरियाणा द्वारा आयोजित, GIAN पाठ्यक्रमः ए लर्निंग साइकिल फॉर बिगिनर्स, में भाग लिया, 18–30 जुलाई 2016।
- आईजीएनटी, अमरकंटक, में 12 जुलाई 2016 को नई शिक्षा नीति (स्काइप के माध्यम से) पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "स्वच्छ भारत के लिए ग्रीन इंडिया" नाम से पत्र प्रस्तुत किया।
- आरबीएस कॉलेज ऑफ एजुकेशन, रेवाड़ी, में 25 दिसंबर 2016 को "मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के माता–पिता के आध्यात्मिक दृष्टिकोण का प्रभाव" नाम से पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. रेणु यादव

प्रकाशन

- "अभिभावकीय प्रोत्साहन के परिप्रेक्ष्य में स्कूली छात्रों की शैक्षिक उपलब्धियों का अध्ययन" (सह–लेखन), सीयूएच का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल पृ. 21–24।
- "अधिगम में रचनावाद की भूमिका," शैक्षिक अध्ययन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल। 03 (03) 2016. 93–97 सं. 3 (2016)।
- "शैक्षिक चुनौतियां का सामना और थर्ड जेंडर की सफलता की कहानियां" (सह–लेखन), यूनिवर्सिटी न्यूज, एआईयू, पृ. 89–92
- "माध्यमिक विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा की स्थिति" (सह–लेखन), वैचारिकी, जिल्द तीन, अंक 1, मार्च 2017.पृ. 75
- "छात्रों में संबंध कौशल विकसित करनाः स्टोरी टेलिंग की भूमिका" (सह–लेखन), एजुकेशनल क्वेस्टः शिक्षा और अनुप्रयुक्त सामाजिक विज्ञान का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, पृ. 1–5।
- "आईसीटी के उपयोग के प्रति शिक्षक की मनोवृत्तिः एक छिद्रान्वेषी प्रतिबिंब" (सह–लेखन), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग और कंप्यूटर टेक्नोलॉजी. पृ. 80–82।
- "छात्रों का सामान्य स्वास्थ्यः 21वीं सदी की शिक्षा का एक महत्वपूर्ण पहलू" (सह–लेखन), पृ. 188–201
- "मूल्य शिक्षाः युवाओं के बीच बदलाव के लिए आवश्यक" (सह–लेखन), इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशन फॉर ह्यूमन सर्विसेस पृ. 8–13
- "यौन उत्पीड़न पर विमर्श सृजनः सामाजिक–सांस्कृतिक आयामों का अन्वेषण," इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेलबिइंग, पृ. 480–492
- "घरेलू हिंसा के प्रति जागरूकताः शैक्षणिक आयाम का अन्वेषण", अंतःविषय और बहुविषयक अध्ययन (आईजेआईएमएस) का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, 2017

पाठ्यक्रम में भागीदारी

- उच्च शिक्षा पर पुणे विश्वविद्यालय में एनसीपीईए द्वारा समता, निजीकरण और अंतर्राष्ट्रीयकरण पर अल्पकालिक कोर्स, 12–23 दिसम्बर 2016

पेशेवर निकायों / संपादकीय बोर्ड की सदस्यता

- जर्नल ऑफ एजुकेशन एंड सोशल पॉलिसी के संपादकीय बोर्ड में, आइडियाज फॉर प्रोमोटिंग आइडियाज, यूएसए, द्वारा प्रकाशित एक त्रैमासिक सहकर्मी–समीक्षित पत्रिका
- जर्नल ऑफ द इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर टीचर एजुकेशन, हांगकांग, सहकर्मी–समीक्षित का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में समीक्षक
- पेशेवर निकायों की सदस्यता, अमेरिकी मनोविज्ञान संघ, इंटरनेशनल सोसायटी फॉर डेवलपमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी (आईएसडीएस) के सदस्य, जापान, अखिल भारतीय शिक्षक संघ।

डॉ. दिनेश

प्रकाशन

- "जनसांख्यिकीय चर के संबंध में माध्यमिक स्कूल के अध्यापकों की आध्यात्मिक बुद्धिमत्ता," शैक्षणिक अनुसंधान और विकास का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल
- "अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभिभावकों का अपने बच्चों के शैक्षिक अधिकारों के प्रति रवैये की समझना," स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर इंटरडिस्प्लीनरी स्टडीज, जिल्द 2
- "सरकार और सार्वजनिक स्कूल के शिक्षकों के आध्यात्मिक इंटेलिजेंस के संबंध में शिक्षकों की प्रभावशीलता," स्कॉलरली रिसर्च जर्नल फॉर ह्युमनिटी सिंस एंड इंग्लिश लैंग्वेज, जिल्द 2
- "माध्यमिक विद्यालय स्तर पर पाठशाला छोड़ने वालों की सामाजिक–आर्थिक स्थितिः सिरसा जिला का एक अध्ययन," क्वेस्टः शिक्षा और एप्लाइड सोशल का एक अंतर्राष्ट्रीय जर्नल, सं. 71
- "मटरहुड एज साइक्लिक विसियसनेस इन डोरिस लेसिंग्स लैंडलॉक्ड एंड फोर–गेटेड सिटी", यूनिवर्सिटी न्यूज, एआईयू, जिल्द. 55
- "मौलिक अधिकारों के प्रति प्राथमिक स्कूल के छात्रों की अभिवृत्ति को समझना," जर्नल ऑफ एजुकेशनल एंड साइकोलॉजिकल रिसर्च, जिल्द 7

आमंत्रित व्याख्यान

- सरकार द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत की एकता और अविभाज्यता में युवाओं की भूमिका और देशभक्ति" रजा पीजी कॉलेज, रामपुर (यूपी), 29 नवंबर 2016।
- युवा मामले और खेल मंत्रालय, द्वारा पीबीडी–एनआईसी, बैंगलोर में "राष्ट्रीय एकता में युवाओं की भूमिका", 04 जनवरी 2017।
- एसडी कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स, मडगाओ, गोवा में 17 दिसंबर, 2016 को आयोजित व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम में "एनएसएस के माध्यम से व्यक्तित्व कैसे विकसित करें?"
- 28 जनवरी 2017 को सीआरएसयू जींद, हरियाणा की स्वर्ण जयंती पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मलेन में "मेक इन इंडिया में युवाओं की भूमिका"।
- 27 मार्च 2017 को एसएमवीडीयू कटरा (जम्मू और कश्मीर) में युवाः लोकतंत्र की रीढ़ पर युवा संसद उत्तर भारत में 'युवा और लोकतंत्र'।

डॉ. आरती यादव

संगोष्ठी/सम्मेलन में पत्र प्रस्तुतियांः

- 19–21 सितम्बर 2016 को आरसीईएएम द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर महिला नेतृत्व और सतत असमानता"।
- 30 सितम्बर–1 अक्टूबर 2016 को मानविकी और सामाजिक विज्ञान विभाग और टीचिंग लर्निंग सेंटर, बिट्स, पिलानी, द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में "अनुसंधान–आधारित अधिगम"
- 7–8 दिसम्बर 2016 को आईएफओआरई, जामिया मिलिया इस्लामिया द्वारा आयोजित शिक्षक शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शिक्षक शिक्षा में अभिनव अध्यापन को अपनाने की उभरते आवश्यकता"

प्रकाशन

- "कन्या उच्च शिक्षा के संबंध में माता–पिता के विचारों को बदलना," "यूनिवर्सिटी न्यूज"
- "रचनावादः शिक्षण और अधिगम के लिए एक प्रतिमान," कला और सामाजिक विज्ञान जर्नल 7(4), 2016।

पुस्तकों में अध्याय

- "शीर्ष प्रबंधकीय पदों पर महिला नेतृत्व और सतत असमानता (आरसीईएम का सम्मेलन पत्र, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 19–21, 2016)", वैश्विक सामाजिक न्याय के लिए शैक्षिक नेतृत्वः मुद्दे और चुनौतियां, कैम्ब्रिज स्कॉलर पब्लिशर, यूके
- "अनुसंधान–आधारित शिक्षा (मानवता और सामाजिक विज्ञान के विभाग तथा शिक्षण अध्ययन केंद्र, बिट्स, पिलानी द्वारा 30 सितंबर–1 अक्टूबर 2016 को आयोजित राष्ट्रीय अभिसमय का सम्मेलन पत्र)", कक्षा शिक्षण में अवसर और चुनौतियांः कुछ प्रतिबिंब, जैन ब्रदर्स, नई दिल्ली

सम्मेलन / संगोष्ठी संगठन

- 9 नवंबर 2016 को शिक्षा विभाग, सीयूएच, के सहयोग से भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ द्वारा आयोजित "उच्च शिक्षा में परीक्षा सुधार, विकल्प आधारित क्रेडिट प्रणाली (सीबीसीएस): संभावना और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय कार्यशाला का संयोजक
- 30 मार्च–3 अप्रैल 2017 को PMMMNMTT के अंतर्गत अंग्रेजी और विदेशी भाषा के विभाग और स्कूल ऑफ एजुकेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन' पर राष्ट्रीय कार्यशाला के कार्यक्रम संयोजक
- 28 फरवरी 2017 को PMMMNMTT के अंतर्गत, शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 'समावेशी शिक्षाः अतीत, वर्तमान और भविष्य' पर सेमिनार की आयोजन समिति के सदस्य

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट/जेआरएफ/गेट की अर्हताः

- यूजीसी नेटः रेखा, मधुस्मिता, मिर्जा मुनीब, राज कुमार

एम.फिल/पीएच.डी. उपाधि से पुरस्कृत

- एम.फिलः 7

5. उच्च शिक्षा के लिए प्रगति

- रविंद्र कुमार ठाकुर, मिर्जा मुनीब मनन

सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/विश्वविद्यालय के कार्पोरेट कार्यों में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

डॉ. सारिका शर्मा

- प्रधान संपादक रिसर्च जरनल ऑफ सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, वर्ष 2015 एवं 2016
- प्रॉक्टर, सीयूएच
- अध्यक्ष, आंतरिक परिवाद समिति (मार्च 2017 तक)
- 2014 से संयोजक, दिव्यांगजन प्रकोष्ठ एवं संकाय प्रेरण विकास प्रकोष्ठ, हकेंवि।

डॉ. रेनू यादव

- संयोजक, महिला सशक्तीकरण सेल, स्वास्थ्य, स्वच्छता और स्वच्छता इकाई, सीयूएच
- कार्यक्रम समन्वयक, सामुदायिक विकास केंद्र और उन्नत भारत अभियान, सीयूएच
- नोडल अधिकारी, जेंडर चौंपियन, सीयूएच
- कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना और वाई.आर.सी., सीयूएच
- सदस्य, संवेदीकरण, यौन उत्पीड़न की रोकथाम और निवारण समिति; पूर्व छात्र क्लब; भेदभाव–विरोधी सेल; परिवाद निवारण समिति

डॉ. दिनेश

- सदस्य, आईक्यूएएसी, एनएएसी स्टीयरिंग और एसएसआर उपक्रम समिति, स्वच्छ भारत अभियान, और सामुदायिक विकास केंद्र
- समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और युवा रेड क्रॉस (वाईआरसी)

डॉ. आरती यादव

- समन्वयकः कला, संस्कृति और विरासत संवर्धन समूह और मूवी क्लब, सीयूएच एस.पी.आई.सी. मैके
- नोडल अधिकारी, राष्ट्रीय डिजिटल लाइब्रेरी
- उन्नत भारत अभियान के सदस्य महिला सशक्तिकरण प्रकोष्ठ
- शिक्षा पीठ के आईसीटी लैब की स्थापना के लिए सलाहकार समितियों के सदस्य; सलाहकार समिति, अनुसंधान और विकास; सेमिनार/सम्मेलन/ कार्यशाला के लिए सलाहकार समिति

6. कार्यक्रम और गतिविधियाँ

- समावेशी शिक्षाः अतीत, वर्तमान और भविष्य पर राष्ट्रीय संगोष्ठीः 28 फरवरी 2017
- 30 मार्च से 03 अप्रैल 2017 तक अंग्रेजी और विदेशी भाषा के विभाग के सहयोग से भारत में साहित्यिक आलोचनाः अभ्यास और अध्यापन पर राष्ट्रीय कार्यशाला

7. स्वीकृत परियोजना

- समावेशी शिक्षा के चिंताजनक परिप्रेक्ष्य पर जीआईएएन कार्यक्रम (पाठ्यक्रम समन्वयकः डॉ. आरती यादव)
- सामाएं लांघ सीमांतता से परेः सामाजिक–सांस्कृतिक परिवर्तनों का अन्वेषण और हरियाणा में लड़कियों की शिक्षा पर इसके प्रभाव विषय पर आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 8 लाख रु. की बड़ी शोध परियोजनाः (पीआईः डॉ. सारिका शर्मा)
- यूथ रेड क्रॉस द्वारा वित्त पोषित किशोर लड़कियों में सफाई व स्वच्छता अभियान परियोजनाः स्कूलों का अध्ययन (अन्वेषकः: डॉ. रेनू यादवय सह–अन्वेषकः: डॉ. दिनेश)
- यूथ रेड क्रॉस द्वारा वित्त पोषित हरियाणा में वाईआरसी गतिविधियाँ का मूल्यांकन परियोजना (अन्वेषकः डॉ. दिनेश, सह– अन्वेषकः: डॉ.रेनू यादव)

इतिहास एवं पुरातत्व विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2014-15 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	स्नातकोत्तर	25	13

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. विनय कुमार राव सह आचार्य	एम.ए., पीएच.डी.	प्राचीन इतिहास, संस्कृति और पुरातत्व
2.	प्रो. अमर सिंह शैक्षणिक सलाहकार	एम.ए., पीएच.डी.	प्राचीन इतिहास एवं पुरातत्तव
2.	डॉ. अभिरंजन कुमार सहायक आचार्य	एम.ए., पीएच.डी.	इतिहास लेखन, औपनिवेशिक भारत में सांप्रदायिकता, आधुनिक भारत

3.	डॉ. नरेंद्र परमार सहायक आचार्य	एम.ए., पीएच.डी.	दक्षिण एशियाई पुरातत्व
4.	डॉ. ईश्वर परिदा सहायक आचार्य#	एम.ए., पीएच.डी.	औपनिवेशिक भारत का सामाजिक और बौद्धिक इतिहास

#. ***अनुबंध आधार पर।***

3. सेमिनार/सम्मेलन में भागीदारी/प्रकाशित शोधपत्र के संबंध में

डॉ. विनय कुमार राव

- दक्कन महाविद्यालय अनुसंधान और परास्नातक महाविद्यालय, पुणे द्वारा आयोजित "बौद्ध कला में प्रतीकात्मकता" पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में आयोजित "पूर्वोत्तर भारत और म्यांमार के साथ सांस्कृतिक संबंध" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 26–29 सितंबर, 2016।

डॉ. नरेंद्र परमार

- हरियाणा इतिहास कांग्रेस में पत्र प्रस्तुत किया, नवंबर 2017 ।

डॉ. ईश्वर परिदा

- आईजेएमईआर जर्नल में "पूर्व–औपनिवेशिक उड़ीसा में बचपन का निर्माण" शीर्षक से लेख को प्रकाशित किया।

4. विश्वविद्यालय के सामाजिक पहुंचकार्यक्रम / कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

- सभी संकाय सदस्य विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में शामिल हैं।
- 23 मार्च 2017 को शहीद दिवस मनाया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2009-10 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	स्नातकोत्तर	25	17
2	एम.फिल.	03	02
3	पीएच. डी.	12	11

2. संकाय प्रोफाइलः

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1	डॉ. सतीश कुमार सिंह आचार्य	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध; भारत की विदेश नीति
2	डॉ. चंचल कुमार शर्मा सहायक आचार्य	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	भारत में संघवाद की राजनीतिक अर्थव्यवस्था; दल प्रणाली; आर्थिक सुधार
3	डॉ. राजीव कुमार सिंह सहायक आचाय	एम.ए., पीएच.डी.	अल्पसंख्यक राजनीति; अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्ध; सामाजिक बहिष्कार
4.	डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह सहायक आचाय	एम.ए., पीएच.डी.	भारतीय सरकार और राजनीति; भारत के सर्वोच्च न्यायालय की नई भूमिका; भारतीय राजनीतिक चिंतन

3. संगोष्ठी / सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी/प्रकाशित शोध पत्र/परियोजनाओं/सहयोगी अनुसंधान/पेटेंट/परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

डॉ. सतीश कुमार सिंह

प्रशासनिक उत्तरदायित्व

- विभाग प्रमुख, राजनीति विज्ञान
- अधिष्ठाता, मानविकी और सामाजिक विज्ञान स्कूल
- प्रॉक्टर

अकादमिक

- सिक्किम कॉलेज, सिक्किम में "वैश्वीकरण और भारतीय विदेश नीति" पर व्याख्यान दिया, 10–11 मार्च, 2017।
- पूर्व एशिया केंद्र, जेएनयू द्वारा आयोजित "भारत की चीन नीति" पर व्याख्यान दिया, 23 फरवरी, 2017।
- "भारत की नक्सल समस्या" पर व्याख्यान दिया, इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्र, 15 अप्रैल, 2017।

आलेख

- द पायनियर, द वर्ल्ड फोकस, वेबसाइटों और यथावत, दैनिक जागरण, पंचजन और आर्गनाइजर जैसे हिंदी समाचार पत्रों के लिए नियमित स्तम्भ।

पुस्तकें

- भारत और मध्य एशिया का संबंध, अनश प्रकाशन, नई दिल्ली।

डॉ. चंचल कुमार शर्मा

शैक्षणिक पुरस्कार (अंतर्राष्ट्रीय)

- जीआईजीए इंस्टीट्यूट ऑफ एशियन स्टडीज, हैम्बर्ग, जर्मनी में विजिटिंग फेलोशिप (पोस्ट–डॉक्टोरल), जनवरी–जून, 2017, (वित्तपोषणः भारत पर अनुसंधान के लिए जीआईजीए फेलोशिप)

अकादमिक नियुक्तियाँ (अंतर्राष्ट्रीय)

- संपादक मंडल के सदस्य, क्षेत्रीय और संघीय अध्ययन, टेलर और फ्रांसिस, रूटलेज (1 मार्च 2017 को नियुक्त)।
- अतिथि संपादक, इंडियन रिव्यु (टेलर और फ्रांसिस, रूटलेज), जनवरी–मार्च, 2017

पुस्तकें

- समकालीन भारतीय संघवाद को समझनाः प्रतिस्पर्धी परिप्रेक्ष्य, नई चुनौतियां और भविष्य की दिशाएं (विल्फ्रेड स्वेनैडेन के साथ), टेलर और फ्रांसिस इंक / रूटलेजय सीटीः संयुक्त राज्य अमेरिका, 2017

आलेख

- शर्मा, चंचल कुमार, और स्वेन्डेन, विल्फ्रेड (2017), इंडियन रिव्यु में "समकालीन भारतीय संघवाद में निरंतरता और परिवर्तन," टेलर और फ्रांसिस, 16, 1, 1–13।
- शर्मा, चंचल कुमार (2017), इंडियन रिव्यु में पोर्क–बैरल राजनीति का स्थितिजन्य सिद्धांतः भारत में विवेकाधीन आवंटन का परिवर्तनशील तर्क", टेलर और फ्रांसिस, 16, 1, 14–41।

सम्मेलन

- भारतीय राज्यों के भिन्न–भिन्न प्रदर्शन के मूल कारणों पर जेएनयू–सीएसआरडी–जीआईजीए सहयोगी कार्यशाला में "भारतीय शैली के संसदीय संघवाद में पोर्क–बैरल के रूप में विवेकाधीन अनुदान" पर संसाधन व्यक्ति के रूप में प्रस्तुति, 22 नवंबर, 2016।
- "भारतीय संघवाद में निरंतरता और परिवर्तन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली में कार्यवाही–द्वितीय में बहु–स्तरीय शासनः चयनित नीति क्षेत्रों में केंद्र–राज्य अंतरक्रियाएंः चुनिंदा राज्यों से प्रकरण अध्ययन शीर्षक से तकनीकी सत्र की अध्यक्षता, जनवरी, 10–13 , 2017।
- दिल्ली, जनवरी, 10–13, 2017 में "भारतीय संघवाद में निरंतरता और परिवर्तन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली में "विवेकाधीन आवंटन में विशिष्टतावाद और सार्वभौमिकतावाद" पर पत्र प्रस्तुत किया, 10–13, 2017।
- "भारतीय संघवाद में निरंतरता और परिवर्तन" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली में "आर्थिक शासन और राजनीतिक प्रोत्साहनः भारत में दल प्रणाली की स्थिरता और परिवर्तन की व्याख्या (1952–2014)" पर (विल्फ्रेड स्वेन्डेन के साथ) पत्र प्रस्तुत किया, 10–13, 2017।

डॉ. राजीव कुमार सिंह

प्रकाशनः

- उत्तर प्रदेश की राजनीति में दलित–मुस्लिम सन्दर्भ, समीक्षा, भारतीय समाजशास्त्र परिषद्, नवम्बर 2016.

आमंत्रित व्याख्यानः

- नेहरु अध्ययन केंद्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में राष्ट्रीय संगोष्ठी में "ट्रम्प प्रशासन और भारतीय विदेश नीति" पर विशेष व्याख्यान दिया, जनवरी 2017
- कानोडिया कालेज, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर में राष्ट्रीय संगोष्ठी में "भारत में समावेशी विकास के लिए चुनौतियां" पर व्याख्यान दिया, जनवरी 2017

परियोजना

- "मानव सुरक्षा और संघर्षः उत्तर प्रदेश और हरियाणा के सोनभद्र और महेंद्रगढ़ जिले का तुलनात्मक अध्ययन" पर चल रही परियोजना, वित्त पोषण एजेंसी– आईसीएसएसआर, जुटाई गई राशि रु. 8,00,000/–।

विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में योगदान

- समन्वयक, सेवाओ में प्रवेश हेतु कोचिंग, सीयूएच।
- केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी, सीयूएच।

- सदस्य, समान अवसर प्रकोष्ठ, हकेंवि; कैरियर परामर्श, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ; कौशल और प्रवीणता भवन और अवसर सृजन के लिए गुणवत्ता प्रबंधन प्रकोष्ठ।

डॉ. राघवेन्द्र प्रताप सिंह

प्रकाशन

- सिंह, आर. पी. "भारत के सीमावर्ती दक्षिण एशियाई देशों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का अध्ययन"
- अनुशीलनः भारतीय सांस्कृतिक, सामाजिक और दार्शनिक धारा का शोध जर्नल, दर्शनशास्त्र और धर्म विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी अंक. (LXX) दिसंबर, 2016.

पुस्तकों में अध्यायः

- सिंह, आर.पी. और आशुतोष कुमार अहिर, मेक इन इंडिया के संबंध में व्यापार और वाणिज्यक में बदलता प्रतिमानः समस्याएं और संभावनाएं, अंक. में "मेक इन इंडियाः विनिर्माण क्षेत्र के लिए गतिशील पहल", संरचना प्रकाशन, इलाहाबाद, 2017.

सम्मेलन/संगोष्ठी

- सिंह, आर.पी. और आशुतोष कुमार आहिरे। राजनीतिक विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित ''द डायस्पोरा और मोदी थीसिस पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में "सांस्कृतिक कूटनीति और भारतीय प्रवासियों के माध्यम से आर्थिक विकास", 23–24 सितंबर, 2016.
- सिंह, आर.पी., आईआईपीए, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित "समकालीन विश्व और एकात्म मानववाद" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- सिंह, आर.पी. और आशुतोष कुमार आहिरे, डॉ. बी.आर.अम्बेडकर अध्ययन केंद्र के.यू.के. द्वारा आयोजित समकालीन भारत में अंबेडकरवाद को पुनर्परिभाषित करनाः मुद्दे और चुनौतियां पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में" डॉ. अम्बेडकर और भारत के संविधान के अंतर्गत सामाजिक न्याय" 26 नवंबर, 2016.
- राजनीति विज्ञान विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारत में संघवाद और विकेंद्रीकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में संघवाद और राष्ट्र निर्माण" शीर्षक से पत्र प्रस्तुंत किया। 30 सितंबर – 1 अक्टूबर, 2016.
- सिंह, आर.पी. और आशुतोष कुमार आहिरे, वाणिज्य विभाग, ईविंग क्रिकेट कॉलेज, इलाहाबाद द्वारा आयोजित मेक इन इंडिया के संबंध में व्यापार और वाणिज्य में बदलता प्रतिमानः समस्याएं और संभावनाएं पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "मेक इन इंडियाः विनिर्माण क्षेत्र के लिए गतिशील पहल", 10–11–2017 फरवरी। तकनीकी सत्र की सह–अध्यक्षता की।
- राजनीति विज्ञान विभाग, सीयूएच, सितंबर द्वारा आयोजित भारत में संधवाद और विकेंद्रीकरण पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन सचिव, 30 सितंबर– 1 अक्टूबर, 2016 । (एक सत्र की सह–अध्यक्षता भी की)

आमंत्रित व्याख्यान

- इंडिया फाउंडेशन, नई दिल्ली में भारतीय चिंतन में अविभाज्य मानवतावाद पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पैनलिस्ट के रूप में पत्र प्रस्तुत किया।
- नेहः स्टडीज सेंटर, राजस्थान यूनिवर्सिटी, जयपुर, में "जीवन के अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के विशेष संदर्भ में भारत में न्यायिक सक्रियतावाद" पर एक व्याख्यान दिया, 15 जनवरी, 2017।
- मॉडर्न कॉलेज ऑफ एजुकेशन पाली, रेवाड़ी (हरियाणा) में "समकालीन वैश्विक परिदृश्य के युग में मानव अधिकार और लोकतंत्र" पर व्याख्यान दिया, 10 दिसंबर, 2016 को ।

विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में योगदान

- सहायक वार्डन और बालक छात्रावास, सीयूएच (2016–17)
- भारत सरकार, एमएचआरडी, उच्च शिक्षा केंद्रीय विश्वविद्यालय विभाग, नई दिल्ली के अवर सचिव के साथ समन्वय करने के लिए विश्वविद्यालय की भूमि के आंकड़ों की अपलोडिंग के संबंध में नोडल अधिकारी, सीयूएच (2016–17)
- सदस्य, महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठि और लिंग चौंपियन; एंटी रैगिंग स्क्वाड/प्रकोष्ठ; केंद्रीय छात्र परामर्श प्रकोष्ठ; बराबर अवसर प्रकोष्ठ
- सदस्य, 21–22 मार्च, 2009 को वाईआरसी द्वारा आयोजित "स्वास्थ्य, स्वच्छता और साफ–सफाई" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला–सह–संगोष्ठ (आईआरसीएस, हरियाणा द्वारा प्रायोजित) में पंजीकरण समिति।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट / जेआरएफ / गेट उत्तीर्ण नेट -1

एम.फिल /पीएच.डी. पुरस्कृतः एम.फिल.–10; और पीएच.डी. 2

सेवा नियोजन

- गवर्नमेंट कॉलेज में सहायक प्रोफेसरः 1

अन्य उपलब्धियाँः

- पीएच.डी. के लिए अन्य विश्वविद्यालयों में प्रगतिः जेएनयू में 2 छात्र

5. विश्वविद्यालय के सामाजिक पहुंच कार्यक्रम /कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

- विसाका अभियान

6. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम और गतिविधियांः

- भारत में संघवाद और विकेंद्रीकरण पर राष्ट्रीय सम्मेलन (30 सितंबर और 1 अक्टूबर, 2016)

मनोविज्ञान विभाग
(शैक्षणिक सत्र 2014-15 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	स्नातकोत्तर	25	18

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	प्रो. उमेद सिंह शैक्षणिक सलाहकार#	एम.ए., पीएच.डी.	व्यक्तित्व, मानसिक क्षमता, नैदानिक मनोविज्ञान, हिप्नो–परामर्श
2.	डॉ. जितेंद्र कुमार कुशवाहा सहायक आचार्य#	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	मानसिक स्वास्थ्य, तनाव प्रबंधन, संगठनात्मक व्यवहार, भेदभाव के मुद्दे, व्यक्तित्व
3.	डॉ. अरुण कुमार सहायक आचार्य#	एम.ए., पीएच.डी.	स्वास्थ्य, साइबर, व्यावहारिक, सकारात्मक, संगठनात्मक और सैन्य मनोविज्ञान

#. *अनुबंध आधार पर।*

3. सेमिनार / सम्मेलन / कार्यशालाओं में भागीदारी / प्रकाशित शोधपत्र के संबंध में

प्रो. उमेद सिंह (अकादमिक परामर्शदाता)

अनुसंधान प्रकाशनः

- कुमार, पी और सिंह, यू. (2016), "व्यक्तित्व के कैटलियन और जुकरमैन मॉडल के एकीकरण का अध्ययन।" द इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी, अंक 3 अंक 2 (3) पीपी. 151–160
- सिंह, यू और कुमार, पी. (2016), "पांच कारकों का रूपान्तरण और व्यक्तित्व के वैकल्पिक पांच कारक मॉडल।" इंडियन जर्नल ऑफ हेल्थ एंड वेल–बीइंग, अंक. 5, नं. 4. पीपी. 500–502

डॉ. जितेंद्र कुमार कुशवाहा

अनुसंधान प्रकाशनः 1

- कुशवाहा, जे.के. (2016), "बेक डिप्रेशन इन्वेंट्रीः उच्च शिक्षा के छात्रों के लिए हिंदी अनुवाद और मनोमितिक गुणधर्म," जर्नल ऑफ रिसर्च इन ह्यूमैनिटिज एंड सोशल साइंसेज (क्वेस्ट जर्नल), अंक 4, नंबर 9, आईएसएसएनः 2321–9467. पृ. 39–49

डॉ. अरुण कुमार

प्रकाशनः 1

- सिंह, एस.के. और कुमार, ए, (2016), "भारत में व्यावसायिक छात्रों के बीच कैरियर संबंधित निर्णय लेने की प्रक्रिया में सामाजिक–आर्थिक कारक, आत्म–प्रभावकारिता और व्यावसायिक पहचान का प्रभाव", इंडियन जर्नल ऑफ पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन (आईजेपीए) में स्वीकृत।

4. विश्वविद्यालय के सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

- विसाका कार्यक्रम में विभाग के संकाय सदस्यों ने सक्रिय रूप से भागीदारी की।

समाजशास्त्र विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2014-15 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	स्नातकोत्तर	15	6

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. जितेन्द्र प्रसाद शैक्षणिक सलाहकार#	एम.ए., पीएच.डी.	समाजशास्त्रीय सिद्धांत
1	डॉ. अशीष कुमार सहायक आचार्य	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	समाजशास्त्रीय सिद्धांत, वैश्वीकरण, राजनीतिक समाजशास्त्र, सूचना की राजनीतिक अर्थव्यवस्था, निगरानी अध्ययन, धर्मशास्त्र का समाजशास्त्र, राजनीतिक समाजशास्त्र
2	डॉ. रीमा गिल सहायक आचार्य	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	चिकित्सा समाजशास्त्र, स्वास्थ्य और चिकित्सा का समाजशास्त्र, जनसंख्या का समाजशास्त्र, प्रवासन अध्ययन, विकास संबंधी समाजशास्त्र
3	सुश्री टी. लॉंगकोई खियामन्युगान सहायक आचार्य	एम.ए., एम.फिल.	लिंग, सामाजिक असमानता, जनजातीय मुद्दे, नस्ल और बहुलतावाद, स्तरीकरण और भारतीय समाज

#. ***अनुबंध आधार पर***

3. सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी/प्रकाशित शोधपत्र के संबंध में

डॉ. अशीष कुमार

- पटनीटॉप, जम्मू और कश्मीर में इंडिया फाउंडेशन द्वारा आयोजित युवा विचारक सम्मेलन 2016 में भाग लिया, 6–7 अगस्त, 2016.
- सामाजिक विज्ञान में शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित समाजशास्त्र का शब्दकोश तैयार करने के लिए कार्यशाला में भाग लिया, 11–13 जनवरी, 2017.
- 2 लेख प्रकाशित किए, 2 पुस्तकों की समीक्षा की और संपादित संस्करण में 1 अध्याय

डॉ. रीमा गिल

- ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन द्वारा आयोजित "बेहतर स्वास्थ्य के लिए बेहतर डेटाः संघारणीय विकास लक्ष्य प्राप्त करने के लिए संकेतकों पर भारतीय दृष्टिकोण का विकास" संगोष्ठी में भाग लिया

- शोध पत्र "भारत में नर्सों की कमीः मिथक या वास्तविकता?," जर्नल ऑफ हेल्थ मैनेजमेंट, सेज प्रकाशन, 18 (4): 509–522, दिसंबर 2016.

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां नेट-1

उच्च शिक्षा के लिए छात्रों की प्रगति

- अन्य विश्वविद्यालयों में एम.फिल : 2
- अन्य विश्वविद्यालयों में पीएच.डी : 1

5. विश्वविद्यालय के सामाजिक पहुंच कार्यक्रम / कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिका

- संकाय ने विसाका अभियान में भी योगदान दिया।

6. विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम और गतिविधियां

- प्रोफेसर बी.के. नागला, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा "सामाजिक अनुसंधान की तकनीक" पर विस्तार व्याख्यान, 24 फरवरी, 2017.
- अर्चना पांडे, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा "नारीवादी अनुसंधान विधियों" पर विस्तार व्याख्यान, 10 अप्रैल, 2017.
- डॉ. सुनील बाबू, दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स", नई दिल्ली द्वारा "सामाजिक विज्ञान अनुसंधान में रिफ्लेक्सिविटी" पर विस्तार व्याख्यान, 4 मई 2017.
- समाजिक अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से "ऑनलाइन स्पेस और काउंटर स्पीच (इंटरनेट, ऑनलाइन सुरक्षा, काउंटर स्पीच का इष्टतम उपयोगः लिंग संवेदनशील साइबर शिष्टाचार की आवश्यकता") पर एक दिवसीय कार्यशाला, 10 फरवरी, 2017.

भाषा, भाषाविज्ञान, संस्कृति एवं विरासत पीठ
अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2009-10 से आरम्भ)

1. पंजीकृत छात्र और पंजीकरणः

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	स्नातकोत्तर	30	20
2	एम.फिल.	10	09

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रुचि के क्षेत्र
1	डॉ. बीर सिंह यादव सह–आचार्य	एम.ए., पीएच.डी.,	ब्रिटिश काव्य, दर्शन और अनुवाद अध्ययन
2	डॉ. संजीव कुमार सह आचार्य	एम.फिल., पीएच.डी., पीजीसीटीई	प्रवासी और उत्तर–औपनिवेशिक साहित्य, दलित साहित्य और सौंदर्यशास्त्र, विश्व साहित्य
3	डॉ. सुदीप कुमार सहायक आचार्य	एम.फिल., पीएच.डी.	भारत में साहित्यिक आलोचना, महत्वपूर्ण सिद्धांत, दलित साहित्य और सौंदर्यशास्त्र
4	डॉ. स्नेहसता सहायक आचार्य	एम.फिल., पीएच.डी., बी.एड.	दर्शन, लिंग अध्ययन, दलित साहित्य और सौंदर्यशास्त्र
5	डॉ. रीनू सहायक आचार्य	एम.फिल., पीएच.डी.	शैलीविज्ञान, अमेरिकी साहित्य और संस्कृत काव्य
6	डॉ. मनोज कुमार सहायक आचार्य	स्नातकोत्तर, पीएच.डी.	भारतीय संस्कृत काव्य, भारत–कनाडाई साहित्य, अंग्रेजी में भारतीय लेखन

3. सेमिनार/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रकाशित शोध पत्र/परियोजनाओं/पेटेंट/परामर्श परियोजनाओं में भागीदारी के संबंध में

शोध पत्र/पुस्तकें प्रकाशित

डॉ. बीर सिंह यादव

- *अर्स अर्टियम (Ars Artium): मानविकी और सामाजिक विज्ञान की अंतरराष्ट्रीय सहकर्मी– समीक्षा सह– संदर्भित अनुसंधान पत्रिका, खण्ड* 4. 2016. 1–10. ऑनलाइन में "धर्म, विज्ञान और साहित्यः विश्व शांति का एकीकृत दर्शन" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रकाशित किया।
- "अनुवादः ज्ञान सृजन एवं सत्य संवर्द्धक शक्ति" शीर्षक से *अंग्रेजी अध्ययन के लिए राजस्थान एसोसिएशन की पत्रिका, खण्डत*.12. 2016. 164–176. में शोधपत्र प्रकाशित किया।"
- 7 अक्टूबर, 2016 को पर स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारनौल में "रूढ़िवादी मार्क्सवाद" पर विस्तार व्याख्यान दिया।

डॉ. संजीव कुमार

- *"अधिष्ठाता छात्र कल्याण का पद एवं विश्विविद्यालय परिसर के मुद्दे"* शीर्षक से पांडिचेरी विश्वविद्यालय, पुडुचेरी में 28–29 जुलाई, 2016 को *डिजिटल युग में छात्र कल्याणः समस्याएं और* संभावनाएं विषय आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- भारतीय विश्वविद्यालय एसोसिएशन द्वारा शिक्षा विभाग एवं हकेंवि के सहयोग से उच्च शिक्षा में परीक्षा सुधारः *विकल्प–आधारित क्रेडिट प्रणाली* विषय पर नवम्बर 11, 2016 को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में एक तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की।

डॉ. स्नेहसता

- मानव संसाधन विकास आयोग, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में 17नवंबर से 14 दिसम्बर, 2016 को उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया।
- *भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन* विषय पर 30 मार्च से 3 अप्रैल, 2017 को शिक्षा संकाय एवं अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा संयुक्तभ रूप से आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के सत्रों में से एक में मॉडरेटर।

डॉ. रीनू

- *भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन* पर 30 मार्च से 3 अप्रैल, 2017 को शिक्षा संकाय एवं अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा संयुक्त् रूप से आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

डॉ. मनोज कुमार

- *भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन* विषय पर 30 मार्च से 3 अप्रैल, 2017 को शिक्षा संकाय एवं अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के सत्रों में से एक में मॉडरेटर।
- *साहित्यिक व्याख्याान एक दृष्टि में शीर्षक* से Yking बुक्स , जयपुर से एक पुस्तक प्रकाशित की।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट/सेट - 3

- श्री रामनिवास बैरा (एम. फिल) यूजीसी–नेट अर्हता प्राप्त
- श्री शौकत हुसैन इद्दू सेट अर्हता प्राप्त
- श्री सुरेंद्र कुमार सेट अर्हता प्राप्त

पीएच.डी.

- सुश्री भाव्या सिंघल (पर्यवेक्षकः डा. बीर सिंह)

पीएच.डी. प्रस्तुत

- श्री यशपाल सिंह (पर्यवेक्षकः डा. संजीव कुमार; संयुक्त / सह पर्यवेक्षकः प्रो. एच.एस. चन्डालिया)
- सुश्री सुषमा शर्मा (पर्यवेक्षकः डॉ. मनोज कुमार; संयुक्त / सह पर्यवेक्षकः प्रो. एच.एस. चन्डालिया)
- श्री अजित सिंह (पर्यवेक्षकः डॉ. मनोज कुमार; संयुक्त / सह पर्यवेक्षकः प्रो एच.एस. चन्डालिया)

एम.फिल. से सम्मानित

- सुश्री हेमंत कुमारी (पर्यवेक्षकः डॉ. बीर सिंह)
- सुश्री जेरीन सारा जॉर्ज (पर्यवेक्षकः डॉ. संजीव कुमार)
- श्री दिनेश कुमार (पर्यवेक्षकः डॉ. संजीव कुमार)
- श्री सुरेंद्र कुमार (पर्यवेक्षकः डॉ. संजीव कुमार)

सेवा नियोजन

- रामनिवास बैरा, सह–आचार्य, दिल्ली विश्वविद्यालय में तदर्थ आधार पर
- श्री दिनेश कुमार, पीजीटी, आर्डिनेंस डिपो, रक्षा मंत्रालय, गाजियाबाद
- रेखा कुमारी अनुबंध के आधार पर सह–आचार्य, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय।
- जी. एम. खान, सह–आचार्य, उच्चतर शिक्षा विभाग, जम्मू और कश्मीर
- मुनेश यादव, विस्तार आधार पर सह–आचार्य, सरकारी महिला महाविद्यालय, नारनौल
- इंदु रानी, सह–आचार्य, के.आर. मंगलम विश्वविद्यालय, गुरुग्राम
- सुषमा यादव, पीजीटी, हैप्पी एवरग्रीन स्कूल, महेंद्रगढ़.
- दलजीत सिंह, पीजीटी, यदुवंशी शिक्षा निकेतन, महेंद्रगढ़.
- राजबीर सिंह, पीजीटी, यदुवंशी शिक्षा निकेतन, महेंद्रगढ़.
- अजय कुमार, पीजीटी, यदुवंशी शिक्षा निकेतन, नारनौल
- हेमंत कुमारी, प्राचार्य, सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, महेंद्रगढ़.

अन्य उपलब्धियाँ

- भाषा प्रयोगशाला की स्थापना
- प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों की ओर छात्रों की प्रगतिः

एम.फिल. से पीएच.डी.ः

- अनुष्का नागपाल, इग्नू, दिल्ली।
- शंकर लाल चौधरी, राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय
- जेरीन सारा जॉर्ज, आईआईटी गांधीनगर
- मनीष कुमार मीणा, जेएनयू, दिल्ली
- सुरेंद्र कुमार, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय
- नेहा राणा, अम्बेडकर विश्वविद्यालय, दिल्ली
- अजित आनंद, आईआईटी, पटना

एम.ए. से पीएच.डीः

- बिबिन सेबस्टियन, त्रिपुरा विश्वविद्यालय..

5. विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में संकाय की भूमिका

डॉ. बीर सिंह यादव

- समन्वयक, ओबीसी सेल, हरियाणा केन्द्रीय विश्वाविद्यालय।
- संकाय समन्वयक, "भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन" विषय पर शिक्षा संकाय, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय के सहयोग से आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, (30 मार्च–3 अप्रैल, 2017)
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय; अध्ययन बोर्ड; विभागीय अनुसंधान समिति।

डॉ. संजीव कुमार

- अधिष्ठाता, छात्र कल्याण 16 जनवरी 2014 से 17 अक्टूबर 2016 तक।
- प्रमुख, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, दिनांक 18 अगस्त 2015 से अब तक।
- अध्यक्ष, अध्ययन बोर्ड, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, हकेंवि।
- संयोजक प्रकाशन प्रभाग सितम्बर 2016 तक और सलाहकार, प्रकाशन प्रभाग, हकेंवि, (सितंबर से 2016 से अब तक)।

- संयोजक, वार्षिक रिपोर्ट (2015–16); विभागीय प्रवेश समिति (2016–17); उन्नत भारत अभियान और सामुदायिक विकास केन्द्रीय संपादकीय समिति।
- सह–संयोजक, "भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन" विषय पर शिक्षा संकाय के सहयोग से आयोजित, 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय. (30 मार्च–3 अप्रैल, 2017).
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय; शैक्षणिक परिषद शैक्षणिक परिषद की स्थायी समिति; आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC), अनुशासन समिति।

डॉ. सुदीप कुमार

- सहायक वार्डन, बालक छात्रावास, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।
- आयोजन सचिव, "भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन" विषय पर शिक्षा संकाय के सहयोग से आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 30 मार्च–3 अप्रैल, 2017।
- समन्वयक, साहित्यिक क्लब, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।
- पुरुष परामर्शदाता, युवा रेड क्रॉस, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।
- सदस्य, अध्ययन बोर्ड; सम्पादकीय बोर्ड, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय की पत्रिका।

डॉ. स्नेहसता

- बुक रीडिंग क्लंब
- साहित्यिक क्लब के कार्यक्रम समन्वयक
- संकाय समन्वयक, "भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन" विषय पर शिक्षा संकाय के सहयोग से आयोजित, 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, 30 मार्च–3 अप्रैल, 2017।

डॉ. रीनू

- संकाय समन्वयक, भाषा लैब। स्थापना समिति, अंग्रेजी एवं विदेशी भाषा विभाग, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय.
- सदस्य, प्रकाशन प्रभाग, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय; सम्पादकीय बोर्ड, वार्षिक रिपोर्ट (2016); सम्पादकीय बोर्ड, विश्वविद्यालय न्यूजलैटर (खण्डा 2)।

डॉ. मनोज के. विद्यालंकार

- आयोजन समन्वयक, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विभाग साहित्यिक क्लब, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।
- संकाय समन्वयक, "भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन" विषय पर शिक्षा संकाय के सहयोग से आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय. (30 मार्च–3 अप्रैल, 2017)
- सदस्य, कैरियर और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ एवं कला, संस्कृति और विरासत संवर्धन समूह, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।

6. प्रमुख आयोजन और गतिविधियाँः

- "भारत में साहित्यिक आलोचनाः सिद्धांत, अभ्यास और अध्यापन" विषय पर शिक्षा संकाय के सहयोग से आयोजित 5 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय. (30 मार्च–3 अप्रैल, 2017)

हिन्दी एवं भारतीय भाषा विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2011-12 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	स्नातकोत्तर	30	23
2.	पीएच.डी.	12	09
3.	एम.फिल.	10	10

2. संकाय प्रोफाइल

क्रम सं.	नाम	योग्यता	रुचि के क्षेत्र
1	डॉ सिद्धार्थ शंकर राय सहायक आचार्य	एम. ए., पीएच.डी.	समकालीन हिंदी कविता, हिंदी आलोचना, अपभ्रंश
2	डॉ. अमित कुमार सहायक आचार्य	एम.फिल., पीएच.डी.	हिंदी कथा साहित्य, लोक साहित्य, समकालीन कविता
3	डॉ अरविंद सिंह तेजावत सहायक आचार्य	एम.फिल., पीएच.डी.	मीरा और भक्ति आन्दोलन, भारतीय संस्कृति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति, गांधी और समकालीन भारत।

3. सेमिनार में भागीदारी/सम्मेलन/कार्यशालाओं/शोध पत्र प्रकाशित/परियोजनाओं/सहयोगात्मक अनुसंधान/पेटेन्ट/परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय

कार्यशालाएं /सेमिनार

- पर्यटन और ऐतिहासिक अकादमी राजस्थान एवं अन्य द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, 09–10, सितम्बर 2016 में एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- हिंदी विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी, 22–23, अक्टूबर 2016 में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

डॉ. अमित कुमार

कार्यशालाएं/प्रशिक्षण कार्यक्रम

- "फोटोग्राफिक दस्तावेजीकरण के रचनात्मक पहलू" विषय पर सीसीआरटी, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित कार्यशाला, 08–12 अगस्त, 2016 में भाग लिया।
- सीसीआरटी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम, 12–31 दिसम्बर, 2016 में भाग लिया।

शोध पत्र

- "इब्न बतूता और उनकी भारत यात्रा" विषय पर पर्यटन और ऐतिहासिक अकादमी राजस्थान द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार, 09–10, सितम्बर 2016 में शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- हिंदी विभाग, मोहन लाल सुखाडिया विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा आयोजित संगोष्ठी, 07–08, अक्टूबर 2016 में "आदिवासी स्त्री–देह के ध्वस्त होते सपनों की कविताएं" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
- हिंदी विभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित संगोष्ठी में "धरती के कवि का सुख–दुख" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।

पुस्तको में अध्याय

- 'आदिवासी स्त्री–देह के ध्वस्त होते सपनों की कविताएं' *आदिवासी समाज, संस्कृति और साहित्य* में प्रकाशित; हिमांशु प्रकाशन, उदयपुर; संस्करणः 2016

डॉ. अरविंद सिंह तेजावत

- "लिखित और मौखिक परंपरा के आधार पर दक्षिणी और पूर्वी राजस्थानी समाज के संदर्भ में सांस्कृतिक, सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तन की पृष्ठभूमि में भाषा परिवर्तन का अध्ययन" शीर्षक से भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) प्रायोजित परियोजना, धनराशि 9,00000 रुपये, जनवरी 2017 से सम्मानित।
- चतुर्थ प्रारंभिक हिन्दी–ब्रज ब्रजभाषा रिट्रीट, 31 जुलाई–10 अगस्त, के तीन सत्रों के सत्र नेता के रूप में ओरिएण्टल इंस्टिट्यूट, चेक अकादमी ऑफ साइंस, प्राग का दौरा किया।
- भारत–श्रीलंका सांस्कृतिक संबंधों पर मासिक फोरम, 5 मई, 2016 के प्रस्तुतकर्ता के रूप में समकालीन भारतीय अध्ययन केन्द्र (CCIS), श्रीलंका का दौरा किया।
- जनसंचार विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ केलानिया, में व्याख्यान "भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष और समाचार पत्र" जून, 2016 का आयोजन किया।
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेरादेनिया में "भारत के स्वतंत्रता संघर्ष में एम.के. गांधी की भूमिका" जून 2016 विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया।

विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट/सेट

शुभमः नेट एवं जेआरएफ अर्हता प्राप्त।
दिव्या जोशीः नेट अर्हता प्राप्त।

एम.फिल./पीएच.डी. से सम्मानित

पीएच. डी.: 4
एम. फिलः 8

सेवा नियोजन

- मनीषा बैंकिंग सेवा में राजभाषा अधिकारी के रूप में चयनित।
- शिव शरण कुमार बैंकिंग सेवा में राजभाषा अधिकारी के रूप में चयनित।

विश्वविद्यालय के सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

डॉ. सिद्धार्थ शंकर राय

- हिन्दी अधिकारी
- शिक्षक–प्रभारी, हिंदी एवं भारतीय भाषा विभाग
- शिक्षक–प्रभारी, पत्रकारिता और जन संचार विभाग।

डॉ. अमित कुमार

- समन्वयक, साहित्य समिति

डॉ. अरविंद सिंह तेजावत

- अध्यक्ष, कला स्नातक (ऑनर्स) एवं प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम समिति। हिन्दी अध्ययन विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ केलनिया, श्रीलंका, जून, 2016।

कार्यक्रम और गतिविधियां

- तीन दिवसीय चित्रकला प्रदर्शनी का आयोजन किया।

पर्यटन एवं होटल प्रबन्धन विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2015-16 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	होटल प्रबंधन और खानपान प्रौद्योगिकी स्नाातकोत्तर (एम.एच.एम.सी.टी.)	15	12

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रुचि का क्षेत्र
1	श्री विकास मोहन सहायक आचार्य#	विज्ञान स्नातकोत्तर (होटल प्रबंधन), व्यापार प्रबंधन स्नांतकोत्तर (आतिथ्य), पर्यटन प्रबंधन परास्नातक	खाद्य और पेय सेवा एवं प्रबंधन, संपूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन, पर्यटन अध्ययन, कौशल विकास
2	सुश्री शिखा सहायक आचार्य#	होटल प्रबंधन में परास्नातक; पर्यटन प्रबंधन में परास्नातक	आवास संचालन
3	श्री अमनदीप सहायक आचार्य#	विज्ञान स्नातकोत्तर (होटल प्रबंधन)	ग्राहक संबंध प्रबंधन, आवास संचालन
4.	डॉ. दिलबाग सिंह सहायक आचार्य#	पीएच. डी. (होटल प्रबंधन), होटल प्रबंधन में परास्नातक	आवास संचालन, आतिथ्य उद्योग में अनुसंधान, गृह प्रबंध (हाउसकीपिंग) संचालन

#. *अनुबंध आधार पर।*

3. सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/शोध पत्र प्रकाशित में भागीदारी के संबंध में

- विभाग शिक्षण स्टाफ और छात्रों ने ले कॉर्डों ब्लू स्कूल ऑफ हॉस्पिटैलिटी, जी.डी.गोयनका यूनिवर्सिटी , गुरुग्राम में 13 अप्रैल, 2016 को आयोजित *आतिथ्य और पर्यटन* पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- विभागीय शिक्षण स्टाफ ने आईटीसी मौर्य शेरेटन, नई दिल्ली में 24 जून, 2016 को *महान भारतीय भोजन* पर गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।

श्री विकास मोहन

- आईटीसी मौर्य शेरेटन, नई दिल्ली में 24 जून, 2016 को *महान भारतीय भोजन* पर गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- हकेंवि में नवोन्मेष प्रयोगशाला पर अकादमिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN) कार्यक्रमः *विचार से व्यापार,* नवम्बर 14–25, 2016 में भाग लिया।

सुश्री शिखा

- *प्रबंधन और योजना अध्ययनों के लिए जर्नल (जर्नल फॉर स्टडीज इन मैनेजमेंट एंड प्लानिंग)* ह, खण्ड –2, अंक 12 में "आतिथ्य उद्योग कार्य संबंधित तनाव ("वर्क रिलेटेड स्ट्रेस इन द हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री") शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया।
- *प्रबंधन और योजना अध्ययनों के लिए जर्नल, (जर्नल फॉर स्टडीज इन मैनेजमेंट एंड प्लानिंग)* खण्ड –2, अंक 11 में "आतिथ्य उद्योग में कर्मचारी प्रेरणा को प्रभावित करने वाले कारक" ("फैक्टर्स अफ्फेक्टिंग एम्प्लोयी मोटिवेशन इन हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री") शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया।

- *प्रबंधन और योजना अध्ययनों के लिए जर्नल, (जर्नल फॉर स्टडीज इन मैनेजमेंट एंड प्लानिंग)* खण्ड –2, अंक 10 में "होटल उद्योग में ग्राहक शिकायतों का प्रबंधन" ("हैंडलिंग कस्टमर कम्प्लेंट्स इन होटल इंडस्ट्री) शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया।
- *समसामयिक सामाजिक मुद्दे– अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान पत्रिका (कंटेम्परारी सोशल इश्यूज इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल),* खण्ड –2, संख्याश 1 में "आतिथ्य उद्योग पर पर्यावरणीय प्रभावों की एक समीक्षा (ए रिव्यु ऑफ द एनवायर्नमेंटल इम्पैटस ऑन द हॉस्पिटैलिटी इंडस्ट्री" शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित किया।
- पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग (DTHM), कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय *द्वारा पर्यटन शिक्षा और कौशल विकासः पूर्वानुमान और संभावनाएं* विषय पर, मार्च 2017 को आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में *"कौशल विकास में प्रचलन निर्धारक के रूप में पर्यटन उद्योग"(टूरिज्म इंडस्ट्री एस ए ट्रेंडसेटर इन स्किल डेवलपमेंट)* शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुयत किया।
- हकेंवि में नवम्बर 11–25, 2016 को आयोजित नवोन्मेष "प्रयोगशाला पर अकादमिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN) कार्यक्रमः *विचार से व्यापार* में भाग लिया।

श्री अमनदीप

- हकेंवि में नवम्बर 11–25, 2016 को आयोजित नवोन्मेष प्रयोगशाला पर अकादमिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN) कार्यक्रमः विचार से व्यापार में भाग लिया।

डॉ. दिलबाग सिंह

- हकेंवि में नवम्बर 11–25, 2016 को आयोजित नवोन्मेनष प्रयोगशाला पर अकादमिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN) कार्यक्रमः विचार से व्यापार में भाग लिया।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट/जेआरएफ/गेट अर्हता प्राप्त

- श्री अजय ने पर्यटन प्रशासन और प्रबंधन में यूजीसी नेट–जेआरएफ अर्हता प्राप्त की।

सेवा नियोजन

- सुश्री गुंजन ने लीला पैलेस, उदयपुर से प्लेसमेंट प्रस्ताव प्राप्त किया।
- श्री अरविंद ने सरोवर पोर्टिको, जयपुर से प्लेसमेंट प्रस्ताव प्राप्त किया।

5. विश्वविद्यालय के सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

श्री विकास मोहन

- शिक्षक प्रभारी, पर्यटन और होटल प्रबंधन विभाग, हकेंवि।

सुश्री शिखा

- हकेंवि में अकादमिक नेटवर्क की वैश्विक पहल (GIAN) कार्यक्रम में भाग लिया।

6. कार्यक्रम और गतिविधियाँ

24 जून, 2016 को समाजशास्त्र विभाग के सहयोग से आईटीसी मौर्य शेरेटन, नई दिल्ली में महान भारतीय व्यंजनों पर गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया; स्वच्छता पर बदलते रुझान पर चर्चा, सितम्बर 15, 2016; पर्यटन प्रश्नोत्तरी, पोस्टर निर्माण, कचरे से बेहतरीन वस्तुएं बनाना (बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट), समुचित चित्र (कोलाज) निर्माण प्रतियोगिताएं, 27 सितम्बर 2016; टेबल शिष्टाचार कार्यशाला, 28 सितम्बर 2016; चॉकलेट निर्माण कार्यशाला, अक्टूबर 07, 2016; भारतीय मिष्ठान निर्माण कार्यशाला, 27 अक्टूबर, 2016; श्री डी.पी. सिंह, आईएचएम पानीपत द्वारा होटल उद्योग में नवीनतम रुझान और विकास पर व्याख्यान, 02 फरवरी, 2017; बावर्ची जसविन्दर सिंह, पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़, द्वारा तंदूरी बाइट्स पर कार्यशाला, 03 फरवरी, 2017; द्वारा काटनेय भोजन तैयारी और प्रस्तुति पर 3 दिवसीय कार्यशाला, मार्च 06–08, 2017; एवं होटल सरोवर पोर्टिको जयपुर, राजस्थान में यात्रा 16 मार्च 2017 को औद्योगिक सह क्षेत्र दौरा आयोजित किया।

विधि, शासन, लोक नीति एव प्रबंधन पीठ

प्रबंधन अध्ययन विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2010-11 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	व्यापार प्रबंधन में स्नातकोत्तर (एमबीए)	30	26

2. संकाय विवरणः

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1	डॉ. आनंद शर्मा सह आचार्य	एमबीए, पीएच.डी.	वित्त व लेखांकन
2	डॉ. सुनीता तंवर सहायक आचार्य	एमबीए, पीएच.डी.)	एचआर, ओबी, उद्यमिता
3	डॉ. अजय पाल शर्मा सहायक आचार्य	एमए, एमबीए, एम.फिल, पीएच.डी.	विपणन और सामान्य प्रबंधन
4.	सुश्री दिव्या सहायक आचार्य	एमबीए, जीवन बीमा में एसोसिएट (तृतीय, मुंबई)	एचआर, लेखांकन और बीमा
5	डॉ. अजय कुमार सहायक आचार्य	एमबीए., पीएच.डी.	ब्रांड प्रबंधन, उपभोक्ता व्यवहार, अनुसंधान क्रियाविधि

3. संगोष्ठी/सम्मेलन/ कार्यशालाओं में भागीदारी / प्रकाशित शोध पत्र/ परियोजनाओं / सहयोगी अनुसंधान के संबंध में

डॉ. आनंद शर्मा

प्रकाशन

- हरियाणा में ग्रामीण परिवारों के बीच वित्तीय समावेशनः वित्तीय समावेशन के सूचकांक का विकास करना," एलबीएस जर्नल ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, संस्करण XIV, सं. 2, जुलाई –दिस 2016

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाएं/व्याख्यानः

- राजकीय महाविद्यालय अटेली (महेंद्रगढ़) द्वारा आयोजित जीएसटी में प्रतिमान बदलाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में "वस्तु और सेवा करः मुद्दे और चुनौतियां" पर प्रधान भाषण प्रस्तुत किया, 18 फरवरी, 2017 ।
- बीएसई के साथ मिलकर प्रबंधन अध्ययन विभाग द्वारा आयोजित शेयर बाजार में व्यापार पर कार्यशाला में "वायदा कारोबार" पर सत्र आयोजित किया, 13 अप्रैल, 2016 ।
- सीयूएच विसाका स्वयंसेवकों और आठ सीयूएच दत्तक गांवों के लिए विसाका कार्यक्रम (एमएचआरडी की पहल) के अंतर्गत डिजिटल वित्तीय साक्षरता पर रैलियों और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन किया, और सीयूएएच भारत के शीर्ष 20 संस्थानों में गिना गया।
- सीयूएच के टी एंड पी प्रकोष्ठ के सहयोग से प्लेसमेंट की सुविधा प्रदान करने के लिए कार्पोरेट के लिए परिसर पर दो दिवसीय कार्यशाला में अपने आप को जानें पर सत्र का आयोजन किया।
- भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड और बम्बई स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड के साथ मिलकर निवेशक शिक्षा पर क्षेत्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया, 23 जून, 2016।

डॉ. सुनीता तंवर

संगोष्ठी / सम्मेलन

- हकेंवि द्वारा 28 फरवरी, 2017 को "भारत में समेकित शिक्षाः मुद्दे और चुनौतियां" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया।
- एसएमएस लखनऊ और एनएचआरडी द्वारा 25 फरवरी, 2017 को आयोजित "निवेश मार्गों के चयन पर निवेश व्यवहार के निर्धारकों का प्रभाव" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किया ।
- गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज फॉर वुमन, गांधी नगर, जम्मू, जम्मू और कश्मीर (भारत) में उच्च शिक्षा में 25–26 अक्टूबर, 2016 को 'गुणवत्ता संस्कृतिः आगे की राह पर' एनएएसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया ।
- ईस्टर्न मिशिगन यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी एंटर्नपेन यूनिवर्सिटी, टेक्न्दोगी मलेसिया के सहयोग से टेक्नोलॉजीको डी मोंटेरेरी, सैन लुईस पोटोसी, मैक्सिको द्वारा 25–28 मई, 2009 को आयोजित संगठन में नवाचारिता के चालकः आईएसएम तकनीक पर जीएबीसी ट्राईकांटिनेंटल इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में पत्र प्रस्तुत किया ।
- आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय उद्योगों में प्रतिस्पर्धी आसूचना व्यवहार और फर्म के प्रदर्शन से इसका संबंध" पर पत्र प्रस्तुत किया, 4–9 मई, 2016.
- आईआईएम इंदौर द्वारा आयोजित अनुसंधान और शिक्षा में उत्कृष्टता पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "इस्लामिक स्टॉक सूचकांकों और वृहत आर्थिक चरों के सह–एकीकरण" पर पत्र प्रस्तुत किया, 4–9 मई, 2016.

प्रकाशन

- इरफान, मोहम्मद और तंवर, सुनीता, "भारत में शेयर कीमत के मूलभूत निर्धारकः शरिया और गैर–शरिया अनुपालक कंपनियों का तुलनात्मक अध्ययन," पैसिफिक बिजनेस रिव्यू। 9 (2017), 33–37.
- जयंत और तंवर, सुनीता, "भारत VIX और उसकी वायदा कीमतों के बीच कारण–कार्य संबंध," एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन बिजनेस ईकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट, 7 (2017), 238–244।
- इरफान, मोहम्मद और तंवर, सुनीता, "क्या शरिया और गैर–शरिया सूचकांक संबंधित हैं– भारत के कुछ अनुभवजन्य प्रमाण" आईओएसआर जर्नल ऑफ बिजनेस एंड मैनेजमेंट, 1 9 (2017), 1–9.
- तंवर, सुनीता और सिंह, भगत "प्रतिस्पंर्धी आसूचना अनुसंधानः अकादमिक साहित्य की समीक्षा और वर्गीकरण," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट साइंस, संस्करण 2 (1), जनवरी–जून 2016.

कार्यशालाएं / एफडीपी

- सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट, गुजरात में "शोधपत्र लेखन" पर अल्पावधिक पाठ्यक्रम में भाग लिया, जून 20–26, 2016.
- जेआईएमएस कालकाजी, दिल्ली में राष्ट्रीय उद्यमिता नेटवर्क द्वारा आयोजित उद्यमिता शिक्षक कार्यक्रम में भाग लिया, 13–15 जुलाई, 2016.

अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर विजिट

- राष्ट्रीय सहकारी विकास संस्थान, पोल्गोला, श्रीलंका, वमनिकॉम और सीआईसीटीएबी में आयोजित श्रीलंका में सहकारी व्यापार मॉडल पर एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एनसीयूआई दिल्ली द्वारा भारत के एक प्रतिनिधि के रूप में नामित किया गया, 3–6 जनवरी, 2017.
- स्कूल ऑफ बिजनेस, टेक्नोलॉजी डी मोंटेरेरी युनिवर्सिटी कैंपस, सैन लुइस पोटोसी, मैक्सिको द्वारा विजिटिंग आचार्य असाइनमेंट पर आमंत्रित किया गया, 6–15 अक्टूबर, 2016.

आमंत्रित व्याख्यान

- गवर्नमेंट पी.जी. कॉलेज ऑफ वुमन, जम्मू, जम्मू और कश्मीर (भारत) में "अध्यापन और अधिगम की आधुनिक रणनीतियों का एकीकरणः ज्ञान संवर्धन का प्रभावी उपकरण" पर परिपूर्ण व्याख्यानन दिया और उच्च शिक्षा में गुणवत्ता संस्कृतिः आगे की राह पर एनएएसी प्रायोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सत्र की सह–अध्यक्षता की, 25–26 अक्टूबर, 2016.
- एनसीसीई, नई दिल्ली में भारत की एनसीयूआई सहकारी शिक्षा क्षेत्र की परियोजनाओं की महिला मोबीलाइजरों के लिए रिफ्रेशर कोर्स के लिए "महिलाओं के आय सृजन के लिए ग्रामीण क्षेत्र में लघु उद्यम अवसरों" पर व्याख्यान दिया, 3 मई, 2016.
- 1 अप्रैल, 2016 को चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जिंद, में "प्रबंधन विभाग में अकादमिक लेखन, साहित्यिक चारी और अनुसंधान" पर व्याख्यान दिया.

परामर्श परियोजनाएं

- वर्ष 2016–2017 के लिए "स्टार्टर्स और स्टार्ट–अपः प्रारंभकर्ताओं के लिए अधिगम चक्र" पर दो सप्ताह के एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित उद्योग उन्मुख ग्रीष्मकालीन / शीतकालीन अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम पूरा किया, 18–30 जुलाई 2016 (परियोजना राशिः रु. 8.16 लाख)
- वर्ष 2016–2017 के लिए "स्टार्टअप और उद्यमिताः प्रकरण–आधारित अधिगम" पर दो सप्ताह के एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित उद्योग उन्मुख ग्रीष्मकालीन / शीतकालीन अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम पूरा किया, 5–16 सितंबर 2016 (परियोजना राशिः रु. 8.16 लाख)
- वर्ष 2016–2017 के लिए "विचार से व्यापार तक नवाचार प्रयोगशाला" पर दो सप्ताह के एमएचआरडी द्वारा वित्त पोषित उद्योग उन्मुख ग्रीष्मकालीन / शीतकालीन अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम पूरा किया, 14–25 नवंबर 2016 (परियोजना राशिः रू. 8.16 लाख)
- वर्ष 2016–2017 के लिए डीएसटी–एनआईएमएटी द्वारा वित्त पोषित छह उद्यमशीलता जागरूकता शिविर (1.2 लाख रु. का वित्त पोषण)
- चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय, जींद (हरियाणा) में "मेक इन इंडियाः मुद्दे और चुनौतियां" पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में तकनीकी सत्र की अध्यक्षता की, 28 जनवरी 2017.

डॉ. अजय पाल शर्मा

संगोष्ठी / सम्मेलन / परियोजना

- जयपुरिया विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा आयोजित नई अर्थव्यवस्था के लिए प्रबंधन व्यवहार (आईसीएमएपीआरएएन –17) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्वः सामाजिक परिवर्तन की दिशा में यात्रा" शोधपत्र प्रस्तुत किया, फरवरी 10–11 फरवरी 2017.
- एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा आयोजित समेकित उद्यमिता और नवाचार के लिए स्टार्ट–अप इंडिया रेसिपीः मुद्दे और चुनौतियां पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मोबाइल ब्रॉडबैंड नवाचार समझने के लिए दूरसंचार ढांचे का अध्ययन" शोधपत्र प्रस्तुत किया, 02–03 मार्च 2017.
- विदेशी विश्वविद्यालय के सहयोग से जयपुरिया विश्वविद्यालय, नोएडा द्वारा आयोजित नई अर्थव्यवस्था के लिए प्रबंधन व्ययवहार (आईसीएमएपीआरएएन –17) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मोबाइल ब्रॉडबैंडः एम–बैंकिंग की दिशा में मार्ग" शोधपत्र प्रस्तुत किया, 10–11 फरवरी 2017.
- एमिटी यूनिवर्सिटी, गुरुग्राम द्वारा आयोजित नया डिजिटल युगः व्यापार संगठनों के लिए पुनः आकार देने वाली रणनीतियाँ पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "डिजिटल लेनदेन को फिर से गढ़ने की तर्ज पर डिजिटलीकरण" शोधपत्र प्रस्तुत किया, 23–24 फरवरी, 2017.
- ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज (जीजीएसआईपी विश्वविद्यालय, दिल्लीर से संबद्ध) द्वारा आयोजित विमुद्रीकरण से ई–मुद्रीकरणः आगे की राह और आईटी, मीडिया और प्रबंधन का योगदान पर 7वें राष्ट्रीय सम्मेलन में "मोबाइल बैंकिंगः एम–बैंकिंग की दिशा में मार्ग'' पत्र प्रस्तुत किया, 25 मार्च, 2017.
- संपादित पुस्तक भारत में ई–शासनः समस्याएं, प्रोटोटाइप और संभावनाएं, में "भारत में ई–शासनः विश्लेषणात्मक परिप्रेक्ष्य" नामक अध्याय का योगदान दिया, संस्करण. राजेश कुमार और पुनीत कुमार, नोवा, नई दिल्ली, 2016.

सुश्री दिव्या

प्रकाशन

- दिव्या (2016), "यूजीसी–एपीआई संशोधन का तुलनात्मक आकलन," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी एजुकेशनल रिसर्च 10(4), पृ. 240–260
- खेड़ा एन. शिखा और दिव्या (2016), "रोजगार संतुष्टि, संगठनात्मक प्रतिबद्धता और कारोबार अभिप्राय के साथ मानव संसाधन व्यवहार का संबंधः संकल्पनात्मक मॉडल," हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का जर्नल। 2, 95 पृ. 105
- खेड़ा एन. शिखा और दिव्या (2017), "कांच की छत तोड़नारः भारत में बोर्डरूम में लैंगिक समानता", विश्वविद्यालय समाचार (महिलाओं पर लेखन और महिला लेखन के लिए विशेष अंक), 55 (2), 75–80।

सम्मेलनों में भागीदारी

- गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय में डिजिटल युग को अपनानाः प्रबंधन परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारत की छाया अर्थव्यवस्था पर विमुद्रीकरण का प्रभाव" पत्र प्रस्तुत कियाः 13 जनवरी 2017.
- कश्मीर विश्वविद्यालय में आईसीटी पर एक सप्ताह के अल्पकालिक पाठ्यक्रम में भाग लिया, जुलाई 2016.

डॉ. अजय कुमार

- कुमार, ए. (2017) "क्या भारतीय अपनी व्यक्तित्व के अनुरूप बाइक का चयन करते हैं?", एशियन जर्नल ऑफ रिसर्च इन बिजनेस इकोनॉमिक्स एंड मैनेजमेंट, 7 (3), 114–124।

4. विश्वविद्यालय के सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

डॉ. आनंद शर्मा

- विभागाध्यक्ष, प्रबंधन अध्ययन विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
- वार्डन, पुरुष छात्रावास
- सीयूएच नोडल अधिकारी, विसाका, एआईएसएचई (एमएचआरडी)
- सदस्य, संपादक मंडल, सीयूएच जर्नल; शैक्षणिक परिषद, अध्ययन मंडलय और विभागीय अनुसंधान समिति

डॉ. अजय पाल शर्मा

- नोडल अधिकारी–सीयूसीईटी–2016; और संयोजक, कैरियर परामर्श, प्रशिक्षण और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ।

सुश्री दिव्या

- सदस्य, कला, संस्कृति और विरासत संवर्धन समूह

विधि विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2010-11 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	एलएल.एम. (विधि स्नातकोत्तर)	20	13

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. प्रदीप सिंह सहायक आचार्य	एलएल.एम., पीएच.डी., एडीआर में पीजी डिप्लातमा (आईएलआई, नई दिल्ली)	संवैधानिक कानून, न्यायशास्त्र और एडीआर
2.	डॉ. अंजू सहायक आचार्य	एलएल.एम., पीएच.डी.	अपराध और महिलाएं, परिवारिक कानून और कॉर्पोरेट कानून
3.	डॉ. समीक्षा गोदारा सहायक आचार्य	एलएल.एम., पीएच.डी.	आपराधिक कानून, साइबर कानून
4.	श्री राकेश मीणा सहायक आचार्य	एल.एल.बी, एलएल.एम.	मानवाधिकार, अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून

3. संगोष्ठी / सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी/प्रकाशित शोध पत्र/परियोजनाओं/सहयोगी अनुसंधान/पेटेंट/ परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

डॉ. प्रदीप सिंह

संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं का आयोजन/भागीदारी

- सीआरएस विश्वविद्यालय, जिंद द्वारा आयोजित आईसीएसएसआर प्रायोजित राष्ट्रीय सम्मेलन– "समावेशी विकास के लिए मेक इन इंडियाः पहलें और चुनौतियां" में संसाधन व्यक्ति के रूप में दो तकनीकी सत्रों की अध्यक्षता की, 27–29 जनवरी, 2017.
- संयोजक, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली (एनएचआरसी) द्वारा प्रायोजित और विधि विभाग, हकेंवि द्वारा आयोजित मानव अधिकार पर दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशाला, 12 अप्रैल 2016.
- संयोजक, महेन्द्रगढ़ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से विधि विभाग द्वारा आयोजित "कानूनी साक्षरता के माध्यम से सभी के लिए न्याय तक पहुंच का लोकतंत्रीकरण" पर एक दिवसीय संगोष्ठी।

पुस्तक में अध्याय

- प्रदीप सिंह विजेंदर कुमार एट. अल. विधि, न्यायपालिका और शासन–मूल चंद शर्मा के सम्मान में फेस्टसक्रिफ्ट में, "चौराहे पर भारतीय न्यायपालिकाः संविधानवाद, लोकतंत्र और संविधान", यूनिवर्सल लॉ पब्लिशिंग, लेक्सिस नेक्सिस की छाप, 2017

डॉ. अंजु

संगोष्ठी / सम्मेलन / कार्यशालाएं

- आईएलआई, नई दिल्ली और एचयुआरबीए, हांगकांग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित "व्यापार और मानवाधिकार" पर ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम में भाग लिया 20 जून से 1 जुलाई 2016.
- भारतीय विधि संस्थान, नई दिल्ली द्वारा आयोजित "व्यापार के मानवाधिकार उत्तरदायित्वः उभरता विनियमकीय रुझान" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया, 24–25 जून 2016.
- सचिव, महेन्द्रगढ़ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से विधि विभाग द्वारा "कानूनी साक्षरता के माध्यम से सभी के लिए न्याय तक पहुंच का लोकतांत्रिकरण" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी आयोजित।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट/जेआरएफ उत्तीर्ण

- 3 छात्र (प्रवीण कुमार मौर्य, तन्वी यादव और मनोज मीना)

सेवानियोजन

- प्रवीण कुमार मौर्य को नोएडा में विधि महाविद्यालय में सहायक आचार्य के रूप में नियुक्त किया गया।
- अलका दहिया को सहायक जिला अटार्नी (एडीए), हरियाणा के रूप में नियुक्त किया गया।
- दो छात्रों को आईजी विश्वविद्यालय, रेवाड़ी में सहायक आचार्य के रूप में नियुक्त किया गया।
- एक छात्र को अरुणाचल प्रदेश में विधि महाविद्यालय में सहायक आचार्य के रूप में नियुक्त किया गया।

विश्वविद्यालय के सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिका

डॉ. प्रदीप सिंह

- शिक्षक प्रभारी, विधि विभाग
- संयोजक, सीयूएच विधिक सहायता क्लिनिक
- सह–संपादक, हकेंवि जर्नल
- सदस्य, हकेंवि की शैक्षणिक परिषद; अध्ययन मंडल, विधि विभाग; प्रतिष्ठित सदस्य, अंतर्राष्ट्रीय ज्युवरिस्टक परिषद, लंदन

डॉ. अंजू

- वार्डन, महिला छात्रावास, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
- समन्वयकर्ता, सीयूएच विधिक सहायता क्लिनिक, हकेंवि

डॉ. समीक्षा गोदारा

- संयोजक बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) प्रकोष्ठ

विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम और गतिविधियांः

- 12 अप्रैल, 2016 को राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, नई दिल्ली (एनएचआरसी) द्वारा प्रायोजित मानवाधिकारों पर एक दिवसीय राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम / कार्यशाला।
- 7 अक्टूबर, 2016 को "रिट्रेस" – प्रथम पूर्वछात्र संगम का आयोजन किया गया।
- महेन्द्रगढ़ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से कानूनी साक्षरता के माध्यम से सभी के लिए न्याय तक पहुंच का लोकतांत्रिकरण पर एक दिवसीय संगोष्ठी, 9 नवंबर, 2016।
- संविधान दिवस की पूर्व संध्या पर "भारतीय संवैधानिक लोकतंत्र और उभरती चुनौतियां" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता, 25 नवंबर, 2016.

वाणिज्य विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2011-12 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण संख्या	नामांकित छात्रों की संख्याज
1	स्नातकोत्तर वाणिज्य (एम. कॉम)	30	27

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि के क्षेत्र
1	डॉ. सुमन सहायक आचार्य	एम.कॉम., पीएच.डी.	वित्त और मानव संसाधन प्रबंधन
2	डॉ. रविंदर कौर सहायक आचार्य	एम.कॉम., पीएच.डी.	वित्त और विपणन
3	श्री सचिन सहायक आचार्य	एम.कॉम., एमबीए	लेखांकन और वित्त

3. सेमिनार/सम्मेलनों/कार्यशालाओं/प्रकाशित शोध पत्र/परियोजनाओं/पेटेंट/परामर्श परियोजनाओं में भागीदारी के संबंध मे

डॉ. रविंदर कौर

शोध पत्र प्रकाशित

- रविंदर कौर और मनमीत कौर, (2016), "शेयर बाजारों की संवेदनशीलता का आकलन करनाः असममित GARCH मॉडलों का अनुप्रयोग" ("एस्टिमॅटिंग द सेंसिटिविटी ऑफ स्टॉक मार्केट्स : एन एप्लीकेशन ऑफ असिमेट्रिक GARCH मॉडल्स), एफलजेंस, 14 (2) पृ. 01–11.

सेमिनार/सम्मेलन

- महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक द्वारा *डिजिटल भारतः संभावनाओं और चुनौतियाँ विषय पर आयोजित* राष्ट्रीय सम्मेलन में "*डिजिटल सशक्तिकरणः भारत में कुशल कार्यबल की ओर एक विशिष्ट चरण* ("डिजिटल एम्पावरमेंट रूए डिस्टिंक्टिव स्टेप टुवर्ड्स स्किल्ड वर्कफोर्स इन इंडिया") शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया, 28 मार्च, 2017.
- "*वस्तु और सेवा कर में प्रतिमान परिवर्तनः जागरूकता, स्वीकृति और भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास*" विषय पर वाणिज्य विभाग, राजकीय महाविद्यालय, अटेली, महेन्द्रगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय सेमीनार में शोध पत्र प्रस्तुत किया।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट अर्हता प्राप्त : 3

- अंकित
- कल्पना
- सोमलता

सेवा नियोजन

- नरेन्द्र कुमार, सहायक आचार्य, वाणिज्य, उच्च शिक्षा विभाग, हरियाणा.
- निधि गुप्ता, शिक्षक, नर्मदा देवी सिंघानिया इंटरनेशनल स्कूल, नारनौल (बैच 2011–2013)।
- दीपा गर्ग, सहायक आचार्य, सरकारी बालिका महाविद्यालय, महेन्द्रगढ़ (बैच 2012–2014)।
- रिंकू सोनी, गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.) कार्यक्रम के लिए नामांकित। (बैच 2011–2013)।
- श्री पुखराज, विद्या वाचस्पति (पीएच.डी.) कार्यक्रम हेतु हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय (बैच 2011–2013) में नामांकित।

5. विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

डॉ. सुमन

- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हकेंवि ; अध्ययन बोर्ड

डॉ. रविंदर कौर

- सहायक वार्डन, बालिका छात्रावास, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय.

श्री सचिन

- संयोजक और सम्पर्क अधिकारी, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय अनुसूचित जाति/जनजाति SC/ST प्रकोष्ठ।

कार्यक्रम और गतिविधियाँ

- प्रो नसीब सिंह गिल, कंप्यूटर विज्ञान विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्वारा 22 नवम्बर, 2016 को "ई–वाणिज्य में उभरती प्रवृत्तियाँ" विषय पर विस्तार व्याख्यान।
- "Microsoft Excel का उपयोग कर वित्तीय प्रबंधन" विषय पर डॉ. हेम चंद जैन, डी.डी.यू. कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, द्वारा 24 अप्रैल, 2016 को विस्तार व्याख्यान।.
- "भारत में विपणन प्रथाओं में हाल ही के घटनाक्रम" विषय पर प्रो डी.पी.एस. वर्मा, पूर्व आचार्य, वाणिज्य विभाग, दिल्ली अर्थशास्त्र महाविद्यालय, द्वारा 24 अप्रैल, 2016 को विस्तार व्याख्यान।
- "शेयर बाजार में व्यापार" विषय पर प्रबंधन अध्ययन विभाग और अर्थशास्त्र विभाग के सहयोग से कार्यशाला आयोजित की गई थी।

रसायन विज्ञान पीठ

रसायन विज्ञान विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2013-14 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण संख्या	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	विज्ञान स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान	30	31
2.	पीएच. डी. रसायन विज्ञान	03	03

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि के क्षेत्र
1.	प्रो. ए.जे. वर्मा, आचार्य	पीएच.डी.	कार्बोहाइड्रेट पॉलिमर, पर्यावरण संरक्षी और संधारणीय रसायन विज्ञान, बायोमास
2.	डॉ. राजीव एस. मेनन सहायक आचार्य	एम. एससी., पीएच.डी.	कार्बनिक संश्लेषण, गोल्ड उत्प्रेरण, औषधीय रसायन विज्ञान
3.	डॉ. मनोज के. गुप्ता, सहायक आचार्य	एम. एससी., पीएच.डी.	संश्लेवषण क्रिया पद्धति, प्राकृतिक उत्पाद, रासायनिक जीवविज्ञान
4.	डॉ. प्रकाश कानू सहायक आचार्य	एम. एससी., पीएच.डी.	धातु कार्बनिक फ्रेमवर्क, क्रिस्टल अभियांत्रिकी, अति–अणुक रसायन विज्ञान
5.	डॉ. एजाज अंसारी सहायक आचार्य	एम. एससी., पीएच.डी.	अभिकलनात्मकक रसायन विज्ञान, कार्ब–धात्विक रसायन विज्ञान

3. सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/शोध पत्र प्रकाशित/परियोजनाओं/सहयोगात्मक अनुसंधान/पेटेन्ट/ परामर्श परियोजनाओं में भागीदारी के संबंध में

- प्रो. ए. जे. वर्माः आमंत्रित व्याख्यान–01; शोध पत्र–02; परामर्श परियोजनाएं–01
- डॉ. राजीव एस मेननः आमंत्रित व्याख्यान–04; शोध पत्र–02; परियोजनाएं: 02
- डॉ. मनोज के. गुप्ताः सेमिनार–01; शोध पत्र–02; परियोजनाएं–01
- डॉ प्रकाश कानूः सेमिनार–02; शोध पत्र–02; परियोजनाएं–01
- डॉ. एजाज अंसारीः सेमिनार–02; शोध पत्र–02; परियोजनाएं–01

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

जेआरएफ अर्हता प्राप्त : 01; गेट अर्हता प्राप्त 01

अन्य उपलब्धियाँः

- तीन छात्राएं (सुश्री त्रिष्ठा, सुश्री एकता और सुश्री हेमलता) भारतीय विज्ञान अकादमी (IAS) और जवाहरलाल नेहरु उन्नत वैज्ञानिक अनुसंधान केंद्र (JNCASR) बंगलौर द्वारा ग्रीष्मकालीन अनुसंधान फैलोशिप के लिए चयनित।

5. सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिका :

प्रो. ए.जे. वर्मा

- अधिष्ठाता, अनुसंधान और अकादमिक मामले, हरियाणा केन्द्रीय विश्वाविद्यालयय अधिष्ठाता, रसायन विज्ञान महाविद्यालय।
- मुख्य सतर्कता अधिकारी, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद और कार्यकारी परिषद, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।

डॉ. राजीव एस. मेनन

- आयोजन सचिव, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (2017), हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।

डॉ. मनोज के. गुप्ता

- आयोजन सचिव, RTEC –2106 (राष्ट्रीय सेमिनार), हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।

डॉ. एजाज अंसारी

- संपर्क अधिकारी, दिव्यांगजन एवं अन्य, पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।

6. कार्यक्रम और गतिविधियाँ

- "पारिस्थितिकी अनुकूल रसायन विज्ञान में हाल ही के रुझान (RTEC–2016)" विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार सितम्बर। 29, 2016।
- राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2017 (अन्य विज्ञान विभागों के सहयोग से) फरवरी 27–28, 2017।

कंप्यूटर विज्ञान और सूचना पीठ

कंप्यूटर विज्ञान विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2013-14 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	कंप्यूटर अनुप्रयोग स्नातकोत्तर	40	30

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि के क्षेत्र
1.	सुश्री नेहा यादव सहायक आचार्य#	प्रौद्योगिकी स्नातक, प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	मशीन अनुवाद, प्राकृतिक भाषा संस्करण
2.	सुश्री संगीता सहायक आचार्य#	प्रौद्योगिकी स्नातक, एम टेक.	डेटा संरचनाएं, वायरलेस सेंसर नेटवर्क
3.	श्री विजय कुमार सहायक आचार्य#	प्रौद्योगिकी स्नातक, प्रौद्योगिकी स्नातकोत्तर	वायरलेस सेंसर नेटवर्क

#. *अनुबंध आधार पर।*

3. सेमिनार में भागीदारी/सम्मेलन/कार्यशालाओं/शोध पत्र प्रकाशित/परियोजनाओं/सहयोगात्मक अनुसंधान/पेटेन्ट/परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

नेहा यादव

- "आकारिकीय विश्लेषण से संबद्ध अनुप्रयोग एवं उपयोग किए गए विभिन्न दृष्टिकोण," *अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकी अनुसंधान जर्नल,* ("एप्लिकेशन्स एसोसिएटेड विथ मॉर्फोलॉजिकल एनालिसिस एंड डिफरेंट अप्रोचेस यूस्ड ," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ साइंटिफिक – टेक्नोलॉजी रिसर्च) खण्ड् 6, (08), 2017.

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियांः

2016-17 में उत्तीर्ण होने वाले बैच के प्लेससमेंटः

- 02 छात्रों का प्लेसमेंट Reppify Pvt. Ltd. में किया गया।
- 01 छात्रों का प्लेसमेंट In 2IT Technologies Pvt. Ltd. में किया गया।
- 03 छात्रों का प्लेसमेंट DARCL Logistics Ltd. में किया गया।
- 02 छात्रों का प्लेसमेंट Amber Websoft Pvt. Ltd. में किया गया।

2016-17 में उत्तीर्ण होने वाले बैच की प्रशिक्षुताः

- 01 छात्र ने इसरो अहमदाबाद में 6 महीने की प्रशिक्षुता पूर्ण की।
- 03 छात्रों ने ओएनजीसी में 6 महीने की प्रशिक्षुता पूर्ण की।
- 09 छात्रों ने सी–डैक मोहाली में 6 महीने की प्रशिक्षुता पूर्ण की।
- 02 छात्रों ने Reppify Pvt. Ltd. में 6 महीने की प्रशिक्षुता पूर्ण की।

5. कार्यक्रम और गतिविधियाँ

- "भविष्य की कम्प्यूटिंग टेक्नोलॉजी" पर एक विशेषज्ञ व्याख्यान प्रो नसीब सिंह गिल, द्वारा 22 नवम्बर, 2016 को दिया गया था।
- "पायथन आरम्भिक स्तर" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया, 4 फरवरी, 2017।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2014-15 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान स्नातकोत्तर (पुस्तकालय एम. लिब. एवं इनफो साइंस)	20	11

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यताएं	रूचि के क्षेत्र
1.	डॉ. पवन के. सैनी सहायक आचार्य#	पीएच.डी., दर्शनशास्त्र स्नांतकोत्तर, पुस्तकालय विज्ञान स्नातकोत्तर, एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग में डिप्लोमा (PGDCA)	पुस्तकालय स्वचालन और पुस्तकालय प्रसूचीकरण, आइएसबी, उद्धरण विश्लेषण
2.	श्री दीपक कुमार सहायक आचार्य#	दर्शनशास्त्र स्नातकोत्तर, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान स्नातकोत्तर, मीडिया और सूचना साक्षरता एवं अंतर–सांस्कृतिक संवाद (यूनेस्को) विज्ञान स्नातकोत्तर (भूगोल)	साहित्यिक चोरी, सामाजिक मीडिया नेटवर्क का उपयोग एवं परितोषण, ग्रंथमितीय अनुसंधान

#. अनुबंध आधार पर।

3. सेमिनार में भागीदारी/सम्मे लन/कार्यशालाओं/शोध पत्र प्रकाशित/परियोजनाओं/सहयोगात्मक अनुसंधान/पेटेन्टी/परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

डॉ. पवन के. सैनी

पत्रिकाओं में प्रकाशित लेखः

- गुप्ता, विष्णु कुमार और **सैनी, पवन कुमार** "ग्रन्थर चिकित्साः चिकित्सा में चिकित्सीय सहायक" *भारतीय पुस्तकालय और सूचना विज्ञान जर्नल* ("बिब्लिओथेरपीः ए थेराप्यूटिक एडजुवेंट इन मेडिसिन, इंडियन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस) खण्ड् 08, 2017. 32–41.
- गुप्ता, विष्णु कुमार और **सैनी, पवन कुमार** "वृहत आंकड़े : एक विहंगम दृष्टि" *भारतीय पुस्तकालय और सूचना विज्ञान जर्नल*, ("बिग डाटा : ए बर्ड्स ऑय व्यू", इंडियन जर्नल ऑफ लाइब्रेरी एंड इनफार्मेशन साइंस") (Volume 2, Issue 1) January & April 2017. 75–81
- **सैनी, पवन कुमार** एवं कौशिक, सौरभ। "शारीरिक और अनुप्रयुक्त जीवन विज्ञान महाविद्यालय में स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा सामाजिक नेटवर्किंग उपकरणों का उपयोगः केन्द्रीय हरियाणा विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ का एक अध्ययन"

अंतर्राष्ट्रीय सूचना आंदोलन का जर्नल ("यूज ऑफ सोशल नेटवर्किंग टूल्स बाई पीजी स्टूडेंट्स इन स्कूल ऑफ फिजिकल एंड एप्लाइड लाइफ साइंसेजः ए स्टडी ऑफ सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरयाणा, महेंद्रगढ़". *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनफार्मेशन मूवमेंट*)

पुस्तकों में प्रकाशित शोध पत्रः

- **सैनी, पवन कुमार** और मोहन्ता, सौरव कुमार (2017)। "हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में इंटरनेट और वाई–फाई सेवाओं के उपयोग एवं प्रभावः एक मामला अध्ययन " ("यूजेस एंड इम्पैक्ट ऑफ इंटरनेट एंड वाई–फाई सर्विसेज इन द सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा, इंडियाः ए केस स्टडी")। *डिजिटल परिवेश में पुस्तकालय पेशेवरों की भूमिका।* (रोल ऑफ लाइब्रेरी प्रोफेशनल इन डिजिटल एनवायरनमेंट)
- **सैनी, पवन कुमार** और सिंह, दलीप (2016)। "बड़े पैमाने पर खुले ऑनलाइन कोर्स (MOOCs): भारत में समस्याएं, चुनौतियां और प्रभाव". ("मैसिव ओपन ऑनलाइन कोर्स (MOOCs): इश्यूज, चैलेंजेज एंड इम्पैक्ट इन इंडिया")। डिजिटल युग में पुस्तकालय प्रबंधित करना (मैनेजिंग लाइब्रेरीज इन डिजिटल ऐज)
- प्रदीप सैनी, पवन कुमार सैनी (2016)। "एसएमएस मेडिकल कॉलेज, जयपुर में चिकित्सा विज्ञान के छात्रों का ई–संसाधनों के लिए जानकारी प्राप्तिम–प्रयास व्यवहारः एक मामला अध्ययन" ("इनफार्मेशन सीकिंग बिहेवियर ऑफ मेडिकल साइंस स्टूडेंट्स फॉर इ–रिसोर्सेज एसएमएस मेडिकल कॉलेज , जयपुर : ए केस स्टडी")। " आधुनिक युग में पुस्तकालयाध्यक्षताः चुनौतियां और अवसर" ("लाइब्रेरियनशिप इन मॉडर्न एरा : चैलेंजेज एंड एपरच्युनिटीज।

व्यावसायिक संबद्धताः

- भारतीय पुस्तकालय संघ (आजीवन सदस्यता)।
- राजस्थान तकनीकी पुस्तकालय संघ (आजीवन सदस्यता)।
- हरियाणा पुस्तकालय संघ (आजीवन सदस्यता)।

श्री दीपक कुमार

- कुमार, दीपक, और नरेश कुमार "कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, भारत के शोधकर्ताओं और स्नातकोत्तर छात्रों के बीच अकादमिक संबंधी तनाव, (अकादमिक–रिलेटेड स्ट्रेस अमंग रिसर्चर्स एंड पोस्टग्रेजुएट स्टूडेंट्स ऑफ कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी, इंडिया)" सूचना आंदोलन का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल (इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंफॉरमेशन मूवमेंट) 2, (2), 2017 पृ. 87–94.

व्यावसायिक संबद्धताः

- भारतीय पुस्तकालय संघ (आजीवन सदस्यता)
- हरियाणा पुस्तकालय संघ (आजीवन सदस्यता)

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट/जेआरएफ अर्हता प्राप्त-1 रोहित

सेवा नियोजन

- सौरव कुमार मोहन्ता, (2015–2017), पुस्तकालय सहयोगी (प्रशिक्षु), आईआईएम, कोझीकोड।
- निखिल, (2015–2017), पुस्तकालयाध्यक्ष, हरियाणा पुलिस, हरियाणा सरकार।
- सुप्रिता (2015–2017), सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, माध्यमिक विद्यालय रेवाड़ी, हरियाणा।

5. कार्यक्रम और गतिविधियाँ

पुस्तकालयाध्यक्ष दिवस।

भौतिकी एवं गणितीय विज्ञान पीठ

भौतिकी विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2013-14 से आरम्भ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम	अंतर्ग्रहण संख्या	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	स्नातकोत्तर	30	29

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	अर्हता	रूचि के क्षेत्र
1.	प्रो. नवल किशोर शैक्षणिक सलाहकार#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	प्रयोगात्मक भौतिकी और पदार्थ विज्ञान
2.	डॉ. आदित्य सक्सेना सहायक आचार्य	एम.एस.सी., पीएच.डी.	ठोस अवस्थात भौतिकी और संघनित पदार्थ भौतिकी
3.	डॉ. जसवंत कुमार सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	खगोल विज्ञान और ब्रह्मांड विज्ञान (सिद्धांत)
4.	डॉ. महेश्वरी सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	पदार्थ विज्ञान और संदीप्ति,शील नैनो पदार्थ (प्रयोगात्मक)
5.	डॉ. हेमपाल सिंह सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	संघनित पदार्थ भौतिकी (सिद्धांत): उच्च तापमान अतिचालकता
6.	डॉ. अवधेश कुमार दुबे (अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अंतर्गत) सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	मृदु संघनित पदार्थ भौतिकी, गैर संतुलन सांख्यिकीय यांत्रिकी
7.	डॉ. आशीष कुमार सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	सैद्धांतिक / कम्प्यूटेशनल परमाणु भौतिकी
8.	डॉ. बबिता (अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अंतर्गत) सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	फाइबर और एकीकृत प्रकाशिकी

#. ***अनुबंध आधार पर।***

3. सेमिनार में भागीदारी/सम्मेलन/कार्यशालाओं/शोध पत्र प्रकाशित/परियोजनाओं/सहयोगात्मक अनुसंधान/पेटेन्ट/परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

- एस. धनखड़, आर. एस. कुंडु, एम. डल्टध्, एस. मुरूगवेल, आर. पुनिया, एन. किशोर. "जस्ता संशोधित बिस्सम बोरो–टेलूरेट ग्लास में विद्युत चालकता और मापांक निर्माण" ("इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी एंड मॉडुलुस फार्मूलेशन इन जिंक मॉडिफाइड बिस्मुथ बोरो दृटेल्यूंराइट कांच ग्लासेज")। *भारतीय भौतिकी का जर्नल (इंउियन जर्नल ऑफ फिजिक्सा*), 2016, 90, 1033–1040.
- कीर्ति नंदा, आर. एस. कुंडु, इंदर पाल, आर. पुनिया, एन. किशोर। "तीव्रता पैरामीटरों की सान्दर्ता पर निर्भरता एवं BaO&ZnO&B2O3 गिलासों में डुबोए गए Sm3+ ऑयनों के रेडिएटर गुण–धर्म" "कंसंट्रेशन डिपेंडेंस ऑफ इंटेंसिटी पैरामीटर्स एंड रेडिएक्टिवे प्रॉपर्टीज ऑफ Sm3+ ions MksIM bu BaO&ZnO&B2O3 ग्लारसेज" *मिश्र धातु और यौगिक के जर्नल* (जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड), 2016, 676, 521–526.
- नीलम बेरवल, सुनील धनखड़, प्रीति शर्मा, आर.एस. कुंडु, आर. पुनिया, एन. किशोर. "सिलिकेट संशोधित विस्मुट–बोरेट–टेल्यू2लाइट कांचों का भौतिक , संरचनात्मक और प्रकाशिक लक्षण वर्णन" ("फिजिकल , स्ट्रक्चरल एंड

ऑप्टिकल कैरेक्टराइजेशन ऑफ सिलिकेट मॉडिफाइड बिस्मुथ दृबोरेट टेल्यूटराइट ग्लासेज") जे. जे आण्विक संरचना, (जे. मॉलिक्यूलर स्ट्रक्चर), 2017, 1127, 636–644.

- ए. सक्सेना, एन. महाराणा और बी. राणा. "मानव हाथ का उपयोग करके ट्रिबोइलेक्ट्रिफिकेशन की विधि से विद्युत उत्पादन ("जनरेशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी बाइ द मेथड ऑफ ट्रिबोइलेक्ट्रिफिकेशन बाइ यूजिंग ह्यूमन हैंड"), हरियाण ा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का जर्नल (जर्नल ऑफ सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हरियाणा) (2016).ISSN: 2348–3377.
- हेमपाल सिंह और बी. डी. इंदु. "अतिचालक में अवरक्त अवशोषण पर अव्यवस्था और गैर– हार्मोनिकता की भूमिका" ("रोल ऑफ डिसऑर्डर एंड अन्हारमोनिसिटी ऑन इंफ्रारेड अब्सॉर्प्शन इन सुपरकंडक्टर), अनुप्रयुक्त विज्ञान में वर्तमान रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन, जे.वी. जैन कॉलेज, सहारनपुर , मार्च 18–19, 2017.

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

नेट/जेआरएफ/गेट अर्हता प्राप्तः

- वसीम उल हक (नेट जेआरएफ)
- ममता यादव (नेट जेआरएफ)
- मनीषा यादव (गेट)
- भवानी (जेईएसटी)

प्लेसमेंट/प्रगतिः

- आशीष मोदक ने गुजरात केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विद्यावाचस्पति (पीएच.डी.) में प्रवेश प्राप्त किया।
- विकास यादव ने राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय में विद्यावाचस्पति (पीएच.डी.) में प्रवेश प्राप्त किया।

5. सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

प्रो. नवल किशोर

- नवोन्मेषण केन्द्रित, कौशल, रोजगार और उद्यमिता विकास प्रकोष्ठा (CISED); एवं संयोजक, राष्ट्रीय आविष्कार अभियान क्लब, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।
- सलाहकार बोर्ड सदस्य, हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय का जर्नल (JCUH), हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय।

डॉ. आदित्य सक्सेना

- समन्वयक, दीन दयाल उपाध्याय कौशल केन्द्र, हकेंवि, 17 अगस्त, 2016 के बाद से।
- निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, हकेंवि, 17 अगस्त, 2016 के बाद से।
- अध्यक्ष, भौतिकी विभाग, हकेंवि, अक्टूबर 2015 के बाद से।
- प्रमुख संपादक, विश्वविद्यालय न्यूजलैटर–2016, हकेंवि।
- संपादक, विज्ञान खंड, विश्वविद्यालय पत्रिका अदिति–2016, हकेंवि।

डॉ. जसवंत कुमार

- सदस्य, अध्ययन बोर्ड
- IUCAA के एसोसिएट

डॉ. हेमपाल सिंह

- सदस्य, नैक (राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद) समन्वय समिति; तकनीकी समिति, कृत्रिम बुद्धि, नेटवर्किंग और सूचना प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार (ANIT 2017), बैंकॉक, थाइलैंड; सदस्य, ग्लोबल जर्नल ऑफ मल्टीडिस्सीप्लीनरी स्टडीज (GJMS) अंतर्राष्ट्रीय प्रकाशन का संपादकीय बोर्ड।

6. कार्यक्रम और गतिविधियाँ

- सामग्री प्रसंस्करण की तकनीक पर 3 दिवसीय कार्यशाला (अप्रैल 27–29, 2016) रसायन विज्ञान विभाग के साथ संयुक्त रूप से, एवं टी.ए.एस. (TAS) दिल्ली, दिल्ली विश्वविद्यालय, सेंट्रल इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (CEERI)–पिलानी, एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र (KUK के) सहयोग से आयोजित की गई।
- प्रो आर. पी. टंडन द्वारा "परमाणु, नाभिकीय और उच्च ऊर्जा भौतिकी" पर परिचयात्मक चर्चा, 25 जुलाई, 2016.
- वस्त्र और विज्ञान तकनीकी संस्थान, भिवानी के निदेशक डॉ. आर. के. अनयथ द्वारा दैनिक जीवन में प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगों पर आमंत्रित चर्चा, 19 सितम्बर, 2016।

- प्रो. विनय गुप्ता, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, दिल्ली, द्वारा जैव संवेदकों (बायो–सेंसर्स) पर चर्चा, 07 अक्तूबर, 2016.
- "हमारे ब्रह्मांड का संक्षिप्त इतिहास" विषय पर प्रो. टी. पी. शेषाद्रि, भौतिकी और खगोल विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विशेष व्याख्यान, 25 नवम्बर, 2016.

गणित विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2014-15 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित विद्यार्थियों की संख्या
1.	एम.एस.सी. (गणित) (2016–17)	30	20

2. संकाय प्रोफाइल

क्र.सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1	डॉ. विकास सिवाच सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	टोपोलॉजी या संस्थितिविज्ञान
2	डॉ. शरणजीत धवन सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी., पोस्ट डॉक्टरेट	संख्यात्मक विश्लेषण
3	डॉ. अरुण काजला सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	सन्निकटन सिद्धांत

#. *अनुबंध आधार पर।*

3. सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रकाशित शोध पत्रों में भागीदारी के बारे में

डॉ. अरुण काजला

- अरुण काजला और सेरकन अरसी, "पोल्या–एगेनबर्गर वितरण पर आधारित स्टैंकु–कांतोरोविच ऑपरेटरों द्वारा सम्मिश्रण प्रकार का सन्निकटन", ओपन फिजिक्स, 15(2017), 335–343
- अरुण काजला, 'मिहेसन–डरमेयर प्रकार के कुछ ऑपरेटरों का प्रत्यक्ष अनुमान', एडवांस ऑपरेशन थ्योरी, 2(2017) 162–178
- अरुण काजला, 'संकलन–समाकल प्रकार के ऑपरेटरों के लिए अनुमान', खय्याम जे. मैथ, 3(2017), 45–61

डॉ. विकास सिवाच

- एस.विकास, पी. माडेती, 'आर्फ इनवरिएएंट एंड ट्रिवायलाइजिंग नंबर पर', समकालीन गणित, जिल्द संख्या 670 (2016), 345–367

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

एनईटी/जेआरएफ/गेट की अर्हता प्राप्त

- ओम प्रकाश मीणा (2015–2017) (गेट–2016)
- संदीप शर्मा (2014–2016) (नेट जेआरएफ–2016)

सेवा नियोजन

- दीपिका (2014–2016) वायु सेना–फ्लाइंग अधिकारी
- पूजा यादव (2014–2016) पीजीटी (केवीएस)

5. कार्यक्रम और गतिविधियाँ

- प्रो. डी.एस. हुड्डा, जीजेयूएसटी, हिसार, हरियाणा ने दिनांक 14–15 सितंबर, 2016 को "भारतीय विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षा संस्थानों में अनुसंधान और नवाचार को बढ़ावा देना", "गणित का शैक्षिक और सांस्कृतिक मूल्य" और "भारत में सांख्यिकी शिक्षा" पर विस्तारित व्याख्यान दिए।
- प्रो. कुलदीप बंसल, जीजेयूएसटी, हिसार ने 7 अक्टूबर, 2016 को "इंटीग्रल ट्रांसफॉर्म और इसका अनुप्रयोग" और 23 मार्च, 2017 को "अनिरंतर और निरंतर वितरण" पर विस्तृत व्याख्यान दिए।

सांख्यिकी विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2013-14 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित विद्यार्थियों की संख्या
1.	स्नातकोत्तर	15	12

2. संकाय प्रोफाइल

क्र.सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. अनिल गौर सहायक आचार्य	एम.एस.सी., पीएच. डी. (सांख्यिकी)	गैरपैरामेटिक सांख्यिकीय अनुमान
2.	डॉ. कपिल कुमार सहायक आचार्य	एम.एस.सी., पीएच. डी. (सांख्यिकी)	विश्वसनीयता जीवन परीक्षण
3.	डॉ. मनोज कुमार सहायक आचार्य	एम.एस.सी., पीएच. डी. (सांख्यिकी)	बायेशियन इंटरफेस
4.	डॉ. देवेन्द्र कुमार सहायक आचार्य	एम.एस.सी., पीएच. डी. (सांख्यिकी)	वितरण का सिद्धांत, क्रम सांख्यिकी

3. सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/प्रकाशित शोध पत्रों/परियोजनाओं में भाग लेने के बारे में

डॉ. अनिल गौड़

सम्मेलन/सेमिनार

- 17–20 दिसम्बर, 2016 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ, में ओपटीमाइजेशन और सांख्यिकी पर आठवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

परियोजना

- यू.जी.सी. द्वारा क्रमित और अम्ब्रेला अल्टरनेटिव के विरुद्ध लोकेशन पैरामीटर्स की एकरूपता के परीक्षण के लिए गैर–पैरामीट्रिक टेस्ट' शीर्षक वाली परियोजना प्रदान की गई; राशिः 10,00,000/– अवधिः 3 वर्ष

डॉ. कपिल कुमार

सम्मेलन/सेमिनार

- 11–13 फरवरी 2017 को एमडी विश्वविद्यालय, रोहतक में, सांख्यिकी और तकनीक का ओपटीमाइजेशन पर राष्ट्रीय सम्मलेन में 'यादृच्छिक नियंत्रण के अंतर्गत लॉग–लॉजिस्टिक वितरण में अनुमान' पर एक पत्र प्रस्तुत किया।
- 17–19 दिसम्बर 2016 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 'व्युत्क्रम वेइबुल वितरण को यादृच्छिक रूप से नियंत्रित करना' पर सांख्यिकी और ओपटीमाइजेशन पर आठवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के साथ–साथ इंडियन सोसायटी फॉर प्रोबैबेलिटी एंड स्टेटिस्टिक्स (आईएसपीएस) की 36वे वार्षिक सम्मेलन में पत्र प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

- गर्ग आर, दुबे एम., कुमार के और कृष्णा एच (2016)। 'यादृच्छिक रूप से नियंत्रित सामान्यीकृत व्युत्क्रम घातीय वितरण'। अमेरिकन जर्नल ऑफ मैथमेटिकल एंड मैनेजमेंट साइंस। टेलर और फ्रांसिस। 35(4), पृ. 361–379

डॉ. मनोज कुमार

प्रकाशन

- कुमार, डी. और कुमार, एम. (2017), "एक्सपोनेंटिएटेड पारेटो टाइप I वितरण और संबद्ध अनुमान से रिकॉर्ड मान" आदर्श सहायक सांख्यिकी और अनुप्रयोग (स्वीकृत)
- कुमार, डी. कुमार, एम.सरन, जे.जैन, एन. और (2017), "उच्चतर रिकॉर्ड मानों पर आधारित द कुमारस्वामी–बर III वितरण," अमेरिकन जर्नल ऑफ मैथमैटिकल एंड मैनेजमेंट साइंसेस (स्वीकृत)

सम्मेलन

- 15–16 अक्टूबर 2016 को बी.के. बिड़ला इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, राजस्थान, भारत में अभिकलनात्मक गणित और संचालन अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 17–20 दिसम्बर 2016 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़, में ओपटीमाइजेशन और सांख्यिकी पर आठवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- 18–20 जनवरी 2017 में भारत में संधारणीय विकास के जनसांख्यिकीय आयामों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, श्याम संस्थान भोपाल।

डॉ. देवेन्द्र कुमार

सम्मेलन/सेमिनार

- 15–16 अक्टूबर 2016, बी.के. बिड़ला इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी संस्थान, पिलानी, राजस्थान में भारत में संकलनात्मक गणित और परिचालन अनुसंधान पर राष्ट्रीय सम्मेलन।
- 17–20 दिसम्बर 2016 को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में ओपटीमाइजेशन और सांख्यिकी पर आठवीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
- 18–20 जनवरी 2017 में भारत में संधारणीय विकास के जनसांख्यिकीय आयामों पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, श्याम संस्थान भोपाल।

शोध पत्र

- कुमार डी. और डे.एस. (2017), "क्रम सांख्यिकी के आधार पर पॉवर जनरलाइज्ड वेइबुल वितरण", जर्नल ऑफ स्टेटिस्टिक्स रिसर्च (स्वीकृत)
- कुमार डी. और कुमार एम. (2017), "एक्सपोएंनिएटेड पारेटो टाइप 1 वितरण और संबद्ध इंटरफेस से रिकॉर्ड किए गए मान," मॉडल असिस्टेड सांख्यिकी और अनुप्रयोग। (स्वीकृत)
- कुमार डी., सरन जे., जैन एन. और (2017), "एक्सपोनेंटीएटेड बर्र 12वीं वितरणः निम्नतर रिकॉर्ड मानों आधारित आघूर्ण और आकलन," श्रीलंकन जर्नल ऑफ एप्लाइड स्टेटिस्टिक्स (स्वीकृत)
- कुमार डी. (2017), "कुछ सांख्यिकीय गुणों के साथ बर्र प्रकार का बारहवां वितरण", डेटा एनल्स एंड डेटा साइंसेज (स्वीकृत)
- डे. एस. नासर, एम. और कुमार, डी. (2017), "अल्फा लॉगरिदमिक ट्रांसफॉर्म फॅमिली ऑफ डिस्ट्रीब्यूशन," एनल्स ऑफ डेटा साइंसेज। (स्वीकृत)
- कुमार डी., कुमार एम., सरन जे., जैन एन. (2017), "उच्चतक रिकॉर्ड मानों पर आधारित द कुमारस्वामी–बर्र 3 डिस्ट्रीब्यूशन", अमेरिकी गणितीय और प्रबंधन विज्ञान जर्नल। (स्वीकृत)
- कुमार डी. (2017), "सिंह–मडाला वितरणः गुण और अनुमान," इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टम एस्योरेंस इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट। (स्वीकृत)
- कुमार डी., डे. एस. मलिक, एमआर और अल–अबौद, एफ. एम. (2017), "kth न्यूनतम रिकॉर्ड मान पर आधारित एक्सपोनेंशियल जियोमेट्रिक वितरण के आघूर्ण पैदा करने वाले प्रकार्य," जर्नल ऑफ मॉडर्न एप्लाइड स्टेटिस्टिकल मेथड्स (स्वीकृत)
- कुमार डी. (2017), "निम्न सामान्यीकृत क्रम सांख्यिकी पर आधारित दागुम डिस्ट्रीब्यूशन का संबंध", एप्लाइड मैथमैटिक्स और इंफॉर्मेटिक्स जर्नल (स्वीकृत)
- कुमार डी. और फारूकी, एम.एस. (2017), "सामान्यीकृत क्रम सांख्यिकी पर आधारित टाइप 1 सामान्यीकृत हाफ लोजिस्टिक डिस्ट्रीब्यूशन", *कृषि और सांख्यिकी विज्ञान का अंतर्राष्ट्रीय जर्नल*, 13, 337–344।
- डे डी., अलजात्रेह ए., झांग सी. और कुमार डी. (2017), "ओजोन डेटा के अनुप्रयोग के साथ सामान्यीकृत घातीय वितरण का एक नया विस्तार," *ओजोनः विज्ञान और इंजीनियरिंग*, 39, 273–285।
- कुमार डी., शाहबाज, एम.ए. और डे एस. (2016), "सामान्य क्रम सांख्यिकी पर आधारित सामान्यीकृत पारेटो वितरण के मापनों और अनुमानों के परिमाण का पुनरावृत्ति संबंध," *जर्नल ऑफ एप्लाइड स्टेटिस्टिकल साइंस*, 22–1–18।
- कुमार डी. (2017), " क्रमित यादृच्छिक चर पर आधारित द बिवैरिएट पारेटो मॉडल," *गणितीय विज्ञान और अनुप्रयोग ई–नोट्स*, 4, 79–90

पृथ्वी, पर्यावरण एवं अंतरिक्ष अध्ययन पीठ

पर्यावरण विज्ञान विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2014-15 से आरंभ)

1. विद्यार्थियों के नामांकन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित विद्यार्थियों की संख्या
1.	स्नातकोत्तर	30	29

2. संकाय प्रोफाइल

क्र.सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1	डॉ. मोना शर्मा सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	जैव ईंधन, जैवहाइड्रोजन, अपशिष्ट शोधन और शैवाल के उपयोग से कार्बन स्ववियोजन
2	डॉ. मनोज कुमार सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	जलभूरसायन विज्ञान, जैवभूरसायन विज्ञान, पर्यावरण प्रदूषण और स्वास्थ्य जोखिम का आकलन
3	डॉ. सोमवीर बजाड़ सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	जैवोपचारण, प्रदूषण निगरानी और नियंत्रण, जैव ऊर्जा, ग्रीनहाउस गैसों में कमी
4.	डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय सहायक आचार्य#	एम.एस.सी., पीएच.डी.	वायुमंडलीय विज्ञान, रिमोट सेंसिंग और जीआईएस, जलवायुविज्ञान और मौसम विज्ञान, पर्यावरण मॉडलिंग, एयरोसोल और वायु गुणवत्ता, शहरी जलवायु

#. अनुबंध आधार पर।

3. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशाला/प्रकाशित शोध पत्रों/परियोजनाओं/सहयोगी शोधों में भागीदारी के बारे में

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाएंः

डॉ. मोना शर्मा

- 16–17 मार्च 2017, गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारा, दिल्ली में आयोजित "जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और संधारणीयता रणनीतियों" पर एक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- ऑल इंडिया रेडियो, रोहतक, हरियाणा से, विश्व पर्यावरण दिवस 2017 के अवसर पर सीधे प्रसारण हेतु "पर्यावरण संरक्षण में महिलाओं का योगदान" विषय पर एक विशेषज्ञ के रूप में भागीदारी।

डॉ. सोमवीर बजाड़

- 16–17 मार्च 2017, नई दिल्ली के गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के पर्यावरण प्रबंधन स्कूल में आयोजित "जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिरता रणनीतियां (सीसीआरसीएएसएस–2017)" पर राष्ट्रीय सम्मलेन में प्रस्तुत पत्र
- 16–18 फरवरी 2017 को गुरु जम्भेश्वर विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित 'पर्यावरण विज्ञान और अभियांत्रिकी के उभरते क्षेत्र (ईएईएसई–2017)' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मलेन में पत्र प्रस्तुति।

प्रकाशन

प्रकाशनों की कुल संख्या : 13
शोध लेख : 6
किताबों के अध्याय : 7

शोध आलेख

डॉ. मोना शर्मा

- मोहन, वी., बंसल, डी., मोना, एस. (2017) "होटल उद्योग में अपशिष्ट और कटौती प्रबंधन" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड एप्लीकेशन (स्वीकृत)

- दीपक, बी., निधि, वाय, मुनीश, बी., बिश्नोई, एन.आर., 'मोना, एस. (2017) "पर्यावरणीय रूप से संधारमी; विनिर्माण हेतु कार्बन फूटप्रिंट कम करने के लिए एक ऑटो अनुषंगी इकाई में ऊर्जा प्रबंधन प्रथाएं" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग रिसर्च एंड एप्लीकेशन 7(7): 20–25

डॉ. मनोज कुमार

कुमार एम. (2016)। "भारत में भूजल आर्सेनिक प्रदूषण और स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव," हाइड्रोजियोलॉजी जर्नल 25(4); 1165–1181 (डी10. 1007/एस10040–017–1556–6).

डॉ. सोमवीर बजाड़

- सिंह, ए, बजाड़, एस., और बिश्नोई, नरसी आर. (2017). "सक्रोमरिसस सीरीविसिया द्वारा एथेनॉल उत्पादन के लिए भौतिक–रासायनिक पूर्वउपचार और कपास के डंठल का एंजाइमी जल–अपघटन" *बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी* 244: 71–77.
- बजाड़, एस, सिंह, ए, कौशिक, सी.पी. कौशिक, ए, (2017). "अवस्तर और तापमान के पारस्परिक प्रभाव के अंतर्गत मीथेन जैव–ऑक्सीकरण को बढ़ने के लिए कचरे के मैदान की मिट्टी की उपयुक्तता का सांख्यिकीय आकलन" अपशिष्ट प्रबंधन 63: 188–195

डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय

- भारद्वाज, पी.पाण्डेय, ए.के., कुमार, के. जैन, वी.के. (2017). ग्रीष्मकाल के दौरान दिल्ली–एनसीआर में एयरोसोल ऑप्टिकल गहराई और सौर प्रदीपन में स्थानीय भिन्नता। वर्तमान विश्व पर्यावरण 12(2)

पुस्तक के अध्याय

डॉ. मोना शर्मा

- मोना, एस. कुमार, वी., कौशिक, ए. (2017). स्प्रिंगर इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए औद्योगिक अपशिष्टों का जैव उपचार में "औद्योगिक अपशिष्ट जल के उपचार के लिए पर्यावरण–अनुकूल उपकरण के रूप में सयानोबैक्टीरिया" (स्वीकृत)
- *मोना, एस. कौशिक, ए (2017). बायोहाइड्रोजन उत्पादनः वर्तमान तकनीक की संधारणीयता और भावी परिप्रेक्ष्य में "बायोहाइड्रोजन अर्थव्यवस्थाः वर्तमान परिदृश्य और भावी परिप्रेक्ष्य," प्रकाशकः **स्प्रिंगर साइंस** + **बिजनेस मीडिया** और संपादकः डॉ. अनूप सिंह और डॉ. धीरज राठौर पृ. 253–267)
- कौशिक ए., **मोना, एस** (2017) बायोहाइड्रोजन उत्पादनः वर्तमान तकनीक की संधारणीयता और भावी परिप्रेक्ष्य में "साइनोबैक्टीरिया और ग्रीन शैवाल का बायोहाइड्रोजन उत्पादन मार्गों का दोहनः एक औद्योगिक दृष्टिकोण,"प्रकाशकः **स्प्रिंगर साइंस** + **बिजनेस मीडिया** और एडिटरः डॉ. अनूप सिंह और डॉ. धीरज राठौर पृ. 97–113)।
- यादव, एन. त्यागी, जी. यादव, आर, '**मोना (2017)**. जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और संधारणीयता रणनीतियों में "विषाक्त पदार्थों को हटाने में माइक्रोबियल एक्सोपोलेक्सीकराइड की भूमिका" प्रकाशकः डीबीएच प्रकाशक और वितरक, नई दिल्ली और संपादकः अनुभा कौशिक, जेके गर्ग, पी. भट्टाचार्य, एन सी गुप्ता, रीता सिंह और वरुण जोशी पृ. 110–113
- ***मोना एस, बंसल डी. (2016)**। सूक्ष्मजीवः संधारणीयता के साधन, "पर्यावरण प्रबंधन में सूक्ष्मजीवी अनुप्रयोग" प्रकाशकः बिशेन सिंह महेंद्र पाल सिंह, देहरादून और संपादकः निशा रानी, माधवी जोशी और आनंद सागर पृ. 27–44।

डॉ. मनोज कुमार

- कुमार एम. यादव, ए. रामनाथन, ए.एल. (2017) स्प्रिन्गर इंटरनेशनल द्वारा प्रकाशित पर्यावरण सुरक्षा के लिए औद्योगिक अपशिष्ट के जैव उपचारण में "पर्यावरण में आर्सेनिक का संदूषण, पर्यावरण–विषाक्तीय और स्वास्थ्य प्रभाव एवं इसकी निराविषीकरण हेतु जैवउचारीकरण रणनीतियां,"। (स्वीकृत)

डॉ. सोमवीर बजाड़

- एस. बजाड़, ए. सिंह, सीपी कौशिक और ए कौशिक, (2016)। • 'सॉ डस्ट अमेंडेड डंपसाईट साइल बायोकवर के प्रयोग से मीथेन जैव–ऑक्सीकरण की जांच करने के लिए महत्वपूर्ण कारकों की चुनिंदा स्क्रीनिंग' जलवायु परिवर्तन, संसाधन संरक्षण और स्थिर रणनीतियां (संपा. कौशिक ए. गर्ग, जेके. भट्टाचार्य, पी.गुप्ता, एन.सी.सिंह, आर. और जोशी, वी.) डीबीएच प्रकाशन और डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियांः

नेट/जेआरएफ/गेट की अर्हता प्राप्तः नेटः 1; जेआरएफः 2;

सेवा नियोजन

- अजय ठाकुर, जम्मू की शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, जम्मू
- विक्रम सिंह, वीबीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बसई
- सुमित कुमार, इंटरनेशनल पेनैसिया लिमिटेड, झारखण्ड
- रंजित गुप्ता, राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय में जेआरएफ की अर्हता प्राप्त और पीएचडी जारी
- खालिदा परवीन, जेआरएफ की अर्हता प्राप्त और पीएच.डी जारी

अन्य उपलब्धियांः

- ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण के लिए विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों में एमएससी के चयनित छात्र जैसे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (एनईईआरआई), भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी), पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, विज्ञान और पर्यावरण केंद्र (सीएसई), एसपीसीबी, एनसीआरआई, इको–केयर आदि।

6. कार्यक्रम और गतिविधियांः

- "विश्व जल दिवस–2017", 22 मार्च 2017 के अवसर पर प्रोफेसर मनोज के पंडित, भूविज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के विस्तारित व्याख्या का आयोजन किया।
- दिनांक 13 फरवरी 2017 को जलमंच के सहयोग से 'तलबः भारतीय सभ्यता का केंद्र बिंदु' पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया।
- 22 दिसम्बर 2016 को श्री राजेश कौशिक, अधिवक्ता द्वारा "जल संसाधन संरक्षण" पर कानूनी साक्षरता व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- "विश्व पर्यावरण सप्ताह – 30 मई 2015 से 05 जून 2016 तक हकेंवि में मनाया गया। क्विज, पोस्टर, स्लोगन लेखन, और अपशिष्ट से संसाधन और फोटोग्राफी जैसी प्रतियोगिताओं आयोजन किया गया था। विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने और सुग्रहिता बनाने के लिए प्रो डी.के. शर्मा, आई.आई.टी., दिल्ली द्वारा "जैवविविधता संरक्षण" पर एक व्याख्यान भी दिया गया था।

भूगोल विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2014-15 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित विद्यार्थियों की संख्या
1.	एम.एससी., (भूगोल)	30	225

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि / विशेषज्ञता का क्षेत्र
1.	डॉ. खेराज सहायक आचार्य#	एम.ए., एम.फिल., पीएच.डी.	जनसंख्या अध्ययन, वृद्धावस्था, प्रवासन, पर्यावरण, सामाजिक सुरक्षा
2.	डॉ. नरेश कुमार वर्मा सहायक आचार्य#	एम.ए.,एम.फिल., पीएच.डी.	राजनीतिक भूगोल, भूगोल में मात्रात्मक तकनीक, मानचित्रण

#. अनुबंध आधार पर।

3. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी/प्रकाशित शोध पत्र/परियोजनाओं/सहयोगी अनुसंधान / पेटेंट/परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

डॉ. खेराज

- शोधपत्र प्रस्तुत कियाः राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिक्षा विभाग, सीयूएच में "हरियाणा में विकलांग वृद्धजनों की सामाजिक–आर्थिक और स्वास्थ्य स्थितिः महेंद्रगढ़ का प्रकरण अध्ययन", 28 फरवरी 2017।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- नेट/जेआरएफ/गेट उत्तीर्णः एक छात्र ने नेट–जेआरएफ उत्तीर्ण किया।

5. विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में संकाय का योगदानः

डॉ. खेराज

- भूगोल विभाग के प्रभारी अध्यापक, सीयूएच

डॉ. नरेश कुमार वर्मा

- विश्व विज्ञान अकादमी, अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी, यूएसए की वैज्ञानिक और तकनीकी समिति और संपादकीय समीक्षा मंडल के सदस्य।

6. कार्यक्रम और गतिविधियां

- प्रोफेसर मिलाप चंद शर्मा, सीएसआरडी / एसएसएस, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा *"जलवायु परिवर्तनः एक भौगोलिक परिप्रेक्ष्य"* पर व्याख्यान, 22 अप्रैल 2016।
- प्रोफेसर एम.एस. नथावत, एसओएस–भूगोल, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा *"जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए पर्यावरण संबंधी ज्ञानः भूस्थानिक प्रौद्योगिकियां एकीकृत करने में समस्याएं"* पर व्याख्यान, 28 अप्रैल, 2016।
- प्रोफेसर एच.एस. यादव, भूगोल विभाग, बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल द्वारा *"भारतीय अर्थव्यवस्था में समकालीन मुद्दे"* पर अतिथि व्याख्यान, 17 मार्च, 2017।

पत्रकारिता, जनसंचार एवं मीडिया पीठ

पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2014-15 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	एमजेएमसी	20	17

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. रचना सहायक आचार्य#	एम.ए., एम. फिल., पीएच.डी.	सामुदायिक रेडियो, जनसंपर्क, मीडिया अनुसंधान
2	डॉ. पंकज कुमार सहायक आचार्य#	एम.ए., एम. फिल., पीएच.डी.	संचार अनुसंधान, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया
3	श्री नवीन कुमार सहायक आचार्य#	एम.ए.	इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और प्रौद्योगिकी

*#. **अनुबंध आधार पर।***

3. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- हिंदी पखवाड़ा समारोह के दौरान हिंदी निबंध लेखन में रंजन कुमार द्वारा प्रथम पुरस्कार।
- "युवाओं पर रियल्टी शो का प्रभाव" पर बहस में रंजन कुमार द्वारा द्वितीय पुरस्कार।
- सीयूएच के कला और सांस्कृतिक समूह द्वारा आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में गौरव शर्मा द्वारा प्रथम पुरस्कार।
- मीडिया फेस्ट 2016 में चितकारा विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित सेल्फी प्रतियोगिता में शुभम भारती द्वारा द्वितीय पुरस्कार।
- सीयूएच समाचार और वृत्तचित्र/लघु फिल्म जैसे नोटबंदी और मा; प्रथा; और आंखें

4. कार्यक्रम और गतिविधियांः

- विश्व रेडियो दिवस
- *आजादी की अनथक राहें* पर चित्रकला प्रतियोगिता

अंतर-विषयी एवं अनुप्रयुक्त जीवन विज्ञान पीठ

जैवरसायन विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2015-16 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	एम.एस.सी	15	14

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. संजय कुमार सहायक आचार्य#	एम.एससी., पीएच.डी.	जैवचिकित्सा् अभियांत्रिकी
2.	डॉ. विकास यादव सहायक आचार्य#	एम.एससी., पीएच.डी.	आणविक और कोशिकीय जीवविज्ञान

#. ***अनुबंध आधार पर।***

3. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी/प्रकाशित शोध पत्र/परियोजनाओं/सहयोगी अनुसंधान/पेटेंट/परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

डॉ. संजय कुमार

शोध पत्र

- संजय कुमार "मस्तिष्क कैंसर ग्लायोमास में पी.53 और एचआईसीआई।" *जर्नल ऑफ हेडेक एंड पेन मैनेजमेंट* (संपादकीय)। 2016
- संजय कुमार और मीनल वैद्य "अवआक्सिया एचआईएफ1 अल्फा" निर्भर पी27 के नियमन के माध्यम से मेसेन्काइमल स्टेदम कोशिका प्रसार अवरूद्ध करता है।" *मोल सेल बायोकैम* 2016य 415 (1–2): 29–38। डीओआई 10.1007 / एस11010–016–2674–5 पीएमआईडीः 26920732
- नीरा परमार, सरोज दहिया, संजय कुमार "विभिन्न प्रसंस्करण विधियों के दौरान नवीनतम विमोचित गेहूं की किस्मों के फाइटेट सामग्री में परिवर्तन" *जर्नल ऑफ न्युट्रीशन एंड फूड साइंसेज।* 2017
- अविजित प्रमानिक एवं संजय कुमार "ऑलिगोमेरिक मेम्बरेन प्रोटीन–डिटर्जेंट कॉम्प्लेक्स के आणविक द्रव्यमान निर्धारण की बाधाएं और क्या हासिल किया जा सकता है।" *बायोलॉजिकल सिस्ट्म्स* 2016; 5: 2

डॉ. विकास यादव

शोध पत्र

- यादव विकास, हिमांशी, टुटेजा एन, यादव पूजा "जी क्वाड्रुप्लेक्सः सर्वव्यापी नियामक तत्व और उनकी जैविक प्रासंगिकता"। *फ्रंटियर्स इन प्लांट साइंस*। 2017; 8: 1–8।
- सोपारीवाला डी, यादव विकास, बैडिन पीएम, शेठ एम, लोर्का एस, वीला आई, किम ईआर टोंग क्यू, सांग एमएस, रॉडनी जी, नरकर वीए "दीर्घकालिक पीजीसी1 बीटा अतिअभिव्यक्ति से एपोपटोसिस, ऑटोफेगी और मांसपेशी की बर्बादी होती है।" साइंटिफिक रिपोर्ट. 2017। (मुद्रणालय में)
- डॉ. विकास यादव ने आईआईएसईआर पुणे में 4 से 7 जनवरी, 2017 तक आयोजित 6वें रामलिंगास्वामी सम्मेलन में भाग लिया।

जैवप्रौद्योगिकी विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2015-16 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	एम.एस.सी	15	13

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. कश्यप कुमार दुबे सह–प्राध्यापक	एम.एससी., पीएच.डी.	जैवप्रक्रम अभियांत्रिकी
2.	डॉ. ऋषि गुप्ता सहायक आचार्य#	एम.एससी., पीएच.डी.	लिग्नोसुल्लोसिक जैवप्रौद्योगिकी और जैवएथनॉल उत्पादन
3.	डॉ. मीनू गोयल सहायक आचार्य#	एम.एससी., पीएच.डी.	पादप जैव प्रौद्योगिकी, जीनोमिक्स, अजैव तनाव प्रबंधन
4.	डॉ. रोहित कुमार सिंह सहायक आचार्य#	एम.एससी., पीएच.डी.	संरचनात्मक जीवविज्ञान

#. ***अनुबंध आधार पर।***

3. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी/प्रकाशित शोध पत्र/परियोजनाओं/सहयोगी अनुसंधान/पेटेंट/परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

डॉ. कश्यप कुमार दुबे

शोध पत्र

- दुबे कश्यप कुमार, पी. लाबरू, एन. ई., और शुक्ला पी. (2017)। "कोल्चीसाइन की जैवचिकित्सकीय संभाव्यता और क्रियाविधि।" *क्रिटिकल रिव्यू इन बायोटेक्नोलोजी,* 1–10।
- कुमार, पी. और दुबे, कश्यप कुमार (2017) "पैलेट में स्ट्रेप्टोमायसेस ट्रॉक्जीट्रिसिनी का मायसेलियम रूपान्तरणः कल्चर स्थिति और बलगति विज्ञान की भूमिका।" *बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी* https://doi.org/10.1016/j.biortec.2017.01.002
- बनर्जी सी, दुबे कश्यप कुमार और शुक्ला पी. (2016) "सूक्ष्म शैवाल आधारित जैवईंधन उत्पादन की उपापचय अभियांत्रिकीः संभावनाएं और चुनौतियां" *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी* http://dxr.doi.org/10.3389/fmicb.2016.00432
- पी. कुमार और कश्यप कुमार दुबे (2016)। "स्ट्रेप्टोमाइसेस टॉक्जीट्राइसिनी में मध्यम अभियांत्रिकी के माध्यम से लिपस्टेटिन उत्पादन बढ़ाने के लिए फैटी अम्ल के उपापचय और ट्राईकार्बोक्सिलिक अम्ल चक्र का मॉड्यूलन"। *बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी।* डीओआईः 10.1016 / 10.1016 / j.biortec.2016.01.133।
- सैफ खान, अरशद जावेद, कश्यप कुमार दुबे, मोहम्मद वाहिद, महविश खान, शफीउल हक (2016)। "वांछित मेटाबोलाइट की सुरक्षित और कुशल पुनः प्राप्ति के लिए निष्कर्षण प्रणाली के घटकों का व्यवरूद्ध एजोट्रोपिक ओपटीमाइजेशन (उदाहरण, 3–डिमीथाइलेटेड कॉलीसाइन)" *आरएससी एडवांसेज*। 10.1039 / c5ra26608d।
- सुनील ढींगरा, अरोड़ा जी, और कश्यप कुमार दुबे (2016)। "संकर आनुवंशिक अल्गोरिदम का उपयोग कर जट्रोफा, करंज, महुआ और पोलोंगा आधारित जैवडीजल इंजन का तुलनात्मक प्रदर्शन विश्लेषण।" *जर्नल ऑफ रिन्युएबल एंड सस्टेनेबल एनर्जी* 8 (1), 013103।
- जी भूषण, एस धींगरा और कश्यप कुमार दुबे (2016)। "संशोधित आनुवंशिक अल्गोरिदम का उपयोग करके करंज तेल आधारित जैवडीजल इंजन का प्रदर्शन मूल्यांकन" *वर्ल्ड एकेडमी ऑफ साइंस, इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल, एयरोस्पेस, इंडस्ट्रियल, मेकाट्रोनिक एंड मैन्युफैक्चरिंग इंजीनियरिंग*। 10 (8) 1528–1531।

- एस धींगरा, जी भूषण, और कश्यप कुमार दुबे (2016)। "ट्रांस एस्ट्रिफिकेशन प्रक्रम द्वारा सूरजमुखी के अपशिष्ट खाद्य तेल आधारित जैव ईंधन उत्पादन का वैधीकरण और संवर्धन।" *एनर्जी रिसोर्सेज, पार्ट एः रिकवरी, युटीलाइजेशन एंड एनवॉयरमेंटल एफेक्ट्स।* संस्करण 38 (10) 1448–1454।
- एस.के. यादव, पी. सिंह, दुबे, कश्यप कुमार, और बी.पी. सिंह (2016) "लागत प्रभावी प्रोटीज उत्पादन के लिए बैसिलस लाइकेनीफॉर्मिस एसके7 का संयुक्त म्यूटाजेनिक संवर्धन"। एशियन जर्नल ऑफ बायोसाइंस 11 (1), 1 9–94।
- अमनदीप कौर, दुबे, कश्यप कुमार, और जे.एन. चक्रवर्ती (2016) "सिकुड़न प्रतिरोध के लिए ऊन की एन्जाइमेटिक कार्यात्मकता।" जे. ऑफ नेचुरल फाइबर http://dxm.doi.org/10.1080 /15440478. 2015.1043686।

पुस्तकों में अध्याय

- डी कुमार, और कश्यप कुमार दुबे (2016)। "अध्याय 8 अपने ट्युमर विरोधी क्रियाकलापों के प्रति बेटुलिन जैवरूपान्तरण।" *माइक्रोबियल बायोटेक्नोमलॉजीः एन इंटरडिसिप्लनरी एप्रोच,* 263–286।

संगोष्ठी/सम्मेलन में भागीदारी

- गुवाहाटी विश्वविद्यालय असम में भारतीय सूक्ष्मीजीववैज्ञानिक संघ (एएमआई –2016) का वार्षिक सम्मेलन 24–27 नवंबर 2016।
- जेएनयू, नई दिल्ली में बीआरएसआई वार्षिक सम्मलेन, आईसीएसईपीएम–2016, 11–13 दिसंबर 2016।

परियोजनाएं

- अस्पताल के अपशिष्ट जल में एंटीनियोपलास्टिक यौगिकों का उन्मूलन लक्षित करनाः संधारणीय उपचार में नवीन मोर्चे (डीबीटी–अईएनएनओ इन्डिगो कार्यक्रम, यूरोपीय संघ से अनुदानित) (2015–2018)
- सीओक्यू 10 की पैदावार बढ़ाने के लिए युबीआईए का स्थल निर्देशित म्युटाजेनेसिसः डीबीटी, भारत सरकार। (2016–2018)

डॉ. ऋषि गुप्ता

शोध पत्र

- पाल, एस., जॉय, एस., कुंभार, पी., त्रिमूख, के.डी., गुप्ता, आर., कुहाड़, आर.सी., वर्मा, ए., शंकर, एस. (2016)। "भाप विस्फोट और खनिज अम्ल, कार्बनिक अम्ल, और मिश्रित अम्ल से गन्ने की खोई का पथप्रदर्शक पैमाने पर पूर्वोपचारः सहक्रियाएं, एंजाइमेटिक जलअपघटन दक्षताएं, और संरचना–आकृति विज्ञान सहसंबंध।" *बायोमास कन्वर्जन और बायोरिफाइनरी*। डीओआईः 10.1007 /13399–016–0220-!
- चक्रवर्ती, एस., गुप्ता, आर., जैन, के.के., कुहाड़, आर.सी. (2016)। "एससीएफ के अंधीन ट्रायकोडर्मा एसपी आरसीके 65 से सेलूलोज जलअपघटनकारी एंजाइमों का लागत प्रभावी उत्पादन और सेलुलोजिक सबस्ट्रेट्स के शर्करीकरण में इसका मूल्यांकन। "*बायोप्रोसेस एंड बायोसिस्टम्स इंजीनियरिंग*।
- शुक्ला, आर., कुमार, एम., चक्रवर्ती, एस., गुप्ता आर., कुमार एस., साहू, डी., कुहाड़, आर.सी. (2016)। "ग्रैसिलेरिया वेर्रुकोसा के अपशिष्ट शैवाल जैवभार से जैवएथनॉल के उत्पादन की प्रक्रिया का विकास।" *बायोरिसोर्स टेक्नॉल्जी।*
- एमखीज, टी., एमथेम्बु, एल.डी., गुप्ता, आर., कौर, ए., कुहाड़, आर.सी., रेड्डी, पी., दीनदायाल एन. (2016)। "अम्ल / क्षार पूर्वोपचारित, मिल–चलित, और डेपीथेड गन्ने की खोई का एंजाइमेटिक शर्करीकरण।" *बायोरिसोर्सेज*। 11.3. 6267–628।

पुस्तकें / पुस्तकों में अध्याय

- चक्रवर्ती, एस, गुप्ता, आर, जैन, के.के., हेमांसी, गौतम, एस और कुहाड़ आर.सी. (2016)। माइक्रोबियल जैवप्रोद्योगिकी और जैवअभियांत्रिकी में नवीन और भावी विकास में "सेलुलेजः शराब और मद्यनिर्माण उद्योग में अनुप्रयोग।" (संपादक) गुप्ता वी.के. एल्जवियर, यूएसए। http://dx.doi.org/10.1016/B978-0-444-63507-5.00017-4

डॉ. मीनू गोयल

शोध पत्र

- कुमार प्रदीप, गोयल एम., बूरा के.एस. और ढिल्लन एस (2016) "गेहूं के किस्मों में तापीय–सहिष्णुता के लिए अद्वितिय युग्म विकल्पी का आणविक लक्षण वर्णन और पहचान" *रोमानियन बायोटेक्नॉल्जी लेटर्स*। (स्वीकृत)

पुस्तकों में अध्याय

- गोयल एम., सीतु, कुमार पी. और सिंगला ए. (2017)। एन. कुमार, पी. चावला, आर. कौशिक और डी.के. चतंता

(संस्करण), *मानव स्वास्थ्य और पोषण* (पृ.167–183) में "दवा की खोज के लिए अनुरूपता मॉडलिंगः बेहतर स्वास्थ्य के प्रति इन सिलिको दृष्टिकोण।" चंडीगढ़, भारतः ज्ञानकोश पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रिब्यूटर्स

डॉ. रोहित कुमार सिंह

शोध पत्र

- रोहित के. सिंह, ईशा राज, राजेश पुजारी और समुद्रला गौरीनाथ "लाइसिन द्वारा टाइप III 3–फॉस्फोग्लिसरेट डिहाइड्रोजिनेज प्रकट उत्प्रेरण की क्रिस्टल संरचना एंव बलगति विज्ञान।" एफईबीएस 281, 5498,512
- रोहित के. सिंह, मोहित मजूमदार, भूमिका शर्मा और समुद्रला गौरीनाथ "संरचनात्मक अन्वेषण और ट्राकोमोनास वैजिनिएलिस से फॉस्फोसेरिन एमिनोट्रांसफेरेज पर हेलाइड की निरोधात्मक अभिक्रिया।" *बायोकेमीका एट बायोफिजिका एक्टा* (बीबीए) – जनरल सटजेक्ट्स0 1860 (2016) 1508–1518।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

सीएसआईआर-नेट (एलएस) 1; डीबीटी-जेआरएफः 1

एक छात्र एनआईपीआरआर, नई दिल्ली से पीएच.डी. कर रहा है
अन्य उपलब्धियांः विसाका कार्यक्रम में भागीदारी

5. विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में संकाय का योगदान

- 28 फरवरी 2017 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया और जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने सक्रिय रूप से विभिन्न गतिविधियों में भागीदारी की।
- 2016 में एमएचआरडी के विसाका कार्यक्रम में भागदारी की।
- 2016 में स्थापित एएमआई–सीयूयूएच इकाई।

6. कार्यक्रम और गतिविधियां

- "संधरणीय विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी" पर सम्मेलन, 5–6 अगस्त, 2016।
- "जीएनआर–जन्म दिवस समारोह" पर विशेष व्याख्यान, 8 अक्टूबर, 2016।
- विभाग ने "माइक्रोबियल जैवप्रौद्योगिकी" पर जीआईएएन पाठ्यक्रम का आयोजन किया, 19–3 दिसम्बर 2016।
- जनवरी 2017 से शुः आंतरिक संकाय सदस्यों की एसआईएएस व्याख्यान श्रृंखला।

7. सहयोग

- एफसीटी और आईबीईटी, पुर्तगाल
- यूनिवर्सिटी ऑफ कैथोलिक डी लाउवेन, बेल्जियम
- राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्गापुर, पश्चिम बंगाल।

सूक्ष्म जीवविज्ञान विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2015-16 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	एम.एससी., (सूक्ष्म जीवविज्ञान)	15	13
2.	पीएच. डी. (सूक्ष्म जीवविज्ञान)	4	4

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ अविजित प्रमाणिक सहायक आचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	साइडरोफोर, झिल्ली परिवहन प्रणाली

2.	डॉ पूजा यादव सहायक आचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	पोषक–रोगजनक अंतरक्रिया, जीनोम अस्थिरता
3.	डॉ जितेंद्र सैनी सहायक आचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	किण्वन, जैव ईंधन
4.	डॉ विनोद यादव सहायक आचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	सिग्नल ट्रांसडक्शन, इम्यूनो मॉड्यूलेशन

3. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी/प्रकाशित शोध पत्र/परियोजनाओं/सहयोगी अनुसंधान/पेटेंट/ परामर्श परियोजनाओं के संबंध में

डॉ. अविजित प्रमाणिक

परियोजनाएं

- डीएसटी–एसईआरबी द्वारा "अतिरिक्त लक्षण वर्णन और उपयोग के लिए विब्रियो अल्गिनोलाइटिकस से साइडरोफोर जैवसंश्लेषक जीन क्लस्टर की पहचान और क्लोनिंग और ई. कोलाई में साइडरोफोर की विषमजातीय अभिव्यक्ति" नामक बड़ी शोध परियोजना (रु 30 लाख) प्रदान की गई।
- यूजीसी द्वारा "जैवनियंत्रण एजेंट के रूप में विकास के लिए पादप रोगजनक कवक बायोपोलारिस ओरीजे और बायोपोलारिस शोरोकियाना दमनकारी जीवाणिवक विकृति का पृथक्करण और लक्षण वर्णन" नामक बड़ी शोध परियोजना (10 लाख) प्रदान की गई।

प्रकाशन

- दीक्षा शर्मा, अविजित प्रमानिक, पवन कुमार अग्रवाल "क्युप्रेसेस टोरूलोसा डी. डॉन की पत्तियों से अलग किए गए एंडॉफाइटिक कवक से जैवसक्रिय द्वितीयक चयापचयों का मूल्यांकन।" 3 बायोटेक 2016. 6: 210–224। 3 द्वारा उद्धृत प्रभावकारकः 1.361।
- अविजित प्रमानिक, संजय कुमार "ऑलिगोमेरिक मम्बयरेन प्रोटीन–डिटर्जेंट कॉम्प्लेक्स के आण्विक द्रव्यमान निर्माण में बाधाएं और क्या हासिल किया जा सकता है।" बायोलॉजिकल सिस्टम्सः ओपन एक्सेस। 2016: 5: ई 114।

सम्मेलन

- 24–27 नवंबर 2016 के दौरान गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में भरतीय सूक्ष्मजीववैज्ञानिक संघ के 57वें वार्षिक सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में मौखिक प्रस्तुति के साथ भाग लिया।

डॉ. पूजा यादव

परियोजना

- डीएसटी–एसईआरबी द्वारा "हेलिकोबैक्टर पाइलोरी में जी4 डीएनए की पहचान और कार्यात्मक लक्षण वर्णनः एक नूतन चिकित्सीय लक्ष्य" नामक बड़ी शोध परियोजना (रु 40 लाख) प्रदान की गई।

संगोष्ठी

- 24–27 नवंबर 2016 के दौरान गुवाहटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी में भारतीय सूक्ष्मजीववैज्ञानिक संघ के 57वें वार्षिक सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में युवा महिला वैज्ञानिक श्रेणी के अंतर्गत मौखिक प्रस्तुति।

डॉ. जितेंद्र कुमार सैनी

परियोजना

- तीन वर्ष (2017–2020) की अवधि के लिए विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी), डीएसटी द्वारा कुल रू. 50,60,000/– के वित्तपोषण से "लागत प्रभावी दूसरी पीढ़ी के जैवएथनॉल उत्पादन के लिए खमीर में तापीय और अवरोधक तनाव सहिष्णुता में सुधार लानाः एक अनुकूलक विकास आधारित दृष्टिकोण" नामक एक बड़ी शोध परियोजना मंजूर की गई।

प्रकाशन

समीक्षा पत्र

- **जितेंद्र कुमार सैनी,** अनिल कुमार पटेल, मुकुंद अदसुल, रीता रानी सिंघानिया (2016)। "लिग्निन पर सेलुलोज अवशोषणः जैवभा के आर्थिक जलअपघटन में बाधा," **रिन्युएबल एनर्जी,** 98, 29–42, http://dx.doi.org/10.1016/j.renene.2016.03.089। 3 द्वारा उद्धृत प्रभाव कारकः 4.3572।

पुस्तकों में अध्याय

- आलोक स्टेलवाल', जितेंद्र कुमार सैनी', रुची अग्रवाल, अंशु माथुर, दीपक तुली और मुकुंद अदसुल (2017)। भारतीय जैव ईंधन प्रगति, जैव ईंधन द्वारा जीएचजी उत्सर्जन और जीएचजी बचतः विश्व के साथ तुलनात्मक आकलन। सस्टेनेबल बायोफ्युल्स डेवलपमेंट इन इंडिया (पृ. 541–557)। स्प्रिंगर इंटरनेशनल पब्लिशिंग
- भारतीय सूक्ष्ममजीववैज्ञानिक संघ–सीयूएच इकाई की कार्यकारी समिति के सदस्य।.

डॉ. विनोद यादव

प्रकाशन

- टीकमचंद डाकल, अनु कुमार, रीता एस. मजूमदार, और विनोद यादव, "सिल्वर के नैनोकणों की रोगाणुरोधी क्रियाओं का मेकानिस्टिक," फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी, 2016।.

डॉ. ऋषिकेश शुक्ला, पोस्ट डॉक्टोरल फेलो

- "फसलों के सह–उत्पादों का उपयोग करके एरिथ्रीटोल के उत्पादन के लिए लागत प्रभावी रणनीति" नामक परियोजना के अतर्गत यूजीसी के डॉ. डी.एस. कोठारी पोस्ट–डॉक्टोरल फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- 24–27 नवंबर, 2016 के दौरान गुवाहाटी विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, भारत में आयोजित आणविक सूक्ष्मजीवविज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी में सूक्ष्मजीववैज्ञानिक संघ, भारत के 57वें वार्षिक सम्मेलन और अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

प्रकाशन

- **ऋषिकेश शुक्ला**, मनोज कुमार, सुभोजित चक्रवर्ती, ऋषि गुप्ता, सवीन्द्रम कुमार दीनबंधु साहू और रमेश चन्द्र कुहाड (2016) "ग्रैसिलेरिया वेर्रुकोसा के अपशिष्ट शैवाल जैवभार से जैवएथनॉल के उत्पादन की प्रक्रिया का विकास।" *बायोरिसोर्स टेक्नॉल्जी*, 220, 584–589। (आईएफः 4.494)

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- जेएनयू, नई दिल्ली और आईआईटी इंदौर में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण, 2016
- छात्रों ने हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह के दौरान विज्ञान मॉडल प्रस्तुत किया, 2017।
- 2016 के दौरान निकट के गांवों में सफाई और रक्त दान जैसे एनएसएस कार्यक्रमों में भाग लिया।

5. विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में संकाय का योगदान

- डॉ. पूजा यादव ने एनआईटी, कुरुक्षेत्र में नाबार्ड संगोष्ठी में विभाग का प्रतिनिधित्व किया।
- डॉ. विनोद यादव ने मुरथल, सोनीपत, हरियाणा में एचएआईसी एकीकृत मशरूम अनुसंधान और विकास केंद्र में का प्रतिनिधित्व किया।

6. कार्यक्रम और गतिविधियां

- विभाग ने 8–9 सितंबर, 2016 के दौरान "मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सूक्ष्मजीव" नामक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।
- 24 अक्टूबर, 2016 को सीयूएच में भारतीय सूक्ष्मजीववैज्ञानिक संघ, (एएमआई) इकाई की स्थापना।

पोषण जीवविज्ञान विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2015-16 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1.	एम.एससी. (पोषण जीवविज्ञान)	15	12

2. संकाय प्रोफाइल

क्र. सं.	नाम	योग्यता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. अश्वनी कुमार सहायक आचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	खाद्य जैव प्रौद्योगिकी
2.	डॉ. सविता बुधवार सहायक आचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	खाद्य और पोषण
3.	डॉ. तेजपाल ढेवा सहायक आचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	खाद्य सूक्ष्मजीवविज्ञान
4.	डॉ. अनीता कुमारी सहायक आचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	खाद्य और पोषण

3. संगोष्ठी/सम्मेलन/कार्यशालाओं में भागीदारी/प्रकाशित शोध पत्र/परियोजनाओं के संबंध में

डॉ. अश्वनी कुमार

संगोष्ठी जिनमें भाग लियाः

- विश्वविद्यालय में ''मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सूक्ष्मजीव (एमएचएचई–2016)'' पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 8–9 सितंबर 2016।
- विश्वविद्यालय में "संधारणीय विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी (बीएसडी–2016)" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 4–5 अगस्त, 2016।

शोध पत्रः

- यादव ए.के., त्यागी ए., अश्वनी कुमार, पंवार एस., बातिश वी.के., सक्लानी ए.सी., हेमलता आर., ग्रोवर एस. (2017) "लैक्टोबैसिली का आसंजन और उनकी संक्रामकता रोधी क्षमता।" *क्रिटिकल रिब्युज इन फूड साइंस एड न्युट्रीशन*। 57 (10), 2042–2056 डोआईः 10.1080 / 10408398.2014.918533।
- कनूप्रिया एम.एस.य कुमार आर., पंवार एस.य अश्विनी कुमार (2017) "माइक्रोबियल क्षारीय प्रोटीजेसः उत्पादन मापदंडों और उनके गुणधर्मों का अनुकूलन।" *जर्नल ऑफ जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बॉयोटेक्नॉल्जी* (कड़ी में प्रकाशित) डीओआईःhttp://dx. doi.org/10.1016/j.jgeb.2017.02.001
- कुमार आर., कौर जे., जैन, एस., अश्विनी कुमार (2016)। "प्रयोग तकनीक के डिजाइन द्वारा एस्परगिलस फ्लेवेस से लाइकेज उत्पादन का आपेटीमाइजेशनः आंशिक शुद्धि और लक्षण वर्णन" *जर्नल ऑफ जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बॉयोटेक्नॉल्जी*, 14 (1), 125–131। डीओआईः http://dx.doi.org/10.1016/j.jgeb.2016.05.006

पुस्तक में अध्यायः

- जैन एस., अश्विनी कुमार, ढेवा टी., पंवार एस., मजूमदार एस. (2017) *कृषि के लिए संधारणीय जैविक प्रणालियां, नैनो प्रौद्योगिकी, जैव उर्वरक, अपशिष्ट जल और कृषि मशीनों में उभरती समस्याएं* में "कृषि में नैनो प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगः एक समीक्षाः अवधारणाएं, पहलू, संभावनाएं और बाधाएं''।
- जैन एस., पंवार एस., अश्विनी कुमार, ढेवा टी. (2017) *कृषि के लिए संधारणीय जैविक प्रणालियां, नैनो प्रौद्योगिकी, जैव उर्वरक, अपशिष्ट जल और कृषि मशीनों में उभरती समस्याएं* में पोस्ट ट्रांसलेशनल मॉडिफिकेशन में बायोइन्फॉर्मेटिक एडवांसमेंट्स (पीटीएम): एक प्रायोगिक दृष्टिकोण।
- जैन एस., पंवार एस., अश्विनी कुमार (2017)। *मौलिक प्रयुक्त बायोइनफॉर्मेटिक्सः छात्रों के लिए प्रारंभकर्ता मार्गदर्शिका* में "ईएमबीएल डेटाबेस और टूलः एक संक्षिप्त विवरण।" जॉन विले एंड संस इंक, 111 रिवर स्ट्रीट, होबोकन, न्यूजीलैंड, 07030

डॉ. सविता बुधवार

संगोष्ठी

- विश्वविद्यालय में "मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सूक्ष्मीजीव (एमएचएचई–2016)" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 8–9 सितंबर, 2016।
- विश्वविद्यालय में "संधारणीय विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी (बीएसडी–2016)" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 4–5 अगस्त 2016 ।

शोध पत्रः

- कत्याल पी, बूरा पी., बुधवार एस. (2016)। "हरियाणा के रोहतक जिले के स्कूल जाने वाले छात्रों (7–9 वर्ष) में कुपोषण।" 3 (7): 89–93.

डॉ. तेजपाल ढेवा

संगोष्ठी

- विश्वविद्यालय में "मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सूक्ष्मीजीव (एमएचएचई–2016)" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 8–9 सितंबर, 2016।
- विश्वविद्यालय में "संधारणीय विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी (बीएसडी–2016)" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 4–5 अगस्त 201 ।

शोध पत्र

- दहिया, डी.के., रेणुका, पुनिया, एम., शांडिल्य, यू.के., ढेवा, टी., कुमार, एन., शुक्ला, पी। (2017) "गट माइक्रोबायोटा मॉड्यूलन और प्रीबायटिक रेशों और प्रोबायोटिक्स का उपयोग कर मोटापे के साथ इसका संबंध एक समीक्षा।" *फ्रंटियर्स इन माइक्रोबायोलॉजी,* 8, 563। Http:// doi.org/10.3389/fmcb.2017.00563
- कुमार एन., पुरी एन., मारोट्टा एफ., ढेवा टी., कैलाब्रो एस., पुनिया एम., कार्टर जे. (2017) "दुर्बलताः आहार कारणों पर विशेष ध्यान के साथ इसके कारण, रोकथाम और नियंत्रण के साथ महामारी।" *फंक्शनल फूड्स इन हेल्थस एंड डिजीजय* 7 (1): 1–16।
- कुमार ए, मजूमदार आर.एस., ढेवा टी. (2017) "वायोला सर्पेन्स के निष्कर्षण का उपयोग करके सिल्वुर नैनोकणों का जैविक संश्लेषण।" *एशिया पैसिफिक जर्नल ऑफ ट्रॉपिकल डिजीज;* 6 (3): 930– 933।

पुस्तक में अध्याय

- जैन एस., अश्विनी कुमार, ढेवा टी., पंवार एस., मजूमदार एस. (2017) *कृषि के लिए संधारणीय जैविक प्रणालियां, नैनो प्रौद्योगिकी, जैव उर्वरक, अपशिष्ट जल और कृषि मशीनों में उभरती समस्याएं* में "कृषि में नैनो प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोगः एक समीक्षाः अवधारणाएं, पहलू, संभावनाएं और बाधाएं''।
- जैन एस., पंवार एस., अश्विनी कुमार, ढेवा टी. (2017) *कृषि के लिए संधारणीय जैविक प्रणालियां, नैनो प्रौद्योगिकी, जैव उर्वरक, अपशिष्ट जल और कृषि मशीनों में उभरती समस्याएं* में पोस्ट ट्रांसलेशनल मॉडिफिकेशन में बायोइन्फॉर्मेटिक एडवांसमेंट्स (पीटीएम): एक प्रायोगिक दृष्टिकोण।

परियोजनाएं

- पीआई के रूप में "हरियाणा और राजस्थान के मूल्य वर्धित पारंपरिक ग्रामीण किण्वित डेयरी खाद्य पदार्थों के माध्यम से कुपोषण समाप्त करना"।

विस्तार व्याख्यान

- 29 अगस्त 2016 को सीईसी, आईयूएसी परिसर, नई दिल्ली में डॉ तेजपाल ढेवा ने "खाद्य संरक्षण की रासायनिक विधि" विषय पर व्याख्यान दिया (03: 15–04: 15 अपराह्न)।
- 1 जुलाई, 2016 को सीईसी, आईयूएसी कैंपस, नई दिल्ली में डॉ तेजपाल ढेवा ने "विकिरण के माध्यम से खाद्य पदार्थों का संरक्षण" विषय पर लाइव व्याख्यान दिया (03: 15–04: 15 अपराह्न)।

डॉ. अनीता कुमारी

संगोष्ठी

- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, महेन्द्रगढ़ में "मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के लिए सूक्ष्मजीव (एमएचएचई–2016)" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 8–9 सितंबर, 2016।

- हरियाणा केन्द्रीय विश्वविद्यालय, महेंद्रगढ़ में "संधारणीय विकास के लिए जैव प्रौद्योगिकी (बीएसडी–2016)" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 4–5 अगस्त 2016।

शोध पत्र

- कुमारी ए., वाई.एस. धालीवाल। "कैंथ (पायरस सेरोटिना) आधारित कार्यात्माक खाद्य पदार्थों का निर्माण और भंडारण के दौरान परिवर्तन।" *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ नेचुरल एंड एप्लाइड साइंसेज* 2016. 3 (11): 59–70।
- कुमारी ए., वाई.एस. धालीवाल। "मूल्य वर्धित उत्पादों में कैफल (मायरीका एस्कुलेन्टम) फल का उपयोग और उनकी भण्डारण स्थिरता।" *इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ नेचुरल एंड एप्लाइड साइंसेज* 2016. 3 (4): 47–58 14।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- ईसीआर श्रेणी के अंतर्गत, एसईआरबी / डीएसटी (भारत सरकार)प्रायोजित एक परियोजना, **हरियाणा और राजस्थान के मूल्य वर्धित पारंपरिक ग्रामीण किण्वित डेयरी खाद्य पदार्थों के माध्यम से सूक्ष्म पोषक तत्वों का कुपोषण समाप्त करना**, प्रदान की गई।

5. विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में संकाय का योगदानः

डॉ. अश्वनी कुमार

- प्रभारी, पोषण जीवविज्ञान विभाग
- पुस्तकालय समिति, संस्थागत जैवसुरक्षा समिति, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के विसाका अभियान में योगदान दिया।

डॉ. तेजपाल ढेवा

- सदस्यः पुस्तकालय समिति, एमएचआरडी के विसाका अभियान में योगदान दिया, छात्र परामर्शदाता।।

डॉ. सविता बुधवार

- सदस्यः एमएचआरडी के विसाका अभियान में योगदान दिया, छात्र परामर्शदाता।

6. कार्यक्रम और गतिविधियां

- राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का आयोजन, 1–7 सितंबर, 2016.
- "पोषण से संबंधित प्रचलित स्वास्थ्य समस्याओं और उनके उपचार'' पर एक दिवसीय कार्यशाला", 6 सितंबर 2016.
- "पोषण जीवविज्ञान अनुसंधान में विश्लेषणात्मक उपकरणों के अनुप्रयोग" पर दो–दिवसीय कार्यशाला, 14–15 सितंबर 2016
- छात्रों ने सीयूएच में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता और पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता में भाग लिया और पुरस्कार जीता, 27–28 फरवरी 2017।

दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र

(शैक्षणिक सत्र 2015-16 से आरंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नीमांकित छात्रों की संख्या
1.	स्नातक (व्यावसायिक) रिटेल और लॉजिस्टिक प्रबंधन	50	44
2.	स्नातक (व्यावसायिक) बायोमेडिकल साइंसेज	50	42
3.	स्नातक (व्यावसायिक) औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन	50	41

2. संकाय प्रोफाइल

क्र.सं.	संकाय का नाम	अर्हता	रूचि का क्षेत्र
1.	डॉ. आदित्य सक्सेना, सह–आचार्य	एम.एससी., पीएच.डी.	सॉलिड स्टेट फिजिक्स और कंडेंस्ड मैटर फिजिक्स
2.	डॉ. सुषमा सहायक आचार्य#	एम.एससी., पीएच.डी.	अपशिष्ट जल उपचार
3.	डॉ. नवरिंदर कौर सहायक आचार्य#	एम.एससी., पीएच.डी.	बायोमेडिकल साइंस
4.	डॉ. सुयश मिश्र सहायक आचार्य#	एमबीए., पीएच.डी.	प्रबंधन

#. *अनुबंध आधार पर।*

3. सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/प्रकाशित शोध पेपर/परियोजनाओं/पेटेंट/परामर्श परियोजनाओं में भाग लेने से संबंधितं

डॉ. आदित्य सक्सेना, समन्वयक, दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र

- ए. सक्सेना, एन. महाराणा और बी. राणा 'मानवीय हाथों के प्रयोग से ट्रिबोविद्युतीकरण की विधि द्वारा विद्युत् उत्पादन', हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय का जर्नल, (2016) आईआईएसएन 2348–3377.

डॉ. सुषमा, सहायक आचार्य स्नातक (व्यावसायिक) - औद्योगिक अपशिष्ट प्रबंधन

- *जर्नल ऑफ क्लीनर प्रोडक्शन* में प्रकाशित पेपर "उत्प्रेरक आद्र वायु ऑक्सीकरण और जैविक प्रक्रियाओं के युग्मन द्वारा पिरीडीन युक्त औद्योगिक कार्बनिक रेफिनेट एवं इसके व्युत्पन्नों का उपचार" दिनांक doi: 10.1016//j. jclepro2017.06.066,

डॉ. नवरिंदर कौर, सहायक आचार्य, स्नातक (व्यवसायिक) स्नातक (व्यवसायिक) बायोमेडिकल साइंस

- कमरान एमजेड, रंजन ए, कौर एन, सुर एस, टंडन वी. 'रेडियोप्रोटेक्टिव एजेंट्सः रणनीतियां और अंतरण प्रगति' 36 (3): Med Res Rev- 2016 अप्रैल; 36(3)रू 461–93
- *चूहों की फियोक्रोमोसाइटोमा कोशिकाओं में हाईपोक्सिया प्रेरित तंत्रिका शोध पर पिपेरिन और काप्सैसिन का प्रभाव* को युवा वैज्ञानिक परियोजना के अतर्गत विज्ञान और अभियांत्रिकी अनुसंधान बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा प्रदान की गयी राशिः 43.8 लाख रु., फरवरी 2016

डॉ. सुयश मिश्रा, सहायक आचार्य, स्नातक (व्यावसायिक), रिटेल और लॉजिस्टिक प्रबंधन

- *'भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकों में सेवा की गुणवत्ता के आयामों की जांच, ग्राहक संतुष्टि और कॉर्पोरेट छवि': संरचनात्मक समीकरण मॉडल का एक अनुप्रयोग*, नाम से प्रकाशित पेपर। *विजन : जर्नल ऑफ विजनेस पर्सपेक्टिव* (सेज) संस्करण 21 क्रमांक 1, 2017, 1–10 के साथ जारी दिनांक 10.1177 è0972262916681256
- रेफर्ड जर्नल इंफुल्जन्स में प्रकाशित पेपर "खरीददारों की संतुष्टि पर मॉल के अवगमी महत्व का प्रभावः भारत के एनसीआर के मॉल खरीददारों का मामला" जिल्द 15, अंक 1, जनवरी–जून 2017 आईएसएसएनः 0972–8058

4. विद्यार्थी के योगदान और उनकी उपलब्धियांः

- कौशलों के आमने–सामने (सीधे) वितरण हेतु डीडीयू कौशल केंद्र के अंतर्गत नामांकित सभी विद्यार्थियों के लिए विभिन्न औद्योगिक दौरे का आयोजन किया गया क्योंकि औद्योगिक दौरे औद्योगिक माहौल को करीब से जानने तथा उद्योगों से अन्योन्य क्रिया (इंटरैक्टशन) का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती हैं। विभिन्न क्षेत्रों में छात्रों को कार्यात्मक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा औद्योगिक दौरों का आयोजन किया गया। पढ़ाई से आगे जाने के उद्देश्य के साथ, कामकाज की दुनिया का एक व्यावहारिक परिप्रेक्ष्य प्रदान करने हेतु स्नातक (व्यावसायिक) रिटेल और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन के छात्रों के लिए विभिन्न मॉल, जैसे एम्बिएंस मॉल, सेंट्रल मॉल और सहारा मॉल, गुरुग्राम का औद्योगिक दौरा भी आयोजित किया गया। इसने अंतःक्रिया के माध्यम से व्यावहारिक रूप से सीखने का अवसर प्रदान करने के साथ–साथ उन्हें रिटेल उद्योग से वस्तुतः रूबरु होने का मौका भी प्राप्त हुआ।

- स्नातक (व्यावसायिक) रिटेल और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन ने, एचएआईसी एग्रो रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर, मुरथल में स्नातक (व्यावसायिक) के छात्रों के लिए विशेष चार–दिवसीय मशरूम उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, प्रो. आर. सी. कुहाड़ ने अधिक लाभ कमाने हेतु नई कृषि पद्धति को अपनाने के लिए छात्रों और किसानों को प्रोत्साहित किया और दवा के रूप में मशरूम के महत्व को भी वर्णित किया।
- कुछ छात्रों को बिग मिर्ची ओवरसीज और रीलॉप्स सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों में नियुक्ति का प्रस्ताव भी मिला।

नियुक्तियांः 2 (प्रस्ताव पत्र)

खेलों में उपलब्धियांः

क्रम	पाठ्यक्रम	नाम	अनुक्रमांक	खेल का विवरण	भागीदारी का स्तर
1	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	प्रीतम	6729	वॉलीबॉल	राष्ट्रीय
2	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	दीपक	6724	कबड्डी	राष्ट्रीय
3	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	मनोज	6700	कबड्डी	राष्ट्रीय
4	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	कुलदीप	6704	शॉट पुट थ्रो	राष्ट्रीय
5	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	कुलदीप	6319	वॉलीबॉल	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
6	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	योगेश	9325	कबड्डी	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
7	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	प्रीतम	6765	वॉलीबॉल	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
8	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	सतवीर	6774	वॉलीबॉल	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
9	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	विक्रम	6772	खो–खो	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
10	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	सोमवीर	6781	कबड्डी	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
11	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	पंकज	9669	दौड़ (100 मी.)	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
12	स्नातक (व्यावसायिक) आरएलएम	हेमंत	6775	वॉलीबॉल	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
13	स्नातक (व्यावसायिक–आईडब्लूएम	दिनेश	6780	कबड्डी	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
14	स्नातक (व्यावसायिक)–बीएमएस	दिनेश	6740	वॉलीबॉल	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय
15	स्नातक (व्यावसायिक)–बीएमएस	सतवीर	6747	वॉलीबॉल	अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय

5. सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

डॉ. आदित्य सक्सेना

- निदेशक, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय, 17.08.2016 से अब तक
- प्रधान–संपादक, विश्वविद्यालय न्यूजलैटर–2016, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
- संपादक, विज्ञान विभाग, यूनिवर्सिटी मैग्जीन अदिति –2016, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
- संयोजक, विश्वविद्यालय शोध–पत्र समिति – 2016, और ऑनलाइन प्रवेश समिति – 2016, सीयूएच
- सदस्य, शैक्षणिक परिषद, हकेंवि (अक्टूबर 2015 से)
- परीक्षा नियंत्रक, सेमेस्टर अंत परीक्षा (जून 2016 और दिसंबर 2016, भौतिकी विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय
- अध्यक्ष, हकेंवि, (अक्टूबर 2015 से)

डॉ. सुयश मिश्रा

- सदस्य –दीन दयाल उपाध्याय कौशल केंद्र की अध्ययन समिति; और नैक 2016–17 एसएसआर समिति

6. कार्यक्रम और गतिविधियां

- स्नातक (व्यवसाय) के छात्रों के लिए विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित औद्योगिक दौरे। रिटेल क्षेत्र में छात्रों को कार्यात्मक अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से रिटेल और लॉजिस्टिक्स प्रबंधन।

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी पीठ

मुद्रण एवं पैकेजिंग विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2016-2017 से आरंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	बी.टेक.	60	09

2. संकाय प्रोफाइल

क्र.सं.	नाम	अर्हता	रूचि का क्षेत्र
1	श्री तरुण सिंह सहायक आचार्य#	एम.टेक.	मुद्रण और पैकेजिंग

#. *अनुबंध आधार पर।*

3. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- 7–11, 2016 दिसम्बर, श्री प्रशांत वर्मा द्वारा आईआईएसएफ फेस्ट भ्रमण।
- वित्तीय साक्षरता अभियान (विसाका–डिजिटल कैशलेस इकोनॉमी प्रोग्राम) में छात्रों द्वारा स्वयंसेवा।
- श्री रवि कुमार ने सीसीएस विश्वविद्यालय, मेरठ, में 22 नवंबर, 2016 को आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय क्रिकेट टूर्नामेंट में भाग लिया।

4. सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

श्री तरुण सिंह,

- सदस्य–नैक दौरे के दौरान आतिथ्य समिति और दीक्षांत समारोह की प्रिंट सामग्री के लिए प्रिंटिंग समिति

5. कार्यक्रम और गतिविधियां

- बीटेक ओरिएंटेशन प्रोग्राम, 19 सितंबर, 2016।

सिविल अभियांत्रिकी विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2016-17 से आरंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	बी.टेक.	60	52

2. अन्य उपलब्धियां

- दिसम्बर 7–11, 2016 में रवि कुमार, यश सैन, हशीत संघी, गितेश, दिनेश, सोनू चौधरी, रोहित और विक्रांत द्वारा आईआईएसएफ फेस्ट भ्रमण।
- श्री शिवम और श्री सुमित सोनी ने भाषा, भाषा विज्ञान, संस्कृति और विरासत स्कूल द्वारा आयोजित चित्रकारी प्रतियोगिता में भाग लिया।
- श्री शिवम ने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता में भाग लिया।

3. कार्यक्रम और गतिविधियां

- बीटेक ओरिएंटेशन प्रोग्राम, 19 सितंबर, 2016.

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2016-17 से प्रारंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	बी.टेक.	60	52

2. संकाय प्रोफाइल

क्र.सं.	नाम	अर्हता	रूचि का क्षेत्र
1	सुश्री संगीता सहायक आचार्य#	एम. टेक.	अनुशंसित प्रणाली, क्लाउड कंप्यूटिंग
2	सुश्री एकता कुमारी सहायक आचार्य#	एम. टेक.	क्लाउड कंप्यूटिंग, एलॉगरिथम

#. *अनुबंध आधार पर।*

3. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

अन्य उप्लाब्धियां

- पीयूष, दीपक यादव, नमन, कृष्ण कांत, निखिल, हिमांशु गुप्ता द्वारा आईआईएसएफ फेस्ट भ्रमण, 7–11 दिसंबर, 2016
- वित्तीय साक्षरता अभियान (डिजिटल कैशलेस इकोनॉमी प्रोग्राम) में छात्रों द्वारा स्वयं सेवा।

4. सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

- सुश्री संगीताः सदस्य, नैक दौरे के दौरान लॉजिस्टिक और अतिथि गृह समिति; एसओई एंड टी की खरीद समिति की सदस्य

5. कार्यक्रम और गतिविधियाँ

- बीटेक ओरिएंटेशन प्रोग्राम, 19 सितंबर, 2016.

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग

(शैक्षणिक सत्र 2016-17 से आरंभ)

1. विद्यार्थियों का नामांकन

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	अंतर्ग्रहण	नामांकित छात्रों की संख्या
1	बी.टेक.	60	42

2. संकाय प्रोफाइल

क्र.सं.	नाम	रूचि का क्षेत्र	
1	डॉ. मुनीश मानस सहायक आचार्य#	पीएच.डी.	एचआरईएस आधारित माइक्रोग्रिड डिजाइन और अनुकूलन
2	श्री राजेश सैनी सहायक आचार्य#	एम. टेक.	नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियां

#. *अनुबंध आधार पर।*

3. सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं/प्रकाशित शोध पत्रों/परियोजनाओं/सहयोगी अनुसंधान/पेटेंट/परामर्श परियोजनाओं में भाग लेने के संबंध में

डॉ. मुनीश मानस

शोध पत्र

- प्रवीण तिवारी, **मुनीश मानस** एट अल, "दक्षिण–एशियाई परिप्रेक्ष्य में संकर अक्षय ऊर्जा स्रोतों वाले माइक्रोग्रिड के विकास का तकनीकी–आर्थिक विश्लेषण", *स्मार्ट ग्रिड्स और संधारणीय ऊर्जा,* स्प्रिंगर इंक, जिल्द 2, अंक 10, पीपी 1–16, 2017 (डीओआईः 10.1007/एस 04866–017–0026–5)
- बी. सहारिया और **मुनीश मानस**, "भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र के पृथक समुदाय के लिए अनुप्रयुक्त फोटोवोल्टिक पवन हाइब्रिड स्टैंडअलोन डिस्ट्रीब्यूटेड जनरेशन आधारित प्रणाली का व्यवहार्यता विश्लेषण", *डिस्ट्रीब्यूटेड जेनरेशन एंड अल्टरनेटिव एनर्जी* जर्नल, एससीआई टेलर और फ्रांसिस इंक, जिल्द 32, अंक 1, पीपी 49–80 • जनवरी 2017
- **मुनीश मानस**, "पार्टिकल स्वर्म ओपटीमाइजेशन का उपयोग कर डीसी माइक्रो–ग्रिड के लिए वितरित जनरेशन आधारित शंकर नवीकरणीय ऊर्जा प्रणाली का ओपटीमाइजेशन", *डिस्ट्रीब्यूटेड जेनरेशन एंड अल्टरनेटिव एनर्जी जर्नल,* एससीआई, टेलर और फ्रांसिस इंक। प्रकाशन हेतु स्वीकृत।
- बर्नम ज्योति सहारिया, **मुनीश मानस** और बानी कांता तालुकदार, "फोटोवोल्टिक एमपीपी ट्रैकर्स का तुलनात्मक मूल्यांकनः एक सिमुलेटेड दृष्टिकोण", *कॉगेंट इंजीनियरिंग जर्नल* (SCOPUS baMsDLM), टेलर और फ्रांसिस इंक, (2016), जिल्द 3, पीपी–1–17 http://dx.doi.org/ 10.1080/23311916.2015.1137206
- **मुनीस मानस** एट अल "कृत्रिम न्यूरल नेटवर्क पर आधारित फोटोवोल्टिक सिस्टम के लिए अधिकतम पावर पॉइंट ट्रैकिंग विधि", आईईईई इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन रिसेंट एडवांसेज एंड इनोवेशंस इन इंजीनियरिंग (आईकेराईई–2016), पेजः 1–6, 23–25 दिसंबर 2016, जयपुर, भारत।
- अनिरुद्ध सिन्हा, शुभम शर्मा, **मुनीश मानस** एट अल, "एमक्यूटीटी प्रोटोकॉल पर डेली नेटवर्क पर आधारित एक ऊर्जाक्षम आईओटी सक्षम स्मार्ट सिस्टम का डिजाइन", कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी (सीआईसीटी) पर आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन 2017, पीपी 1–5, भारत, 9–10 फरवरी 2017, डीओआईः 10.1109/सीआईएटीटी.2017.7977309
- बर्नम ज्योति सहारिया, **मुनीश मानस** और सुबीर सेन, "फोटोवोल्टिक पावर सिस्टम्स के एमपीपी ट्रैकिंग के लिए बक और बक–बूस्ट कन्वर्टर्स का तुलनात्मक अध्ययन" कम्प्यूटेशनल इंटेलिजेंस एंड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी पर द्वितीय आईईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, 2016, पृ. 382–387

श्री राजेश सैनी

शोध पत्र

- राजेश सैनी, "बीएफओ और इंटीरियर–पॉइंट एलॉगरिथ्म द्वारा ओपटीमाइजेशन पवन संयंत्र और पम्प–हाइड्रो पावर प्लांट के समेकन के बीच तुलना" कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी में उभरते रुझानों पर राष्ट्रीय सम्मेलन (ईटीसीएसईई–2016), अप्रैल 9–10, 2016, आरपीएस ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस, महेंद्रगढ़।

4. विद्यार्थियों की उपलब्धियां

- आईआईएसएफ उत्सव का दौरा (7–11 दिसम्बर, 2016) संतोष गुप्ता, कार्तिक।
- वित्तीय साक्षरता अभियान (विसाका–डिजिटल कैशलेस इकोनॉमी प्रोग्राम) में छात्रों द्वारा स्वयंसेवा।

5. सामाजिक पहुंच कार्यक्रम/विश्वविद्यालय के कॉर्पोरेट जीवन में विभागीय संकाय की प्रमुख भूमिकाः

- वित्तीय साक्षरता अभियान (डिजिटल कैशलेस इकोनॉमी प्रोग्राम) में छात्र और संकाय द्वारा स्वयंसेवा।
- डॉ. मुनीश मानस को सी.पी.आर.आई. (सेंट्रल पावर रिसर्च इंस्टीट्यूट) बैंगलोर में एक अक्षय ऊर्जा आधारित परियोजना समिति के समीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है।

6. कार्यक्रम और गतिविधियां

बीटेक ओरिएंटेशन कार्यक्रम, 19 सितंबर 2016

विश्वविद्यालय के प्रकोष्ठ एवं क्लब

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी)

गतिविधियां

- जुलाई से अक्टूबर 2016 के बीच सभी विभागों की अकादमिक लेखा परीक्षा।
- शिक्षा वर्ष 2016–17 के लिए छात्रों, उनके माता–पिता और विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों के प्रतिपुष्टि का आकलन।
- मार्च 6–8, 2017 से नैक (NAAC) मान्यता के लिए NAAC सम–समूह के विश्वविद्यालय भ्रमण का आयोजन। विश्वविद्यालय को 3.10 अंक के साथ NAAC द्वारा 'ए' श्रेणी में मान्यता प्राप्त है, जो कि संभवतः नव–स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालयों में सर्वाधिक अंक है।
- विश्वविद्यालय के शैक्षिक और प्रशासनिक कार्यों के डिजिटलीकरण की दिशा में अनेक पहलें।

उपलब्धियां

- विश्वविद्यालय को 3.10 अंक के साथ NAAC द्वारा 'ए' श्रेणी में मान्यता।

हकेंवि विधिक सहायता निदानशाला

गतिविधियां

- कानून विभाग के सीयूएच विधिक सहायता निदानशाला ने 9 नवंबर, 2016 को महेन्द्रगढ़ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से *'कानूनी साक्षरता के माध्यम से सभी के लिए न्याय के लोकतांत्रीकरण'* पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
- हकेंवि विधिक सहायता निदानशाला ने 9 नवंबर, 2016 को विश्वविद्यालय परिसर में कानूनी साक्षरता के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया। इसका उद्घाटन महेन्द्रगढ़ के जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने किया।
- हकेंवि विधिक सहायता निदानशाला ने 'कानूनी सहायता' और 'लोक अदालत' के महत्व को दर्शाते हुए एक खूबसूरत नाटक का मंचन किया। नाटक का मंचन कानूनी सेवा दिवस के अवसर पर एलएल.एम. के छात्रों द्वारा किया गया था।

युवा रेड क्रॉस

गतिविधियां

- 21 नवंबर, 2016 को हरियाणा स्वर्ण जयंती महोत्सव के अवसर पर नई दिल्ली में आईआरसीएस के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय रक्त दान शिविर का आयोजन।

राष्ट्रीय सेवा योजना

गतिविधियां

- 2016 में प्रवेश के दौरान हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में नवागंतुकों की मदद के लिए सहायता डेस्क।
- 15 अक्टूबर, 2016 को एक दिवसीय कैंप और परिसर में स्वच्छता अभियान (भारत रत्न डॉ. कलाम के जन्मदिन की याद में)।
- हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में सात–दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना वार्षिक शिविर, 17–23 मार्च, 2017।

उपलब्धियां

- राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ दिनेश चहल को 15 अगस्त, 2016 को जिला प्रशासन ने महेंद्रगढ़ में सामाजिक सेवा के लिए प्रशंसा पत्र दिया।
- स्वयंसेवक सुनील कुमार को हरियाणा सरकार ने 24 दिसंबर, 2016 को 'राज्य के सर्वश्रेष्ठ युवा पुरस्कार' और 20,000 रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया।

नवाचार, कौशल और उद्यमशीलता विकास केंद्र

गतिविधियां

- 20 जुलाई 2016 को पारिस्थितिकी के अनुकूल हवाई मोटरगाड़ी, भावी मोटरगाड़ी और अन्य परियोजनाओं का प्रदर्शन।

- चंडीगढ़ में 17 सितंबर, 2016 को हरियाणा के मुख्यमंत्री और शिक्षामंत्री के निवास पर 'पक्षी बचाओ, प्रकृति सहेजो' अभियान।
- 9 जनवरी, 2017 को 'पक्षियों को बचाने के लिए' जागरूकता कार्यक्रम।
- 25 फरवरी, 2017 को विश्वविद्यालय के 8वें आधारशिला दिवस पर सीयूएच में अभिनव प्रदर्शनी।
- 6 और 7 मार्च, 2017 को विषयांतर क्षेत्रों में नवाचार की क्षमता के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम।

उपलब्धियां

- तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय विद्युत प्रदर्शनी–2016 में नवाचार के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।

करियर परामर्श, प्रशिक्षण और सेवा नियोजन (प्लेसमेंट) प्रकोष्ठ

गतिविधियां

- 21 फरवरी, 2017 को प्रबंधन सम्मेलन (मैनेजमेंट कन्क्लेव) (प्रबंधन अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में)।
- मार्च 30–31, 2017 को दो–दिवसीय एसएसबी कोचिंग कैंप।

पुस्तक वाचन (बुक राडिंग) क्लब

गतिविधियां

- 15 नवंबर, 2016 को डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम की आत्मकथा पर चर्चा।
- 23 फरवरी, 2017 को 'द मोंक हू सोल्ड हिज फेरारी' पुस्तक पर चर्चा।

महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ

गतिविधियां

- 1 अगस्त, 2016 को 'हरियाणा में महिला शिक्षा' पर भाषण और निबंध–लेखन प्रतियोगिता का आयोजन।
- 1 सितंबर, 2016 को बीजेआरडी स्कूल, महेंद्रगढ़ में 'बेटी बाचाओ, बेटी पढ़ाओ' कार्यक्रम का आयोजन।
- 10 अक्टूबर, 2016 को 'अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया गया।

कला, संस्कृति और विरासत संवर्धन समूह

गतिविधियां

- 9 सितंबर, 2016 को मालबिका मित्रा (SPICMACAY) द्वारा कथक नृत्य प्रदर्शन।
- 9 फरवरी, 2016 को पंडित भोला नाथ मिश्रा (SPICMACAY) द्वारा गायन।
- 25 फरवरी, 2017 को स्थापना दिवस समारोह।

चलचित्र क्लब

गतिविधियां

- 'प्यासा' फिल्म का प्रदर्शन, 15 फरवरी, 2017।
- मार्च 2, 2017 को 'कर्तव्य निभाना है' (मौलिक कर्तव्यों पर लघु फिल्म) का प्रदर्शन।

प्रकाशन विभाग

- प्रकाशन विभाग ने 2016–17 के विश्वविद्यालय सूचना बुलेटिन और वर्ष 2016–17 के लिए विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट के मुद्रण की सुविधा।
- वर्ष 2015–16 के लिए विश्वविद्यालय का सूचनापत्र।
- प्रकाशन विभाग ने विश्वविद्यालय प्रकाशन की उनकी सामयिकता के साथ विस्तृत सूची तैयार की।
- प्रकाशन विभाग ने विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रकाशन आवश्यकताओं के लिए मुद्रक के मनोननयन (नामिकायन) की प्रक्रिया भी आरंभ की है।

दिव्यांगजन प्रकोष्ठ

दिव्यांगजन की सक्रिय भागीदारी के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करना इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य है। यह प्रकोष्ठ इस समूह की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए सभी नागरिकों के लिए समान नागरिकता के संवैधानिक सपने को साकार करने में

दिव्यांग को सुविधा प्रदान करता है। यह विभिन्न नीतियों, दिशा निर्देशों और योजनाओं के वैधानिक प्रावधानों के कार्यान्वयन को भी सुनिश्चित करता है ताकि परिसर के भीतर जीवन के सभी क्षेत्रों में दिव्यांग लोगों के लिए समान अवसर सुनिश्चित किया जा सके। दिव्यांग भी हर प्रकार के लोकतांत्रिक अवसरों का लाभ उठा सकें, इसमें पूर्ण सहयोग देने के लिए प्रकोष्ठ ने विश्वविद्यालय समुदाय के सुग्राहीकरण का प्रयास किया है।

गतिविधियां

- प्रकोष्ठ ने 3 दिसंबर, 2016 को 'दिव्यांग' से संबंधित मुद्दों पर पोस्टर प्रतियोगिता, समूह चर्चा और अन्य प्रासंगिक प्रासंगिक कार्यक्रमों का आयोजन कर दिव्यांग लोगों के लिए अंतर्राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया।
- विशेष शिक्षक और पुनर्वास मनोवैज्ञानिक अंश कुमार दास को संसाधन व्यक्ति के रूप में आमंत्रित किया गया था।

सामुदायिक विकास केंद्र और उन्नत भारत अभियान

विश्वविद्यालय के सामुदायिक विकास केंद्र ने कानूनी सहायता निदानशाला, महिला सशक्तीकरण प्रकोष्ठ, एन.एस.एस./युवा रेड क्रॉस और विश्वविद्यालय के अन्य विभागों/प्रकोष्ठ के समन्वय से विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया। उन्नत भारत अभियान की परिकल्पना के अंतर्गत विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कुछ प्रमुख सामुदायिक गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- दिसंबर, 2016 में विश्वविद्यालय ने गांवों में चल रहे विसाका (VISAKA) जागरूकता अभियान को अपनाया।
- वित्तीय समावेशन से संबंधित मुद्दों के बारे में गोद लिए गए गांवों के आम ग्रामीणों को संवेदनशील बनाने के लिए 23 जून 2016 को सेबी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के सहयोग से निवेशक शिक्षा पर क्षेत्रीय संगोष्ठी।
- जून 21, 2016 को पड़ोसी क्षेत्रों के विद्यालयों के छात्र–छात्राओं की सक्रिय भागीदारी के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन।
- विश्वविद्यालय ने पड़ोसी क्षेत्र के उभरते उद्यमियों को शिक्षित करने के लिए जुलाई 18–30, 2016 से 'स्टार्टर एवं स्टार्ट अप्स– आरंभकों के लिए प्रज्ञता चक्र' पर एक जीआईएएन (GIAN) पाठ्यक्रम का आयोजन किया।
- 22 अप्रैल, 2016 को पर्यावरण विज्ञान विभाग ने बागान अभियान, पर्यावरण मुद्दों पर वृत्तचित्र और गोद लिए गए गांवों के विद्यालयों के छात्रों के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन करके पृथ्वी दिवस मनाया।
- पर्यावरण विज्ञान विभाग ने 30 मई से 5 जून 2016 तक विभिन्न प्रतियोगिताओं जैसे प्रश्नोत्तरी (क्विज), पोस्टर, प्रचार–वाक्य लेखन, 'अपशिष्ट से संसाधन' और फोटोग्राफी का आयोजन करके 'विश्व पर्यावरण सप्ताह 2016' मनाया।
- शिक्षा विभाग ने मदन मोहन मालवीय योजना के अंतर्गत 28 फरवरी, 2017 को 'एकीकृत शिक्षाः अभ्यास और चुनौतियां' पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया।
- 05 सितंबर, 2016 को गणित विभाग ने विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 8 गांवों के सरकारी विद्यालयों के छात्रों के लिए एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया।

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय पूर्व छात्र क्लब

- विश्वविद्यालय के साथ पूर्व छात्रों की सक्रिय बातचीत की सुविधा के लिए पूर्व छात्र क्लब का गठन किया गया है। हमारे पूर्व छात्र हमारे असली ब्रांड एम्बेस्डर हैं जो राष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की छवि का प्रतिनिधित्व करते हैं। क्लब पूर्व छात्रों के साथ समन्वय बनाए रखता है और उच्चतर अध्ययन और पूर्व छात्रों के रोजगार से संबंधित प्रासंगिक आंकड़े एकत्र करता है।
- 3 मार्च, 2017 को क्लब ने पूर्व छात्र संगठन के द्वितीय सम्मेलन का आयोजन किया तथा इसमें शिक्षा के विभिन्न विभागों के सैकड़ों पूर्व छात्रों ने भाग लिया था। माननीय कुलपति प्रो. आर. सी. कुहाड़ ने इस सम्मेलन की अध्यक्षता की।

शिक्षक क्लब

संकाय के सदस्यों और उनके परिवारों को सामाजिक और सांस्कृतिक बातचीत के लिए एक मंच प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय ने शिक्षक क्लब स्थापित किया है। शिक्षकों और उनके परिवारों के बीच अपनत्व की भावना को बढ़ावा देने के लिए क्लब समय–समय पर सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

इको क्लब

छात्रों और संकाय के सदस्यों को प्रासंगिक पारिस्थितिक मुद्दों के बारे में जागरूक करने के लिए इको–क्लब का गठन किया गया है। पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में विश्वविद्यालय द्वारा अपनाए गए गांवों के ग्रामीण किस प्रकार योगदान कर सकते हैं, यह समझाने के लिए इको क्लब विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

परिसर और आसपास स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण के संरक्षण में प्रत्येक हितधारक की भूमिका के बारे में छात्रों और समुदाय को संवेदनशील बनाने के लिए क्लब विभिन्न आयोजनों का आयोजन करता है। क्लब ने पर्यावरण अध्ययन विभाग के सहयोग से संरक्षण, जलवायु परिवर्तन, स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण के विषय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया है।

केंद्रीय पुस्तकालय

विश्वविद्यालय में एक सुसज्जित पुस्तकालय है। यह 3530 वर्ग फुट क्षेत्र में निर्मित है। पुस्तकालय समिति संकाय, शोध विद्वानों और छात्रों की आवश्यकताओं के आधार पर पुस्तकालय के लिए संसाधनों की खरीद का प्रबंधन करती है। पुस्तकालय में 23,970 पुस्तकें, 39 भेंट की गई पुस्तकें, 21 शोध–प्रबंध, 104 लघु शोध–प्रबंध, 49 शोध–पत्रिकाएं और 19 पत्रिकाएं, कानूनी विशेषज्ञों के लिए ऑनलाइन आंकड़ा संचय पांडुलिपि और 258 प्रतिवेदन हैं। पुस्तकालय आंशिक रूप से स्वचालित है। पुस्तकालय में सामान्य संग्रहों और विषय निर्दिष्ट संदर्भ कार्यों के अद्यतन के साथ विविध संग्रह उपयोगकर्ताओं की आवश्यकताओं को पूरा करते हैं। पुस्तकालय का प्रबंधन दो सहायक पुस्तकाल्याध्यक्षों, एक सूचना वैज्ञानिक और 5 सहायक कर्मचारियों द्वारा किया जाता है।

प्रति माह पुस्तकालय में आने वालों की औसत संख्या 4,194 है और पुस्तकें जारी करने एवं उनकी वापसी की संख्या प्रति माह 2,700 है। पंजीकृत छात्रों और पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या का अनुपात 10 है। विगत तीन वर्षों में पुस्तकालय में लगभग 1821 नई पुस्तकें जुड़ीं। ओपीएसी में लॉगिन करने वालों की औसत मासिक संख्या 400 से भी अधिक और ई–संसाधनों की डाउनलोडिंग व प्रिंटिंग की संख्या लगभग 100 है। ई–संसाधनों का औसत डाउनलोड 2400 है। पुस्तकालय लाइब्रेरी प्रबंधन सॉफ्टवेयर (एलएमएस) ई–ग्रंथालय का उपयोग करता है। यह पुस्तकालय का सूचीपत्र ऑनलाइन प्रदान करता है। पुस्तकालय में 33 कंप्यूटर और 4 प्रिंटर हैं। लाइब्रेरी परिसर सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में है। पुस्तकालय संकाय, अनुसंधान विद्वान और छात्रों को उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में जागरूकता प्रदान करता है। पुस्तकालय गुणवत्ता अनुसंधान के लिए एक शर्त के रूप में उपयोग किए गए साहित्यिक चोरी जांच सॉफ्टवेयर के संचालन में विभागों और परीक्षा शाखा के साथ समन्वय करता है।

पुस्तकालय में उपलब्ध संग्रहों का विवरण निम्नवार है:

क्रम सं.	पुस्तकें	संख्या
1.	पुस्तकें	23970
2.	ई–संसाधन / ई–पुस्तकें / ई–जर्नल	8500
3.	सीडी / डीवीडी	93
4.	रिपोर्ट	258
5.	पत्रिकाएं	19 (5 हिन्दी 14 अंग्रेजी)
6.	समाचार पत्र	13 (6 हिन्दी. 7 अंग्रेजी)
7.	कुल सदस्यता	1600